नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार 8 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 171 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

घाटशिला विधानसभा के धालभूमगढ़ में आयोजित चुनावी सभा में लोगों का अभिवादन करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में युवक की मौत

बोकारो (नबिटा ब्यूरो)। जिले के एनएच-23 पर गुरुवार रात सड़क हादसे में मिर्ज़ापुर निवासी दिलेश्वर ठाकुर की मौत हो गई। युवक सैलून बंद कर घर लौट रहा था तभी तेनु चौक के पास रामगढ़ की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गया। शुक्रवार को हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया। हादसे के बाद दिलेश्वर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पेटरवार थाना की पीसीआर वैन पहुंचकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार ले गई, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल बोकारो रेफर किया गया। बाद में बीजीएच में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला का कुएं से मिला शव

गोड्डा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के महागामा थाना क्षेत्र स्थित बागजोरी में एक महिला का शव घर के पीछे स्थित कुएं से बरामद किया गया। यह महिला पति से झगड़े के बाद 5 नवंबर से लापता थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान काजल कुमारी के रूप में हुई है। उसका पति मिथुन भगत ने पुलिस को बताया कि 5 नवंबर की शाम करीब 6 बजे उनके बीच झगड़ा हुआ था। मिथुन भगत के अनुसार वह अपनी मां को महागामा छोड़कर किराना स्टोर का सामान लेने गया था। लौटने में देर हो गई थी, जिस पर पत्नी ने सवाल उठाया था।

दामोदर नदी से एक और युवक का शव बरामद

धनबाद (नबिटा ब्यूरो)। दामोदर नदी में कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के दौरान पानी की तेज धार में बहे 6 युवकों में से पांच के शव बरामद कर लिए गए हैं। गुरुवार तक चार और शुक्रवार को एक और युवक का शव नदी से बाहर निकाला गया। एक युवक अभी भी लापता है जिसकी तलाश जारी है। एनडीआरएफ की टीम उनकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए धनबाद भेज दिया है।

अवैध बालू खनन का विरोध करने पर युवक की हत्या

चाईबासा (नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जैतगढ़ ओपी थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन का विरोध करने पर एक युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार को मुंडाई गांव में हुई। मृतक की पहचान दीपक प्रधान के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार दीपक प्रधान क्षेत्र में अवैध बालू खनन और उसके परिवहन का लगातार विरोध कर रहे थे। शुक्रवार को भी उन्होंने बालू लदे एक ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान ट्रैक्टर चालक ने उन्हें कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। दीपक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

अपने स्वार्थ के लिए वोट मांगने वालों से रहें सावधान : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

घाटशिला। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लोगों से कहा कि वे उन नेताओं से सावधान रहें जो 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में अपने स्वार्थ के लिए वोट मांगने आते हैं। हेमंत सोरेन ने घाटशिला सीट के अंतर्गत मुसाबनी में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उनका इशारा पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की ओर था जो राज्य विधानसभा चुनाव से पहले पिछले साल अगस्त में झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि 'कई लोग, जिनमें कुछ पहले हमारे बीच थे, अपने स्वार्थ के लिए उपचुनाव में आपसे वोट मांगने आएंगे लेकिन उपचुनाव आदिवासियों और मूलवासियों

सहित आम जनता के अधिकारों के लिए है, स्वार्थी लोगों के लिए नहीं। मुख्यमंत्री ने अपना अधिकतर भाषण संथाली भाषा में दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोधियों के पास छल-बल, धन-बल है चुनाव जीतने के लिए लेकिन जनता जनार्दन से बड़ी अदालत कोई अदालत नहीं। एक बार जनता ने भाजपा को भगाने का मन बना लिया तो जनता की अदालत से बड़ा कोई अदालत नहीं होता। आज हम इसलिए जनता की अदालत में है। सोमेश बाबू को मौका दीजिए, घाटशिला विधानसभा के सपनों को पूरा करने का अवसर दीजिए। क्योंकि हमको नहीं लगता कि सोमेश बाबू जैसी मजबूती से कोई और इस घाटशिला के सपनों को पूरा करने की जिम्मेवारी उठा सकता है और हम लोग भी साथ हैं काम करने के लिए। इसलिए सजग रहें! अलग-अलग कोने से अफवाह उड़ाने वाले लोग आएंगे, डराने धमकाने वाले लोग भी आएंगे, खरीद फरोख्त करने वाले लोग भी आयेंगे। इन सब लोगों को देख लीजिए और पहचान कर रखिएगा। चुनाव का समय सामने आ गया है तो उनको भगाने का भी काम करना पड़ेगा।

सारंडा जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम के सारंडा जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई। यह घटना जराईकेला थाना क्षेत्र के मारंगपोगा और तेताई के सीमावर्ती इलाकों में हुई जहां कोबरा बटालियन के जवानों और नक्सलियों के बीच लगभग 45 मिनट से एक घंटे तक संघर्ष चला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान पहुंचा है। चाईबासा के एसपी अमित रेणु ने अभियान जारी रहने की पुष्टि की है। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण कर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। सुरक्षाबलों ने कुछ हथियार भी बरामद किया है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। यह वही इलाका है जहां करोड़ों के इनामी नक्सली अनल दस्ता सक्रिय है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में सर्च और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। इसका उद्देश्य नक्सलियों के छिपने के ठिकाने और संभावित सहयोगियों का पता लगाकर उनकी गतिविधियों को रोकना है। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार इलाके में तनाव बना हुआ है और रुक-रुककर गोलीबारी जारी है। एसपी ने यह भी चेतावनी दी कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां इलाके में सतर्कता बरतते हुए कार्रवाई कर रही है। बताते चलें कि इस क्षेत्र में एक करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा सक्रिय है। उसके साथ अनमोल, असीम मंडल, चमन और अजय महतो जैसे नक्सली नेता भी मौजूद हैं।

राष्ट्रीय गीत के सम्मान में कार्यक्रम स्वदेशी वस्तु अपनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर झारखंड भाजपा की ओर से राज्यभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। रांची में भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडे, विधायक सीपी सिंह समेत बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय गीत गाकर इसे याद किया। इस मौके पर भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने स्वदेशी वस्तु अपनाने पर जोर देते हुए शपथ ली। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को केंद्र सरकार की ओर से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत झारखंड में भी भाजपा ने प्रदेश से लेकर जिला और प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए हैं। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडे का कहना है कि यह गीत हर भारतीय को गौरवान्वित करती है, जिससे युवाओं को उर्ज़ा मिलती है। यह गीत भारत माता की वंदना है जिससे हमारा अस्तित्व जुड़ा हुआ है। भाजपा नेत्री डॉ तान्या कहती है कि यह गीत सामान्य गीत नहीं है, इसके गायन से अदभुत अनुभूति मिलती है। राष्ट्रीय भावना को जगाने में सक्षम यह गीत सभी देशवासियों के लिए राष्ट्रीयता का बोध कराती है। दरअसल वंदे मातरम गीत को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में लिखा था। इस गीत को 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार गाया था। उस समय यह गीत केवल स्वर नहीं थे बल्कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक आवाज थी। 1905 के बंग भंग आंदोलन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम के प्रत्येक चरण में वंदे मातरम ने भारतवासियों के हृदय में जोश और एकता का संचार किया था।

झारखंड की पहली महिला डीजीपी तदाशा मिश्रा ने ग्रहण किया पदभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की पहली महिला डीजीपी के तौर पर आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा ने अपना योगदान दे दिया है। गुरुवार को सरकार ने तदाशा मिश्रा को प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया था। शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में बतौर डीजीपी के रूप में तदाशा मिश्रा ने अपना पदभार भी ग्रहण कर लिया। 1994 बैच की आइपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा ने झारखंड के प्रभारी डीजीपी के रूप में अपना योगदान दे दिया है। शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में तदाशा मिश्रा ने अपना पदभार ग्रहण किया। आइपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता के वीआरएस लेने के बाद झारखंड में डीजीपी का पद रिक्त हो गया था। प्रभारी डीजीपी का पदभार ग्रहण करने के बाद तदाशा मिश्रा ने बताया कि फिलहाल उनकी पहली प्राथमिकता झारखंड स्थापना दिवस है। इसके अलावा बेसिक पुलिसिंग पर उनका विशेष जोर रहेगा। संगठित अपराध और नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा ने बताया कि पुलिस एक टीम की तरह काम करेगी, किसी एक व्यक्ति विशेष पर सब कुछ निर्भर नहीं करेगा। एक अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है लेकिन एक टीम सब कुछ कर सकती है। पब्लिक का विश्वास जीतना उनकी विशेष प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज उनके आवासीय कार्यालय में राज्य की नवनियुक्त प्रभारी पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक तदाशा मिश्रा ने मुलाकात की। प्रभारी पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। बता दें कि 1992 बैच के आईपीएस प्रशांत सिंह और 1993 बैच के आईपीएस एमएस भाटिया झारखंड में ही पदस्थापित हैं। ऐसे में संवैधानिक संकट भी है। क्योंकि इन दोनों सीनियर अफसरों के होते हुए 1994 बैच की आईपीएस तदाशा मिश्रा को झारखंड पुलिस का नया कप्तान बनाया गया है।

ट्रेन से सात लाख रुपए के 78 कछुए बरामद

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। धनबाद रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस से 78 कछुए बरामद किए हैं। इन कछुओं की अनुमानित कीमत 7 लाख 80 हजार रुपए बताई गई है। आरपीएफ पोस्ट धनबाद को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रेन के महिला कोच में बड़ी संख्या में कछुओं की तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कछुओं को बरामद किया। बरामद किए गए कछुओं को आगे की कार्रवाई के लिए धनबाद के वन क्षेत्र पदाधिकारी को सौंप दिया गया है। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कछुओं को संरक्षित प्रजाति का दर्जा प्राप्त है। इस अभियान में आरपीएफ टीम के सदस्य कुंदन कुमार, जीवलाल राम, बबुलेश कुमार, सत्येंद्र कुमार प्रसाद, प्रमोद कुमार और विवेक कुमार शामिल थे। धनबाद आरपीएफ की टीम कछुओं की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

बिहार चुनाव को लेकर सील होगी पलामू-गढ़वा सीमा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पड़ोसी राज्य बिहार में दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होनी है। पलामू से सटे बिहार के गया, औरंगाबाद और रोहतास के इलाके में भी वोटिंग होनी है। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पलामू जिला में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। 11 नवंबर को होने वाले वोटिंग को लेकर अगले 48 घंटे में बिहार से सटे हुए झारखंड के पलामू और गढ़वा के सीमावर्ती इलाके को सील कर दिया जाएगा जबकि प्रतिबंधित नक्सल संगठनों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर, बिहार एसटीएफ समेत कई बलों को तैनात किया जाएगा। नक्सल अभियान के दौरान वोटिंग से पहले सीमावर्ती इलाके को सेनेटाइज किया जाएगा। दोनों राज्यों ने नक्सली कमांडर और नक्सल समर्थकों की सूची को भी साझा किया है। इसी सूची के आधार पर एक-एक नक्सली कमांडर और उनके समर्थकों को टारगेट किया जाएगा। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पलामू और गढ़वा में इंटरस्टेट चेक पोस्ट बनाया गया है। चेक पोस्ट पर पुलिस और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है साथ रही निगरानी के लिए सीसीटीवी भी लगाया गया है। वोटिंग से ठीक 48 घंटे पहले इंटरेस्टेट चेक पोस्ट के माध्यम से बॉर्डर को सील कर दिया जाएगा। पलामू में चार इंटरस्टेट चेक पोस्ट बनाया गया है जबकि गढ़वा के इलाके में भी चेक पोस्ट बनाया गया है। जोनल आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सीमावर्ती इलाके में हाई अलर्ट जारी किया गया है और निगरानी रखी जा रही है। नक्सलियों के गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है और अभियान चलाए जाने की तैयारी है। चेक पोस्ट के माध्यम से कार्रवाई भी हो रही है। शुक्रवार को बिहार में प्रधानमंत्री का कार्यक्रम हो रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए सीमावर्ती इलाके को भी सील किया गया है।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 9.07 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है। यह कार्रवाई भुरकुंडा में गुप्त सूचना के आधार पर की गई। एसपी अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक सिल्वर रंग की बोलेरो गाड़ी से कुछ लोग ब्राउन शुगर (हेरोइन) की खरीद-बिक्री के लिए भुरकुंडा आ रहे हैं। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पतरातू के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने भुरकुंडा के विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान दोमुहानी रिवर साइड, भुरकुंडा के पास उक्त बोलेरो गाड़ी को रोका गया। गाड़ी चालक और उसमें सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। हालांकि पुलिस बल ने चालक को पकड़ लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम राजेश कुमार बेदिया और गाड़ी में बैठे दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम महफूज आलम उर्फ राजन बताया। भागने का कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके पास ब्राउन शुगर है, इसलिए वे पुलिस को देखकर भाग रहे थे। उपस्थित पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी में दोनों व्यक्तियों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान महफूज आलम उर्फ राजन के पास से 4.77 ग्राम ब्राउन शुगर (हेरोइन) और राजेश कुमार बेदिया के पास से 4.3 ग्राम स्मैक/ब्राउन शुगर (हेरोइन) बरामद हुई। इस प्रकार कुल 9.07 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई। दोनों व्यक्तियों से ब्राउन शुगर से संबंधित वैध कागजात मांगे गए लेकिन वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद उन्हें अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

ट्यूनीशिया में फंसे 40 झारखंडी प्रवासी श्रमिक सुरक्षित स्वदेश लौटे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के विष्णुगढ़, गिरिडीह और बोकारो के 48 प्रवासी श्रमिकों में से 40 श्रमिक सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। शेष 8 श्रमिकों की वापसी भी जल्द होने की संभावना है। ज्ञात हो कि श्रमिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो जारी कर प्रदेश एवं केंद्र सरकार से अपनी सकुशल वापसी की गुहार लगाई थी। उन्होंने बताया था कि पिछले तीन माह से निर्माण एजेंसी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया जिससे खाने-पीने में भारी परेशानी हो रही थी। श्रमिकों की इस दयनीय स्थिति को देखते हुए उनके बकाए वेतन का भुगतान कराया गया तथा स्वदेश वापसी के लिए हवाई टिकट भी उपलब्ध कराए गए। प्रवासी श्रमिकों की समस्या उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की थी। अली के अनुसार पहली खेप में 31 और दूसरी खेप में 9 श्रमिक वापस लौट आए हैं। बचे हुए 8 श्रमिकों के लिए भी टिकट उपलब्ध करा दिए गए हैं और उनकी जल्द वापसी की उम्मीद है। स्वदेश लौटने वालों में धनेश्वर महतो, अनंतलाल महतो, गोविन्द महतो, जागेश्वर महतो, जगतपाल महतो, गंगाधर प्रसाद, खीरोधर महतो, कैलाश महतो, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, नीलकंठ महतो, खुबलाल महतो, संतोष महतो, सेवा महतो, नंदलाल महतो, मुरली मंडल, झंडु महतो, गुरुचरण महतो, नागेन्द्र कुमार सहित कुल 40 प्रवासी श्रमिक शामिल हैं।

रांची में 19 हजार वाहन मालिकों को मिलेगा नोटिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। धनतेरस और दीपावली के मौके पर राजधानी रांची में वाहनों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री के बाद अब जिला परिवहन विभाग ने शोरूम संचालकों की लापरवाही पर सख्त रुख अपना लिया है। त्योहार के दौरान शहर के विभिन्न शोरूम से करीब 22,500 वाहनों की बिक्री हुई थी लेकिन इनमें से 19,300 वाहन मालिकों को अब तक रजिस्ट्रेशन कार्ड नहीं मिल सका है। इस लापरवाही के चलते हजारों वाहन बिना कागजात के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे न केवल सड़क सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है बल्कि वाहन मालिकों को भी भारी आर्थिक जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। बिना रजिस्ट्रेशन कार्ड के वाहन चलाने की स्थिति में बीमा का लाभ नहीं मिलता, और पुलिस जांच के दौरान पकड़े जाने पर भारी जुर्माना भी देना पड़ सकता है। जिला परिवहन विभाग ने ऐसे 100 से अधिक शोरूम संचालकों की सूची तैयार की है, जिन्होंने बिक्री के बाद भी वाहन संबंधी दस्तावेज विभाग को उपलब्ध नहीं कराए हैं। अब परिवहन विभाग इन शोरूमों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। जल्द ही सभी संचालकों को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांगा जाएगा। उधर वाहन मालिक लगातार शोरूम के चक्कर काट रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि वाहन खरीदने के समय उन्हें पांच दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन कार्ड देने का वादा किया गया था लेकिन अब एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही। शोरूम कर्मियों की ओर से केवल थोड़ा और इंतजार करें कहकर उन्हें टाल दिया जा रहा है। वाहन मालिकों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर नई गाड़ी खरीदने के बाद भी उन्हें वैध दस्तावेज नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। वहीं कई लोग बिना रजिस्ट्रेशन कार्ड के वाहन चलाने को मजबूर हैं जिससे पुलिस जांच के दौरान दिक्कतें आ रही हैं। परिवहन विभाग की सख्ती के बाद अब उम्मीद जताई जा रही है कि शोरूम संचालक जल्द ही लंबित दस्तावेज उपलब्ध कराएंगे। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी शोरूमों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तय है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

✆ 7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन, प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत यथोचित कार्रवाई का मिला आश्वासन

आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड व वोटर आईडी कार्ड समेत मामलों का प्राथमिकता के साथ निराकरण

■ जनता दरबार द्वारा प्राप्त शिकायतों का समयबद्धता के साथ निपटारा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिसका मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों और समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित निवारण करना और प्रशासनिक सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाना है। इसी क्रम में आज जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाकर आमजनों की शिकायतों को सुना और उसके त्वरित निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया।

आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए करीब सैकड़ों से ज्यादा लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित

कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान कई समस्याओं जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड समेत कई मामलों का का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। आज के जनता दरबार में दो थर्ड जेंडर फरियादी पहुंचे, उपायुक्त से मिलकर आवेदन दिया, जिसपर उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लिया और दोनों थर्ड जेंडर का आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड जल्द से जल्द बनाने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया। इसके अलावा जनता दरबार में उपस्थित फरियादियों ने जमीन विवाद, दाखिल खारिज, भूमि रजिस्ट्री, लगान रसीद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, राशन, शिक्षा एवं अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए।

प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों पर अंचलाधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रत्येक मामले में फोन पर संबंधित अधिकारी से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और पारदर्शी ढंग से निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें ताकि आमजन को राहत मिल सके। मौके पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी-सह-प्रभारी पदाधिकारी, जन शिकायत समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डुमरी पुलिस ने चोरी में संलिप्त आठ चोरों को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डुमरी निमियाँघाट थानाक्षेत्र के ग्राम हेठनगर में अवस्थित विजय कुमार वर्णवाल के घर पर अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी की घटना कारित किया गया है। जिसके आलोक में विजय कुमार वर्णवाल के द्वारा दी गई आवेदन के आधार पर निमियाँघाट थाना काण्ड सं0 110/25 दिनांक 29. 10.2025 धारा 331 (4) 305 बी.एन.एस. के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज किया गया इस घटना का उद्भेदन करने हेतु पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डुमरी के नेतृत्व में एक सीट टीम का गठन कर काण्ड में संलिप्त चोरो का पता लगाकर चोरी गये समानों की बरामदगी एवं गिरफ्तारी हेतु दिशा-निर्देश दिया गया पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश पर कार्रवाई करते हुए गठित टीम के द्वारा तकनिकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान के क्रम में इस चोरी की घटना में संलिप्त मो० सफीक अंसारी उर्फ गुड्डु पिता सलीम अंसारी मो० गुलजार अंसारी पिता निजाम अंसारी, मो० सदीक उर्फ मुखिया पिता अतीक मो० हातिम अंसारी पिता खातिर अंसारी मो० सद्दाम अंसारी पिता सिराजउद्दीन अंसारी, मो० गुफरान पिता स्व० अब्दुल ललीफ सभी ग्राम श्यामडीह बस्ती, कतरास, थाना कतरास, जिला धनबाद, मो० सोबराती अंसारी पिता स्व० खातिर अंसारी ग्राम लोहारगोड़ा, थाना चन्दनकियारी बारामसिया ओ०पी० जिला बोकारो को पकड़ा गया।

उक्त पकड़ाये सभी से पूछताछ किये जाने पर उनलोगों के द्वारा उक्त घर पर चोरी करने में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया है और अपने अन्य सहयोगी साथी का नाम बताया है। तत्पश्चात उनलोगों के निशानदेही पर चोरी करने का समान एवं रूपया बरामद किया गया है पकड़ाये अपराधकर्मियों का पूर्व का अपराधिक इतिहास भी रहा है अपराधिक इतिहास मो० गुलजार अंसारी पिता निजाम अंसारी ग्राम श्यामडीह बस्ती, कतरास, थाना कतरास, जिला धनबाद निमियाँघाट थाना काण्ड सं0 77/18 कतरास थाना काण्ड सं0 253/21 जरीडीह थाना काण्ड सं0 73/16 जोडापोखर थाना काण्ड सं0 193/23 बिरनी थाना काण्ड सं0 04/25 डुमरी थाना काण्ड सं0 10/25 मो० सोबराती अंसारी पिता स्व० खातिर अंसारी ग्राम लोहारगोड़ा, थाना चन्दनकियारी बारामसिया ओ०पी० जिला बोकारो गोविन्दपुर थाना काण्ड सं0 36/15 सियालजोरी थाना काण्ड सं0 63/16 चन्दनकियारी थाना काण्ड सं0 15/17 बिरनी थाना काण्ड सं0 04/25 निमियाँघाट थाना काण्ड सं0 77/18 डुमरी थाना काण्ड सं0 10/25 मो० हातिम अंसारी पिता खातिर अंसारी ग्राम श्यामडीह बस्ती, कतरास, थाना कतरास, जिला धनबाद बिरनी थाना काण्ड सं0 04/25 जयनगर थाना काण्ड सं० 03/25 जयनगर थाना काण्ड सं0 04/25 मो० सदीक उर्फ मुखिया पिता अतीक ग्राम श्यामडीह बस्ती, कतरास, थाना कतरास, जिला धनबाद कतरास थाना काण्ड सं0 45/08 बाघमारा थाना काण्ड सं0 124/08 कतरास थाना काण्ड सं0 27/08 बाघमारा थाना काण्ड सं0 99/08 बिरनी थाना काण्ड सं0 04/25 मो० सद्दाम अंसारी पिता सिराजउद्दीन अंसारी ग्राम श्यामडीह बस्ती, कतरास, थाना कतरास, जिला धनबाद बिरनी थाना काण्ड सं0 04/25 चास थाना काण्ड सं0 282/22 टुण्डी थाना काण्ड सं0 68/2020 बोकारो स्टील सिटी काण्ड सं0 204/22 कतरास थाना काण्ड सं0 95/2020 बरामदगी ताला काटने वाला कटर दरवाजा एवं दराज खोलने में उपयोग किया जाने वाला पेचकस चोरी किया हुआ चाँदी जैसा दिखने वाला पायल सब्बल 7500 रू० एक आधार कार्ड विजय वर्णवाल का दो चाकु छापामारी टीम सुमित प्रसाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डुमरी पु०अ०नि० सुमन कुमार, थाना प्रभारी, निमियाँघाट थाना।पु०अ०नि० प्रणीत पटेल, थाना प्रभारी, डुमरी थाना पु०अ०नि० गोपाल कृष्ण, डुमरी थाना। पु०अ०नि० रूपेश कुमार, डुमरी थाना पु०अ०नि० हरिश कुमार सिंह, निमियाँघाट थाना।स०अ०नि० सत्येन्द्र कुमार, निमियाँघाट थाना स०अ०नि० मो० शमीम अख्तर, निमियाँघाट थाना एवं निमियाँघाट एवं डुमरी थाना के सशस्त्र बल तकनिकी शाखा के आरक्षी 1268 जोधन महतो, आरक्षी 523 राजेश गोप, आरक्षी 266 विवेक कुमार आदि।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त रामनिवास यादव के द्वारा प्रखंड कार्यालय गिरिडीह स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने ईवीएम वेयर हाउस की विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की।

ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उपायुक्त ने सीसीटीवी व अन्य उपकरणों की स्थिति और रखरखाव का जायजा लिया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा मासिक निरीक्षण दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा परिसर का अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, बीयू हॉल, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जनरेटर रूम, तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक, अग्निशमन यंत्र आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं आदि का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने के निर्देश दिए। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, श्री रंथू महतों, 31 गांडेय विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी, श्री गुलाम समदानी, अग्निशमन पदाधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

150वीं वर्षगांठ पर वंदे मातरम का गायन

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत के महत्व को स्थापित करने हेतु विभागीय सचिव के निर्देश के आलोक में आज विद्यालय में सामूहिक राष्ट्रीय गीत गायन का आयोजन प्रार्थना सभा में किया गया जिसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों शिक्षक और शिक्षिकाओं ने भाग लिया राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के इतिहास इसकी रचना पहली बार इसके गायन रविंद्र नाथ टैगोर के द्वारा और भारतीयों के दिल में एकता के साथ राष्ट्रीयता के भाव को पैदा करने के लिए इसके महत्व की चर्चा प्राचार्य मुन्ना प्रसाद कुशवाहा ने विद्यार्थियों के बीच किया कुशवाहा ने विद्यार्थियों को बताया कि वंदे मातरम सिर्फ एक गाना नहीं है बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है।

बरही विधायक मनोज यादव के प्रयास से चौपारण चट्टी में फिर शुरू होगी जलापूर्ति, डीसी ने दिया नई मोटर उपलब्ध कराने का आश्वासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। दो महीने से ठप पड़ी चौपारण चट्टी की जलापूर्ति योजना अब फिर से शुरू होने जा रही है। बरही विधायक मनोज यादव के प्रयास से यह योजना जल्द ही बहाल की जाएगी।

गौरतलब है कि करीब दो महीने पहले अज्ञात चोरों ने चौपारण स्थित पीएचईडी विभाग के मोटर हाउस का दरवाजा तोड़कर मोटर चोरी कर लिया था, जिससे पूरे क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत हो गई थी। इस समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने विधायक मनोज यादव से गुहार

लगाई। शुक्रवार को विधायक मनोज यादव ने स्वयं पीएचईडी विभाग के मोटर हाउस का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल की जाए। मौके पर स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह, समाजसेवी रिशु बर्णवाल, अशोक केशरी, मंटू सिंह, मुकेश सिंह, आनंद सिंह, सुधीर केशरी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

जनहित सर्वोपरि : विधायक मनोज यादव

विधायक मनोज यादव ने कहा कि उन्होंने इस समस्या को लेकर डीसी हजारीबाग से मुलाकात की और उन्हें चौपारण की जल संकट की स्थिति से अवगत कराया। डीसी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नया मोटर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। विधायक ने बताया कि लगभग 3 लाख रुपये की लागत से नया मोटर लगाया जाएगा, जिससे जल्द ही चौपारण चट्टी में नियमित जलापूर्ति शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'जनहित की समस्याएं हमारे लिए सर्वोपरि हैं, जनता की सेवा और उनके हित के कार्यों के लिए मैं हमेशा तत्पर हूं।'

बरही अनुमंडलीय अस्पताल के डॉक्टर पर पैसे लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने का आरोप, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने की जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। बरही अनुमंडलीय अस्पताल के डॉक्टर पर पैसे लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हेराफेरी करने का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने लगाया है।

शुक्रवार को पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी से मुलाकात की और इस मामले पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि चौपारण प्रखंड के एक मामले में अस्पताल के

डॉ. इंद्रजीत कुमार पर पैसे लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने का आरोप है। पूर्व विधायक ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से शिकायत की है और मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच कर दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने अस्पताल प्रभारी डॉ. प्रकाश ज्ञानी से भी आग्रह किया कि वे अपने स्तर से जांच कर न्यायसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि 13 अक्टूबर 2025 को चौपारण के दैहर पंचायत के हथिंदर गांव में एक महिला की हत्या हुई थी। इस महिला का पोस्टमार्टम बरही अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया था। इस मामले में कुशवाहा समाज के अध्यक्ष सुखदेव दांगी और पीड़ित पक्ष हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। वहीं, आरोपित डॉक्टर इंद्रजीत कुमार ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा, 'पोस्टमार्टम में जो तथ्य सामने आते हैं, वही रिपोर्ट में दर्ज किए जाते हैं। बेसरा (नमूना) की जांच फॉरेंसिक लैब में होती है।'

रफ्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरीडीह। जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए परिवहन विभाग,राँची के निदेर्शानुसार पाँचवा दिन पुलिस उपाधीक्षक यातायात जिला परिवहन पदाधिकारी, गिरिडीह, यातायात प्रभारी, गिरिडीह एवं मोटर यान निरीक्षक, गिरिडीह के साथ संयुक्त रूप से नेता जी चौक, गिरिडीह के पास रफ़्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ, हिट एंड रन एवं गुड सेमिरिथन योजना के बारे में जागरूकता अभियान किया गया और बताया गया की वाहन को उनकी गति सीमा के अंदर ही चलाएँ इससे जरूरत पढ़ने पर वाहन को रोकने तथा नियंत्रित करने का पर्याप्त समय मिलता है, नियंत्रित गति सीमा से बाहर वाहन चलाने पर मोटरयान अधिनियम 2019 की धारा 183 के तहत आपको दंड स्वरूप भरना पड़ सकता है, सड़क पर रेसिंग करते पकड़े जाने पर चालक को मोटरयान तो अधिनियम 2019 की धारा 189 के तहत पहले अपराध के लिए पाँच हजार या तीन महीने के कारावास या दोनों से दंडित किया जाएगा साथ ही सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों एवं

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य करें।

जागरूकता अभियान के दौरान सभी लोगो के बीच रोड़ सेफ्टी हैण्डबुक, रोड़ सेफ्टी पम्पलेट एवं रफ़्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ पम्पलेट कि भी वितरण कि गई। अभियान के दौरान पुलिस उपाधीक्षक यातायात मो कौसर अली, जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार ,यातायात प्रभारी, मोटर यान निरीक्षक गौरी शंकर कुमार रवि, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक मो० वाजिद हसन, साकेत भारती एवं यातायात पुलिस के जवान मौजूद थे।

जनता को वोट का मोहरा बनाकर रखा, उनके लिए विकास नहीं किया : राजेश यादव

फॉरवर्ड ब्लॉक ने सुदूर पिपरीटांड़ गांव की समस्याओं का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की एक टीम ने आज बेंगाबाद प्रखंड के सुदूर बदवारा पंचायत के पिपरीटांड़ गांव की समस्याओं का जायजा लेने के लिए वहां का दौरा किया। स्थानीय लोगों ने अपने बुनियादी सवालों और समस्याओं को रखते हुए कहा कि, इसका समाधान नहीं हो रहा है ग्रामीणों ने बताया कि, गांव के प्राइमरी स्कूल में महज 2 पारा शिक्षक हैं, और पढ़ाई का हाल यह है कि अधिकांश बच्चे प्राइवेट स्कूल जाते हैं।

गांव के लोग दो-तीन किलोमीटर दूर जाकर कोल्हरिया से राशन लाते हैं। इस गांव के लिए आज तक सड़क नहीं बनी है। बारिश में गांव की गली तक में चलना मुश्किल हो जाता है। कहा कि, पेयजलापूर्ति के लिए बनी टंकी शोभा की वस्तु बनी हुई है। गांव के जरूरतमंद इलाज के लिए सीधा गिरिडीह की दौड़ लगाते हैं,

वह भी प्राइवेट अस्पताल में। क्योंकि सरकारी अस्पताल की व्यवस्था प्रखंड से लेकर जिले तक में लचर है। सरकार की लापरवाही के कारण ही किसानों को अपना धान सस्ते दर पर बेच देना पड़ता है वहीं, उनकी समस्याओं को सुनने के बाद श्री यादव ने कहा कि, ऐसा लगता है देश की आजादी के 78 साल बीत जाने पर भी आम जनता को सिर्फ वोट का मोहरा ही बनाकर रखा गया है। उनके विकास से जुड़े सवालों को हल नहीं किया गया। जनता हर बार नेताओं और पार्टियों की साजिश का शिकार होकर खुद के ज्वलंत सवालों को भूल जाती है। लेकिन इस स्थिति से उन्हें उबरना होगा। उन्होंने लोगों से अपनी समस्याओं को सामने रखकर एकजुट होने और हक- अधिकार की लड़ाई शुरू करने की अपील की। ऐलान किया कि, शीघ्र ही पंचायत स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा मौके पर अन्य लोगों के अलावा शिवनंदन यादव रामलाल मंडल शंभू तुरी, मनोहर महतो, नन्हकू महतो, साधु महतो, गोंदो यादव, झाबान महतो, मनोज वर्मा, गंगाधर यादव, एतवारी महतो, कोकिल महतो, अंगल यादव, दुलारी देवी, कपुरी देवी, मुंद्रिका देवी, बेबी देवी सहित अन्य मौजूद थे।

मजदूरों के साथ धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं : हलधर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुख्य अतिथि माले के पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा गिरिडीह के मजदूरों के साथ हो रहा है धोखा, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, मजदूर को गोलबंद होने की बात कही विशिष्ट अतिथि माले के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा राज्य सरकार और केंद्र सरकार के गलत नीतियों के कारण गिरिडीह के मजदूरों का हाल बुरा है, संगठित होकर रहने की है जरूरत औद्योगिक क्षेत्र मोहनपुर में हजारों क्रांतिकारी विचार वाले ग्रामीण, असंगठित मजदूर मोर्चा और भाकपा माले के नेतृव ने माले के पोलित ब्यूरो के सदस्य हलधर महतो, माले के पूर्व विधायक राजकुमार यादव, जिला सचिव अशोक पासवान, किसान नेता पूरन महतो, माले नेता परमेश्वर महतो, दीपनारायण भट्टाचार्य, राजेश सिन्हा, कन्हाई पांडेय, शंकर पांडेय आदि के

नेतृत्व में औद्योगिक क्षेत्र चतरो से पैदल रैली के रूप में पैदल चलकर सभा स्थल पहुंचे।

रास्ता भर में भाकपा माले जिंदा बाद, रूसी क्रांति जिंदाबाद, असंगठित मजदूर मोर्चा जिंदाबाद,मजदूर एकता जिंदाबाद, खट कमाओ जनता जिंदाबाद के नारे लगे, लगभग दो किलोमीटर की रैली में महिला, बच्चे, किसान, मजदूर, छात्र, महिला आदि सभा स्थल मोहनपुर पहुंचे, ढोल, नगाड़ा से और लाल झंडा से वातावरण को क्रांतिकारी माहौल बना रहा था सभा स्थल पर सबसे पहले शहीदों के नाम, हंसुआ हथौड़ा चिन्ह का झंडा फहराया गया,उसके बाद शहीदों की याद में एक मिनट का मौन रखा गया, सभी ने बारी बारी से शहीद बेदी पर मालार्पण किया गया असंगठित मजदूर मोर्चा के केंद्रीय सचिव कन्हाई पांडे और माले नेता राजेश सिन्हा ने बारी बारी से सभी अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया,स्वागत भाषण कन्हाई पांडेय ने दिया,अध्यक्ष मंडली में राजेश सिन्हा ने भी अपने विचारों को रखा मुख्य अतिथि पोलित ब्यूरो के सदस्य हलधर महतो ने कहा कि रूसी क्रांति दिवस गिरिडीह मना रहे है,उनके इतिहास को जान रहे है तो निश्चित है कि जिंदा आज के मजदूर और जनता है लाल झंडा के सिपाही ही कुछ कर सकते है,बाकी चुनावी पार्टियों से क्रांतिकारी बात सोचना अलग बात पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा रूसी क्रांति दिवस औद्योगिक क्षेत्र में मनाया जा रहा है लाल झंडे के द्वारा बड़ी बात,यही लाल झंडा इस क्षेत्र को सुधार सकता है,जल जंगल और जमीन को लाल झंडा ही बचा सकता है,जनता से अपील है, लाल झंडा के नजदीक बने रहे और पार्टी मेंबर बने, असंगठित मजदूर मोर्चा के साथ जुड़ कर रहे, गिरिडीह विधानसभा में बेहतर माहौल दिखने लगा है,राज्य सरकार और केंद्र सरकार के अधिकारी, लेबर अफसर पूंजीपति के हाथों बीके हुए है,वरना वास्तविक मजदूरी नहीं दिलवा नहीं सकते, प्रदूषण कम नहीं कर सकते है,आज काले अंग्रेज के कारण गिरिडीह बर्बाद हो रहा है,सबको सबक सिखाने की जरूरत जिला सचिव अशोक पासवान,किसान नेता पूरन महतो, असंगठित मजदूर मोर्चा के सलाहकार, दिपनरायण भट्टाचार्य माले नेता परमेश्वर महतो,राजेश सिन्हा कन्हाई पांडेय, पीरटांड़ के अजीत राय, द्वारिका राय,शंकर पांडेय आदि ने कहा कि रूसी क्रांति के इतिहास को पढ़ने की जरूरत है, मजदूरों के हक की लड़ाई लड़ने क्रांतिकारी लोग खुद आगे आयेंगे, इस गिरिडीह औद्योगिक क्षेत्र,पीरटांड़ और शहरी क्षेत्रों लाल झंडा मय करना होगा, झारखंड सरकार की योजना और केंद्र सरकार की योजना को दिलवाने में बढ़चढ़ कर साथ दे मंच संचालन पवन यादव,जबकि समापन भाषण कन्हाई पांडेय ने दिया,इस सभा और रैली में सैकड़ों की संख्या में भाग लिया है सभी को संगठन धन्यवाद देता है। माले नेता राजेश सिन्हा, कन्हाई पांडेय और अजीत राय ने कहा कि जल्द पूरे विधानसभा को साथियों के बदौलत लाल झंडामय कर देना है मुख्य रूप उपस्थित थे सनातन साहू, बिसपति तुरी,लखन कोल,सूरज तुरी,राजन तुरी,प्रसादी तुरी,गुलाब कोल,मो तबारक,मो आलम,मो एकराम,जुगल तुरी,कोलेश्वर कोल,किशुन कोल, लूटन दास,राजेश राम, मुलिया देवी,भगवती देवी,अरुण देवी, राविया देवी अनीता देवी,के अलावे सैकड़ों लोग सामिल थे

वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर महाविद्यालय में कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रामकृष्ण महिला महाविद्यालय में वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर 22 बटालियन झारखंड एनसीसी हजारीबाग द्वारा निदेर्शानुसार महाविद्यालय में कार्यक्रम किया गया जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने सार्वजनिक स्थल पर वंदे मातरम गीत की प्रस्तुति दी। साथ ही वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे लगाए गए इसके पश्चात वंदे मातरम सांस्कृतिक गौरव और नागरिक जिम्मेदारी विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शिवांगी कुमारी को प्रथम ,साल्वी सिन्हा को द्वितीय एवं आकृति और नंदनी को तृतीय स्थान मिला।निर्णायक मंडल में प्रो. दीपिका कुमारी और प्रो. नम्रता तिर्की ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीटीओ डॉ पूनम प्रभा मुंडू ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छात्राओं को धन्यवाद् दिया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एन. शर्मा, डॉ संजीव कुमार सिन्हा, डॉ छाया रानी तिवारी तथा महाविद्यालय के अन्य छात्राएं उपस्थित रहीं।

एनटीपीसी ने पौधारोपण के साथ मनाया 51वां स्थापना दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

करणपुरा। एनटीपीसी नॉर्थ करणपुरा में 7 नवम्बर 2025 को 51वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। दिन की शुरुआत मास ट्री प्लांटेशन ड्राइव से हुई, जिसका आयोजन पर्यावरण प्रबंधन समूह द्वारा प्रातः 7:30 बजे तक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निकट किया गया। कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण और सतत भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अब तक कुल 1200 पौधों का रोपण किया जा चुका है, जो स्वच्छ वायु, हरित परिसर और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। इसके पश्चात टाउनशिप स्थित आर.सी. ग्राउंड में मुख्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम का वातावरण देशभक्ति और गौरव की भावना से परिपूर्ण रहा। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (ओ&एम) राजीव कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) अजय केरहलकर, वसुंधरा लेडीज क्लब की अध्यक्ष ज्योत्सना त्रिपाठी, बाल भवन प्रभारी विनीता सिन्हा, वेलफेयर प्रभारी स्मिता केरहलकर तथा डीसी सीआइएसएफ सानुज कुमार सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि एनटीपीसी नॉर्थ करणपुरा द्वारा सभी इकाइयों का सफल कमीशनिंग एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो हमारी टीम की तकनीकी उत्कृष्टता, समर्पण और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। नॉर्थ करणपुरा आज झारखंड और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सशक्त योगदान दे रहा है।" दिन का समापन गर्व, एकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति नए संकल्प के साथ हुआ।

डीसी ने वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस एवं उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दोंनो पदाधिकारियों द्वारा वन स्टॉप सेंटर के रख-रखाव, उपस्थिति पंजी,सेंटर में आश्रित बालिकाओं की स्थिति, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाएं, भोजन तथा पेयजल की गुणवत्ता सहित कई बिंदुओं पर अवलोकन किया गया। डीसी ने डीइओ को बालिकाओं को उचित शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उन्हें कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन कराने की बात कही।इसके अलावे उपायुक्त द्वारा वन स्टॉप सेंटर का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया।इस दौरान केंद्रीय प्रशासक द्वारा बताया गया कि सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को न्याय दिलाने के साथ-साथ रिश्तों को भी बचा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते 7 वर्षों में सेंटर में करीब 460 मामलों का निष्पादन किया गया है जिसमें घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, साइबर क्राइम, यौन शोषण, बाल विवाह, डायन बिसाही आदि प्रकार के मामले शामिल हैं।उन्होंने डीसी को बताया कि मामलों का फॉलोअप भी किया जाता है। इस सेंटर द्वारा कानूनी सहायता के साथ ही परिवारों को टूटने से भी बचाया जाता है। महिला हेल्पलाइन पर 181 प्राप्त शिकायतों में से 90 से अधिक केसों का निष्पादन कर दिया गया है। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक नीरज कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान समेत सीडब्लूसी के सदस्यगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम की वीर गाथाओं का रहा है प्रत्यक्ष साक्षी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के पंड़वा थाना क्षेत्र के पंडवा बजार मे शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण हो जाने पर सामूहिक गायन हुआ। वंदे मातरम गायन कार्यक्रम में थाना प्रभारी अंचित कुमार, सब इंस्पेक्टर चिंटू कुमार, नवल किशोर सिंह, विजय मेहता, सअनि अनुज तिवारी, राजेश शर्मा, शंकर राम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल हुए। वंदेमातरम् गायन मे उपस्थित छात्र छात्राओ को संबोधित करते हुए सब इंस्पेक्टर चिंटू कुमार ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम की वीर गाथा का प्रत्यक्ष साक्षी रहा है। बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1875 में राष्ट्रगीत वंदे मातरम गीत की रचना की थी। इसका सस्वर वाचन 1896 में रविंद्रनाथ टैगोर ने किया था। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम गीत को सन 1950 में राष्ट्रीय गीत की मान्यता दी थी। मौके पर स्कूली छात्राओं ने भी वंदे मातरम का सस्वर गीत गाए।

भाकपा ने मनाया क्रांति दिवस, शहीदों को किया नमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नवंबर क्रांति के अवसर पर इफ्टा कार्यालय में सोवियत क्रांति मनाकर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूर्यपत सिंह ने किया और उन्होंने सोवियत क्रांति के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि 1917 में व्लादिन लेनिन के नेतृत्व में तानाशाही जार के सता को खत्म किया और इसके बाद दुनिया के अंदर में क्रांति तेज हुई और बहुत सारे देश आजाद हुए। जिला सचिव सह डाल्टेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने कहा कि नवंबर क्रांति जो रूस में हुआ था जार के तनाशाही सत्ता तो खत्म हुआ ही था लेकिन हिंदुस्तान के अंदर भी हिंदुस्तान के नौजवानों ने इस क्रांति से सबक लेकर अंग्रेजों से लोहा लिया भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद खुदीराम बोस, सुखदेव राजगुरु जैसे अमर शहीद और अन्य वीरों ने देश के आजादी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जरूरत है आज के नौजवानों को भी सोवियत क्रांति पढ़ने की और उसे समझने की ताकि भ्रष्टाचार रूपी कोढ़ जो हिंदुस्तान के अंदर फैला हुआ है उसको कैसे मिटाया जाए और एक जूटता दिखाया जाए। मौके पर राज्य कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह ने कहा कि लेनिन के नेतृत्व में जो क्रांति हुई थी वह मजदूर और किसने की क्रांति थी शोषण और अत्याचार के विरुद्ध वह क्रांति थी जिसमें समाजवादियों की सत्ता स्थापित हुई जो पहले सत्ता थी। आज भी हिंदुस्तान के अंदर किसान और मजदूरों की स्थिति खराब है जिसे सुधारने के दिशा में हम सब लोग को मिलकर काम करने चाहिए। बैठक में राज्य परिषद सदस्य सुरेश ठाकुर, ललन कुमार सिन्हा, नसीम राइन, बबल राम आदि कोई लोग उपस्थित थे।

एबीवीपी ने नव नियुक्त ट्रैफिक प्रभारी सत्येंद्र दुबे को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में मेदिनीनगर के नव नियुक्त ट्रैफिक प्रभारी सत्येंद्र कुमार दुबे को सम्मानित किया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने उन्हें अंगवस्त्र व पुस्तक देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने में नवनियुक्त ट्रैफिक प्रभारी अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। शहर में कई जगह लग रहे जाम की स्थिति से निपटने में सक्षम होंगे। कहा कि मेदिनीनगर में रास्तों का अतिक्रमण कर लिया गया है। विश्वास जाता है कि ट्रैफिक प्रभारी की नेतृत्व में रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाया जाएगा। मौके पर परिषद के विभाग संयोजक रामाशंकर पासवान ने शहर के सभी अभिभावकों से आग्रह किया है की कम उम्र के विद्यार्थियों को वाहन चलाने की अनुमति न दें। उनकी सुरक्षा अभिभावक स्वयं सुनिश्चित करें । इस अवसर पर नगर मंत्री किसलय दुबे, कार्यालय मंत्री अभय पांडेय, नगर सह एसएफएस दिवाकर शुक्ला समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य मे समाहरणालय परिसर मे सामूहिक गायन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। कला संस्कृति युवा विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन, जहानाबाद के संयुक्त तत्वावधान मे जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय के नेतृत्व मे 'वन्दे मातरम् के 150 वर्ष' पूरे होने के उपलक्ष्य मे समाहरणालय परिसर मे सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर सामूहिक गायन कार्यक्रम मे जिला पदाधिकारी के नेतृत्व मे उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति, अपर समाहर्ता, राजस्व अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव कुमार, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच विनय कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विशेष कार्यक्रम तेज नारायण राय, निदेशक, डी. आर. डी. ए. रोहित कुमार मिश्रा, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी चांदनी कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी, जिला कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाहरणालय परिसर के कर्मी शामिल हुए। "वन्दे मातरम् के 150 वर्ष" सामूहिक गायन कार्यक्रम वन्देमातरम गायन की प्रस्तुति राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय, जहानाबाद के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा किया गया। जिसके साथ कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने वन्देमातरम का गायन किया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को 'वंदे मातरम' सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन जहानाबाद जिला अंतर्गत अनुमंडल कार्यालय, सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालय के साथ साथ सभी विभागों एवं कार्यालय मे किया गया।

बिहार चुनाव 2025: प्रथम चरण की जांच पूरी किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान की नहीं होगी सिफारिश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रथम चरण में मतदान के बाद आयोग द्वारा जारी समेकित निर्देशों के तहत फॉर्म 17ए सहित सभी मतदान-दिवस दस्तावेजों की व्यापक और पारदर्शी जांच पूरी कर ली गई। चुनाव आयोग ने पारदर्शिता को मजबूत करने और मतदान केंद्रों पर संभावित कदाचार की सूक्ष्मतम जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया अनिवार्य की थी। सभी 121 विधानसभा क्षेत्रों में यह जांच आयोग द्वारा नियुक्त 121 रिटर्निंग अधिकारियों और 121 सामान्य पर्यवेक्षकों की निगरानी में संपन्न हुई। जांच की तिथि, समय और स्थान की पूर्व सूचना सभी प्रत्याशियों को दे दी गई थी। इसी क्रम में लगभग 455 उम्मीदवारों एवं उनके अधिकृत एजेंटों ने जांच प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की। आयोग द्वारा की गई विस्तृत जांच के दौरान किसी भी मतदान केंद्र पर कोई अनियमितता या कदाचार की पुष्टि नहीं हुई। इसके साथ ही प्रथम चरण के मतदान में किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई है। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई और जांच पूरी होने के बाद फॉर्म 17ए सहित सभी दस्तावेजों को रिटर्निंग अधिकारी की सील के साथ दोबारा अभिसीलित कर सुरक्षित रखा गया। आयोग का दावा है कि यह जांच प्रक्रिया मतदाताओं के विश्वास को मजबूत करने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिना निबंधन के कुकुरमुत्ते की तरह पनप रहे कोचिंग संस्थान फैला रहे छात्रों में अधकचरा ज्ञान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना निबंधन के दर्जनों कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे। कुकुरमुत्ता की तरह फैले इन कोचिंग संस्थान में बच्चों की भीड़ तो खूब लग रही है लेकिन ऐसे कोचिंग संस्थान किसी भी मानक पर खरा नहीं उतरते हैं। तेजी से पनप रहे इन कोचिंग संस्थानों के वजह से सरकारी शिक्षण संस्थानों में छात्रों की उपस्थिति नगण्य रहती है। अपने मनमर्जी से संचालित हो रहे इन कोचिंग संस्थानों के द्वारा सरकार के किसी भी दिशा निर्देश का अनुपालन नहीं किया जाता है। जिले में संचालित हो रहे अधिकतर कोचिंग संस्थानों से छात्रों को कचरा ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। अपने मनमर्जी से संचालित हो रहे इन तमाम कोचिंग संस्थानों के बारे में जिले के प्रशासनिक पदाधिकारियों को भी जानकारी नहीं है। जिले में कितने कोचिंग संस्थान कहां-कहां संचालित हो रहे हैं इसकी जानकारी प्रशासन को नहीं है।

कई प्रखंड क्षेत्र में एक भी कोचिंग संस्थान नहीं है निबंधितः जहानाबाद जिले के शहरी एवं प्रखंड क्षेत्र में अधिकतर कोचिंग संस्थान जो बिहार कोचिंग संस्थान (नियंत्रण एवं विनियमन) अधिनियम 2010 अंतर्गत निबंधित नहीं है। इस कानून के नियमों के अनुसार बिना निबंधन के संचालित हो रहे कोचिंग संस्थान से 25 हजार रूपए से लेकर 1 लाख रुपए तक जुर्माना वसूलने का है प्रावधान।

क्या है बिहार कोचिंग संस्थान (नियंत्रण एवं विनियमन)अधिनियम 2010:- 28 अप्रैल 2010 से क्रियान्वयन में आए इस अधिनियम के अनुसार राज्य में संचालित होने वाले सभी कोचिंग संस्थानों का निबंधन कराना अनिवार्य कर दिया गया है इसके अंतर्गत सभी कोचिंग संस्थानों को निबंधन के लिए विहित प्रपत्र में संपूर्ण सूचना भरकर 5000 की राशि निबंधन शुल्क के लिए देना होगा। इसके लिए आवेदन प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर किए गए आवेदन के आलोक में कोचिंग संस्थान का भौतिक सत्यापन और निरीक्षण किया जाएगा। इस अधिनियम के अंतर्गत जिले में इस कमेटी के जिलाधिकारी अध्यक्ष होंगे, पुलिस अधीक्षक सदस्य होंगे, जिला शिक्षा पदाधिकारी सदस्य सचिव होंगे तथा जिले किसी सरकारी महाविद्यालय के प्राचार्य इसके सदस्य होंगे।

निबंधन के लिए क्या-क्या हैं आवश्यक शर्तें: 5 अध्यायों वाले इस अधिनियम के दुसरे अध्याय में भौतिक अधोसंरचना एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार भौतिक संरचना के आधारभूत ढांचे में कोचिंग संस्थान के पास प्रति छात्र 1 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के गुणांक में संरचना होनी चाहिए। कोचिंग संस्थान के पास छात्रों के लिए निम्नलिखित बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए - छात्र छात्राओं के लिए समुचित उपस्कर, पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था, पेयजल की समुचित व्यवस्था, छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय, आकस्मिक चिकित्सा की व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था, सार्इकिल एवं वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था, सुरक्षा की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे तथा संकाय के अनुसार पर्याप्त संख्या में शिक्षक। इस अधिनियम के अनुसार प्रत्येक कोचिंग संस्थान का अलग से विवरणिका छात्रों के लिए होना जरूरी है जिसमें शिक्षण शुल्क के साथ साथ पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या की विस्तृत जानकारी उसमें होनी चाहिए। इस अधिनियम के अनुसार सरकार को इस मामले में विशेष शक्ति दी गई है कि सुविधा अनुसार नियमों को वह बदल सकती है या नए नियमों का समावेश इस कानून के दायरे में कर सकती है।

इंडोर स्टेडियम से गांधी मैदान तक निकली मतदाता जागरुकता रैली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 के मद्देनज़र जिले में समावेशी स्वीप गतिविधियों के तहत शुक्रवार को भव्य मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मलहचक मोड़ स्थित इंडोर स्टेडियम से शुरू हुई यह रैली गांधी मैदान तक पहुंची, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र, स्वयंसेवी संगठन और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर समावेशी मतदाता जागरूकता रैली एवं मतदाता जागरूकता रथ को रवाना किया। यह रथ जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के कम मतदान वाले बूथों पर जाकर मतदाताओं को जागरूक करेगा और शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करेगा। जिलाधिकारी स्वयं रैली में शामिल हुईं और लोगों से लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। द विंग्स फाउंडेशन स्कूल के छात्रों ने "आपका वोट, जहानाबाद की नई सोच" जैसे प्रभावी नारे लगाते हुए लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। रैली का समापन गांधी मैदान में हुआ। रैली के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने छात्रों को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने माता-पिता, दादा-दादी, चाचा-चाची सहित परिवार के सभी सदस्यों को 11 नवंबर को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को मिला यह अधिकार पांच वर्ष में एक बार मिलता है, और यही भविष्य तय करता है। अंत में सहायक नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने छात्रों को अपने अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। बच्चों द्वारा 'वोट फॉर जहानाबाद' की मानव श्रृंखला बनाकर जिलेवासियों से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील भी की गई।

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच-सीओएन-टीआरडी-179-2025-एनआईटी। निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच-सीओएन-टीआरडी-179-2025, दिनांक 06.11.2025, उप मुख्य बिजली इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 के द्वारा अनुभवी विद्युत ठेकेदारों, पार्टनरशिप फर्मों आदि, जिनके पास पर्याप्त वित्तीय संपन्नता एवं पर्याप्त अनुभव के साथ वैध विद्युतीय ठेकेदार का लाइसेंस है, से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** "एलएलएच-पूर्व रेलवे के लिलुआ वर्कशॉप में ईएमयू कोच का पीओएच शुरू करने के लिए पिट के प्रावधान के साथ ओएचई लाइन, निर्दिष्ट रोड सह रेल ट्रक के विकास के संबंध में विद्युत (साधारण कार्यों) के साथ 25 केवी ए.सी. सिंगल फेज ओवरहेड इक्विपमेंट, एलटी सप्लाई ट्रांसफॉर्मर आदि की डिजाइन, ड्रॉइंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ करना"। **निविदा मूल्य :** रु.2,44,89,930.30, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य, **बयाना राशि :** रु.2,72,500/-, **समापन अवधि:** 03 (तीन) माह। **अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 27.11.2025 को 15.00 बजे। निविदा कागजात वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं इस निविदा के लिए उल्लिखित अंतिम तिथि और समय पर या उससे पूर्व वर्णित "निविदा कागजात की लागत" एवं "बयाना राशि" के ऑनलाइन भुगतान के बाद बोली उक्त वेबसाइट पर जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए हर पहलू से संपूर्ण निविदा, ऊपर वर्णित सभी कागजातों के साथ **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं इस प्रकार प्राप्त किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा कागजात, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई है) एवं अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। यह निविदा सूचना उप मुख्य बिजली इंजीनियर (निर्माण), 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 के सूचना पट पर भी देखा जा सकता है। CON-51/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. आरईएचएबीएक्सएम_आर_25-26, दिनांक 03.11.2025, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, काँचरापाड़ा, पिन-743145 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **निविदा सूचना सं.: आरईएचएबीएक्सएम_आर_25-26, कार्य का नाम एवं इसका स्थान** : 01 (एक) वर्ष की अवधि के भीतर कैरिज कॉम्प्लेक्स, काँचरापाड़ा में पी.बी. सं.-752/ 2024-25 और 365/ 2025-26 के माध्यम से स्वीकृत बल्क आरएसपी कार्य के तहत 106 कोचों के लिए प्रमुख ध्यान के दौरान साइकिल डाउनटाइम को कम करने के लिए कोचों का पुनर्वास / ओवरहॉलिंग। **कार्य का अनुमानित मूल्य :** रु.2,06,21,391.58, **निविदा कागजात का मूल्य (टीडीसी):** शून्य। **वेबसाइट जहाँ निविदा कागजात उपलब्ध होगा :** निविदा कागजात का संपूर्ण सेट भारतीय रेल की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 03.11.2025 से 25.11.2025 को 14.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **प्रतिभूति राशि जमा की जाएगी:** 2,53,200/-, **कार्य की समापन अवधि:** 01 (एक) वर्ष। **विज्ञापन अवधि:** दिनांक 03.11.2025 से 25.11.2025 को 14.00 बजे तक। **प्रस्ताव जमा देने की अवधि:** 15 (पंद्रह) दिन पूर्व से 25.11.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 25.11.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा की वैधता:** 66 (छियासठ) दिन। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** निविदा दिनांक 25.11.2025 को 15.00 बजे और उसके बाद खोली जाएगी।

MISC-268/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं. 160_2025-26, दिनांक 04.11.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है **(वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के लिए): एनआईटी सं. 160_2025-26, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न कार्यालय यूनिटों में शौचालय सुविधाओं सहित नए लेडीज ड्रेस चेंजिंग रूम का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,04,24,357.66, **बयाना राशि:** रु. 2,02,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य । **समापन अवधि :** 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 25.11.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-375/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/43 दिनांक 04.11.2025 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **ई-ऑक्शन कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-43, नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय: दिनांक** 19.11.2025 **को** 13.00 **बजे। क्रम सं., लॉट सं. और विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एडीवीटी-आईएनटी-174407-2-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर), ट्रेन नं. 22301/22302 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) वंदे भारत एक्सप्रेस के सभी 16 कोचों में फैक्टरी फिटेड 32 इंच एलसीडी टीवी के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अधिकारों के लिए 03 वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **एए/2,** एडीवीटी-आईएनटी-249813-2-25-2 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर), ट्रेन नं. 22309/22310 (हावड़ा-जमालपुर-हावड़ा) वंदे भारत एक्सप्रेस के सभी 08 कोचों में फैक्टरी फिटेड 32 इंच एलसीडी टीवी के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अधिकारों के लिए 03 वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **एबी/3,** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-54-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), हावड़ा स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल के माध्यम से रेलवे सूचना और विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए 03 वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **एसी/1,** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएसएन-129-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), हावड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्मों (पीएफ. 8 से 15) में एलईडी फ्लेंज के माध्यम से 03 वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एसी/2,** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएल-ओएसएन-19-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), हावड़ा मंडल के तहत 3 वर्ष की अवधि के लिए क्लस्टर-IV (क) झापटेर ढाल स्टेशन से गुमानी स्टेशन तक, (ख) अदलपहाड़ी स्टेशन से कुरुवा स्टेशन तक, (ग) आजिमगंज सिटी स्टेशन से ताकिपुर स्टेशन तक और (घ) चौहट्टा स्टेशन से अजय केबिन तक) स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के अंदर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। HWH-376/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

वैशाली एक्सप्रेस से नोटों का जखीरा जब्त

बंडल देखकर पुलिस भी हैरान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिहार में चुनावी माहौल के बीच नकदी के अवैध प्रवाह पर निगरानी बढ़ाई गई है, इसी क्रम में शुक्रवार की सुबह गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को बड़ी सफलता मिली है। सुपरफास्ट वैशाली एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे बिहार के मोकामा निवासी एक व्यापारी के पास से 99.9 लाख रुपये नकद बरामद हुए। रकम के वैध दस्तावेज न मिलने पर आयकर विभाग ने नकदी जब्त कर व्यापारी को हिरासत में ले लिया है।

जीआरपी के अनुसार, पकड़ा गया व्यापारी मुकुंद माधव मुजफ्फरपुर जाने के लिए ट्रेन में सवार होने वाला था। नियमित चेकिंग के दौरान जब उसके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें नोटों के बंडल देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। पूछताछ में व्यापारी रकम का कोई स्पष्ट हिसाब नहीं दे सका और केवल इतना कहा कि यह व्यावसायिक काम के लिए है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह संदेह गहरा गया

है कि रकम हवाला नेटवर्क या चुनावी खर्च से जुड़ी हो सकती है। आयकर विभाग ने मौके पर गिनती के लिए मशीन मंगाई, जिसमें 99 लाख 90 हजार रुपये नकद बरामद हुए। टीम ने व्यापारी के मोबाइल कॉल डिटेल, बैंक खातों और संपर्क सूत्रों की जांच शुरू कर दी है।

आयकर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रकम के स्रोत की पुष्टि होने तक इसे विभागीय कब्जे में रखा जाएगा। व्यापारी से पूछताछ में यह भी सामने आया कि उसने नकदी गोरखपुर में किसी से ली थी, लेकिन देने वाले का नाम बताने से इंकार कर दिया।

जदयू की प्रचार गाड़ी पर पत्थरबाजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। कहलगांव विधानसभा सीट से जदयू प्रत्याशी कद्दावर नेता रहे स्वर्गीय सदानंद सिंह के पुत्र इंजीनियर शुभानंद मुकेश की प्रचार गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

घटना बाईपास थानाक्षेत्र के बनगांव-खुटाहा गांव में तब हुई जब शुभानंद मुकेश की प्रचार वाहन प्रचार के सिलसिले में पहुंची थी।

जिला जदयू के महासचिव ओमप्रकाश भ्रमर अपने सहयोगियों के साथ गांव में जदयू का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। तभी गांव के कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रचार वाहन पर पीछे से पथराव कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

हमला प्रचार गाड़ी पर पीछे से किया गया था इसलिए जदयू महासचिव या उनके सहयोगियों ने हमलावरों को पहचान नहीं सके। घटना को लेकर बाईपास थाने में ओमप्रकाश भ्रमर ने अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध केस दर्ज करा दिया है।

ओमप्रकाश भ्रमर गौराडीह थानाक्षेत्र के मोहनपुर गांव के रहने वाले हैं, जहां प्रचार गाड़ी पर हुए पथराव के बाद उनके समर्थकों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

भ्रष्टाचार और जातीय गोलबंदी में उलझे मतदाता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया (पश्चिम चंपारण)। गीतों के राजकुमार गोपाल सिंह नेपाली की जन्मस्थली बेतिया। साहित्य और संस्कारों की मिट्टी। छल-प्रपंच से दूर, अपने कार्यों में निष्ठा और परिश्रम से जुड़े लोग। सादगी, समर्पण और सांस्कृतिक चेतना की धरती बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर विकास के साथ भ्रष्टाचार की कड़वाहट और जातीय गोलबंदी के उलझाव में है।

नगर निगम बेतिया और मझौलिया प्रखंड के 18 पंचायतों को मिलकर बेतिया विधानसभा क्षेत्र का अस्तित्व है। दूसरे चरण में यहां 11 नवंबर को मतदान है। यहां से कुल छह उम्मीदवार हैं। इसमें बिहार सरकार की पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी यहां से एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार हैं। वह छठी बार जीत के लिए सुशासन के साथ विकास के मुद्दे पर मैदान में हैं।

महागठबंधन की ओर से कांग्रेस के युवा नेता वसी अहमद उन्हें टक्कर दे रहे हैं। वहीं, नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया के पति बड़े व्यवसायी रोहित सिकारिया और जनसुराज के अनिल सिंह अपने - अपने एजेंडे के साथ मतदाताओं को आकर्षित करने के प्रयास में है। चुनाव के चंद दिन अब रह गए हैं। फिर भी आम मतदाता खुलकर बोलने के मूड में नहीं है।यह खामोशी दलों के चुनावी शोर के बीच नेताओं को बेचैन कर रही है। दलीय नेता एवं प्रत्याशी विकास एवं जनसेवा के बोल भले बोल रहे हैं, लेकिन उनकी दृष्टि जातीय समीकरणों पर है। ऐसे में राजनीतिक दल धार्मिक और जातीय समीकरण की चमक बिखरने में लगे हुए हैं। चुनावी आंच पर महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा समेत क्षेत्रीय मुद्दों को भी तापने का प्रयास चल रहा है। मुस्लिम, वैश्य, यादव की बहुलता वाले इस विधानसभा सीट पर पहली बार 1990 में भाजपा की जीत हुई थी। 1952 में अस्तित्व में आए इस विधानसभा सीट से 1985 तक सिर्फ एकबार निर्दलीय को जीत मिली थी। बाकी समय कांग्रेस का कब्जा रहा। 30 वर्ष बाद 2015 में यहां कांग्रेस की पुर्नवापसी मदन मोहन तिवारी ने की थी, लेकिन महज पांच वर्ष में वे फिर चुनाव हार गए और भाजपा की रेणु देवी 2020 में18,079 मतों के अंतर से जीत गई थीं।

एनडीए की उम्मीदवार रेणू देवी नोनिया जाति से हैं, जबकि महागठबंधन के प्रत्याशी वसी अहमद मुस्लिम समुदाय से हैं। जनसुराज के अनिल सिंह राजपूत हैं। वहीं निर्दलीय रोहित सिकारिया मारवाड़ी हैं। महागठबंधन के प्रत्याशी को छोड़कर किसी अन्य का खुद का कोई खास मजबूत जातीय आधार नहीं है।

डबल इंजन की सरकार में सुशासन के साथ विकास के बीच क्षेत्रीय मुद्दे भी इस बार चुनाव में प्रभावी हैं। बेतिया शहर में जलजमाव की समस्या, शहर की सड़कों की जर्जर हाल और जाम से हांफता शहर मतदाताओं को कचोट रहा है। राजनीतिक मतभेद के कारण नगर निगम और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की टकराव में शहर की सड़कें जर्जर हैं, जबकि गांवों की कनेक्टिविटी शहर से बेहतर है।ऐतिहासिक चंद्रावत नदी के अतिक्रमण, मझौलिया के 62 पुल की फटेहाली के कारण हजारों एकड़ भूमि में जलजमाव से किसानों की फटेहाली का मुद्दा भी प्रभावी है। सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार से परेशान लोग खुलकर बोल रहे हैं, कि विकास तो हुआ है, लेकिन कार्यालयों में बगैर रिश्वत के फाइलें नहीं बढ़ रही है। भ्रष्टाचार के इस मुद्दे पर महागठबंधन के प्रत्याशी एनडीए को घेर रहे हैं।

युवाओं में पलायन की पीड़ा है तो छात्रों में यूनिवर्सिटी में शोषण का आक्रोश है। बेतिया के एमजेके कॉलेज में बिहार यूनिवर्सिटी के एक्सटेंशन काउंटर के उद्घाटन के करीब दो वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक वह काउंटर क्रियाशिल नहीं हुआ है, जबकि विधायक रेणु देवी यूनिवर्सिटी में सीनेट की सदस्य हैं।

स्नातक की छात्रा शांभवी कुमारी का कहना है कि जिले में छात्राओं के लिए कोई सरकारी बालिका महाविद्यालय नहीं है। मझौलिया के किसान राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि 62 पुल से जल निकासी नहीं होने के कारण यहां के किसान प्रति वर्ष बरसात में तबाह होते हैं। वहीं, बेतिया शहर में जलजमाव और जर्जर सड़क को लेकर लोगों में नाराजगी है।

किराना व्यापारी संजय प्रसाद का कहना है कि अक्टूबर में हुई वर्षा के कारण एक पखवारा तक शहर में जलजमाव की स्थिति रही।

पांच दिवसीय पंचकोशी यात्रा रविवार से

लिट्टी चोखा के भोग से होता है मेले का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिले की पहचान बन चुकी पूरे भोजपुरी अंचल का सुप्रसिद्ध बक्सर धाम पंचकोशी यात्रा प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष (अगहन) के कृष्णपक्ष की पंचमी तिथि से प्रारंभ होती है, जिसकी शुरूआत इस बार नौ नवंबर, दिन रविवार से हो रही है। यात्रा प्रारंभ, प्रसिद्ध व पौराणिक स्थल रामरेखा घाट से स्नान, पूजन के बाद अहिल्या धाम को होगी। यहां धर्मावलंबी पहला पड़ाव लेंगे।

मेले की विशेष बात है कि इसके पांच दिनों में पांच कोस की यात्रा कर पांच अलग-अलग भोग लगाए जाने की परंपरा है, जिसमें दूर-दराज से भी काफी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। मेले में हर साल उमड़ने वाली हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने हर पड़ाव पर सुरक्षा एवं सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए जाने के आदेश भी दिए हैं।

वाराह पुराण में सिद्धाश्रम (बक्सर) में पंचकोस परिक्रमा के महत्व का जिक्र किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि बक्सर के चरित्रवन में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद रवाना होने से पहले प्रभु श्रीराम ने महर्षि विश्वामित्र के आश्रम से पांच कोस के दायरे में रहने वाले पांच ऋषियों से आशीर्वाद ग्रहण किया था।

इसके लिए प्रभु राम ने पांचों ऋषियों के यहां एक-एक रात व्यतीत किए थे। तब ऋषियों द्वारा प्रभु राम को प्रत्येक दिन ऋषि के आश्रम में अलग-अलग प्रकार के खाद्य पदार्थ भोग लगाने के लिए दिए थे। उसी परंपरा का तब से अनुसरण करते हुए बक्सर में पंचकोसी मेला आयोजित करने की परंपरा चली आ रही है।

नौ नवंबर से आरंभ होने वाला मेला 13 नवंबर तक चलेगा। मेले में हर दिन अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग प्रसाद बनेगा। पहला पड़ाव बक्सर के रामरेखाघाट से एक कोस की दूरी पर मौजूद अहिरौली स्थित अहिल्या स्थान पर होगा। यात्रा आरंभ किए जाने से पहले साधु-संत व श्रद्धालुओं का जत्था रामरेखा घाट पर पवित्र गंगा

स्नान करेगा, फिर यात्रा प्रारंभ होगी। मान्यता अनुसार पहला पड़ाव अहिरौली में अहिल्या माता की पूजा आदि के बाद पुआ पकवान का भोग लगाया जाएगा। कहा जाता है कि यहां गौतम ऋषि का आश्रम मौजूद था।

अगले दिन सोमवार को मेला का दूसरा पड़ाव यहां से एक कोस दूर नदांव स्थित नारदाश्रम पर होगा, जहां नारद ऋषि का आश्रम था। यहां लोग खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण करते हैं।

तीसरे दिन नदांव से एक कोस दूर भभुवर में भार्गव सरोवर पर श्रद्धालु पहुंचेंगे। मान्यता है कि यहां भार्गव ऋषि का आश्रम था। जहां प्रभु ने चूड़ा दही का भोग लगाया था।

वहीं, चौथा पड़ाव एक कोस दूर नुआंव स्थित सरोवर के तट पर होता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार यहां उद्दालक ऋषि का आश्रम था और प्रभु ने यहां सत्तू मूली का भोग ग्रहण किया था।

यात्रा का पांचवां और अंतिम पड़ाव बक्सर के चरित्रवन में महर्षि विश्वामित्र आश्रम के इर्द-गिर्द लिट्टी-चोखा के भोग के साथ पंचकोसी यात्रा पूर्ण की जाएगी। पांच दिवसीय यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव बक्सर का चरित्रवन होता है। इसमें शामिल होने के लिए न सिर्फ राज्य के, बल्कि कई जिलों (यूपी व झारखंड) से भी प्रति वर्ष लाख की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर शामिल होते हैं।

श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि यहां पकाई होने वाली लिट्टी-चोखा के उपले के धुआं से पूरा आसमान श्यामल रंग में रंगा दिखता है। अंतिम पड़ाव के दिन विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए कड़ी चुनौती के समान होती है, जिसमें प्रशासन को अपनी पूरी ताकत झोंक देनी पड़ती है।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के कारापाल निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा एक बार फिर विवादों में है। शराब और जीएसटी घोटाले के आरोपी विधु गुप्ता और सिद्धार्थ सिंघानिया का जेल के अंदर डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो के सामने आने के बाद जेल प्रशासन की लापरवाही और अंदरूनी मिलीभगत पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।वायरल वीडियो में दोनों आरोपी जेल परिसर के अंदर म्यूजिक बजाकर डांस करते और मौज-मस्ती करते दिख रहे हैं। वीडियो ने यह साबित कर दिया है कि जेल के भीतर विलासिता के साधनों तक कैदियों की पहुंच किस हद तक आसान है।

वीडियो सामने आते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल आईजी ने तत्काल प्रभाव से कारापाल को निलंबित कर दिया है और पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों और दो पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

गौरतलब है कि जुलाई माह में एसीबी ने विधु गुप्ता और सिद्धार्थ सिंघानिया को शराब घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, पर्याप्त सबूतों के अभाव में अब तक अदालत में आरोपपत्र दाखिल नहीं किया जा सका है। फिलहाल दोनों आरोपी जमानत पर बाहर हैं।

जानकारी के अनुसार, विधु गुप्ता पर आरोप है कि उसने झारखंड और छत्तीसगढ़ में नकली होलोग्राम की आपूर्ति कर करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी को अंजाम दिया। इस नेटवर्क को वह सिद्धार्थ सिंघानिया के साथ मिलकर संचालित करता था। बताया जाता है कि इस सिंडिकेट से जुड़े कई अधिकारियों को भारी-भरकम रिश्वत दी जाती थी। वायरल वीडियो ने एक बार फिर यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जेल के भीतर मोबाइल फोन, म्यूजिक सिस्टम और अन्य विलासितापूर्ण साधन आखिर पहुंचते कैसे हैं। इससे पहले भी हजारीबाग जेल के कैदी के पास मोबाइल मिलने का मामला सामने आ चुका है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। महिला का शव घर के अंदर से बरामद हुआ है। घटना की जानकारी खुद मृतका के पति ने पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही औराई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। मृतका की पहचान 32 वर्षीय साजन देवी, पति भोगेंद्र मंडल के रूप में की गई है।मृतका के पिता देवेंद्र मंडल ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की हत्या उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने की है। उन्होंने कहा, मेरे दामाद ने खुद फोन कर बताया कि मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। जब हम मौके पर पहुंचे तो सभी लोग घर से भाग चुके थे। उन्होंने आगे बताया, 'मेरा दामाद पहले से कुछ मांग कर रहा था और उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग पूरी नहीं हुई तो वह मेरी बेटी को जान से मार देगा। आज हमें सूचना मिली कि मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। उसका शव घर के कमरे में रखा हुआ था। इसके बाद हमने पुलिस को बुलाया। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

बिहार से महानगरों के लिए चलेंगी 500 से अधिक स्पेशल ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव का माहौल अब समाप्ति की ओर है। पहले चरण का मतदान संपन्न हो चुका है और 11 नवंबर को दूसरे चरण की वोटिंग के बाद, दिवाली और छठ महापर्व मनाने और वोट डालने आए लाखों प्रवासी लोग वापस अपने काम पर लौटेंगे। इसके लिए राजधानी पटना और गया से प्रमुख शहरों के लिए अगले तीन हफ्तों में रोजाना 500 से अधिक स्पेशल ट्रेन चलेंगी। इस बात का ऐलान रेलवे ने किया है। भारतीय रेलवे ने ऐलान करते हुए कहा है कि अगले तीन हफ्तों के दौरान लगभग 500 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें मुख्य रूप से पटना और गया स्टेशनों से शुरू होकर देश के प्रमुख महानगरों तक जाएंगी।

पटना से दिल्ली रोजाना 20 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। मुंबई रूट से रोजाना 15 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। पुणे, सूरत और अहमदाबाद से रोजाना 10-10 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। वहीं गया से कोलकाता रोजाना 12 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। इस बात की जानकारी देते हुए रेलवे के पीआरओ डायरेक्टर ने बताया कि इस बार छठ के तुरंत बाद लोग चुनाव के कारण रुके रहे, जिससे अब भीड़ अत्यधिक बढ़ने की संभावना है। यह कदम प्रवासियों की सुगम

वापसी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। इस संबंध में रेलवे अधिकारीका कहना है कि 3.75 करोड़ वोटरों में लाखों प्रवासी भी शामिल हैं, और उनकी सुरक्षित और समय पर वापसी रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रवासियों ने भी स्पेशल ट्रेनों की इस व्यवस्था पर खुशी जताई है, जिससे वे वोटिंग के बाद समय पर अपनी ड्यूटी पर लौट सकेंगे।

ज्यादातर ट्रेनें अनारक्षित होंगी, जिससे तुरंत यात्रा शुरू की जा सके। बुकिंग काउंटर ऐप और स्टेशन काउंटर दोनों जगह उपलब्ध रहेगी। स्टेशनों पर अतिरिक्त काउंटर, पीने का पानी और बैठने की बेहतर व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ जवान तैनात रहेंगे।

समय पर मध्याह्न भोजन योजना की रिपोर्टिंग नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़। मध्याह्न भोजन योजना की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग ने सख्त कदम उठाया है। निदेशालय के निर्देश के आलोक में यह आदेश जारी किया गया है कि जिन विद्यालयों द्वारा प्रतिदिन अपराह्न चार बजे तक ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर लाभान्वित बच्चों की संख्या दर्ज नहीं की जाती है!

उन विद्यालयों का उस दिन का परिवर्तन मूल्य (कन्वर्जन कास्ट) एवं अंडा/मौसमी फल की राशि भुगतान से कटौती की जाएगी। इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मध्याह्न भोजन), सीतामढ़ी मनीष कुमार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि अब किसी भी स्तर पर रिपोर्टिंग में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शाम चार बजे तक डेटा अपलोड न करने वाले विद्यालयों की सूची

तैयार कर उनकी राशि कटौती की जाएगी। यह व्यवस्था पूर्ण पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए लागू की गई है।

डीपीओ ने बताया कि इसके लिए जिला लेखापाल, जिला साधनसेवी और कार्यालय सहायक को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे प्रतिदिन शाम चार बजे तक पोर्टल पर रिपोर्टिंग नहीं करने वाले विद्यालयों की सूची तैयार करें और उसी दिन कटौती की प्रक्रिया सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी प्रखंड साधनसेवियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों से लाभान्वित बच्चों की संख्या नियमित रूप से प्राप्त कर साफ्ट कापी और हार्ड कापी दोनों रूपों में जिला लेखापाल को उपलब्ध कराएं, ताकि भुगतान में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

डीपीओ मनीष कुमार ने स्पष्ट कहा कि विभाग की प्राथमिकता है कि हर विद्यालय से समय पर और सटीक डेटा प्राप्त हो, जिससे मध्याह्न भोजन योजना की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता दोनों बनी रहे।

तेजस्वी ने की जनसभाएं, मांगा वोट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव ने पूर्णिया में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर महागठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। धमदाहा हाई स्कूल मैदान में आयोजित रैली में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम तब हुआ जब सांसद पप्पू यादव उनके साथ एक ही मंच पर दिखे, जिसने सीमांचल में गठबंधन की एकजुटता को मजबूत किया। तेजस्वी यादव ने धमदाहा से संतोष कुशवाहा और कसबा से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी इरफान आलम के लिए जनता से वोट की अपील की।

धमदाहा में तेजस्वी यादव ने बिना नाम लिए स्थानीय विधायक और मंत्री लेसी सिंह पर तीखा हमला बोला, जिससे सभा में उत्साह भर गया। तेजस्वी ने कहा कि धमदाहा में राशन चोर घूम रहा है। यह चुनाव राशनचोरों, मुनाफाखोरों और भ्रष्टाचारियों से बदला लेने का है। इस बार इन्हें सबक सिखाकर फखऊ प्रत्याशी संतोष कुशवाहा को जीत की माला पहनानी है।

उड़ानों में लेटलतीफी से यात्री दिखे नाराज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुक्रवार को दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें घंटों की देरी से रवाना हुईं। सुबह से ही उड़ानों के समय में लगातार बदलाव से यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। अधिकतर उड़ानों में एक से लेकर तीन घंटे तक की देरी दर्ज की गई। दिल्ली जाने वाली पहली स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी 729 अपने निर्धारित समय सुबह 8:20 बजे की जगह 9:08 बजे रवाना हुई। वहीं, इंडिगो की फ्लाइट 6ई2163 जो 8:30 बजे उड़ान भरने वाली थी, उसने 9:33 बजे टेकआफ किया। एयर इंडिया की उड़ान एआई 1892 भी लगभग ढाई घंटे की देरी से दोपहर 12:42 बजे रवाना हुई।इसी तरह, एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आइएक्स 1198 को 1 घंटे 15 मिनट की देरी हुई, जबकि इंडिगो की सुबह 10:45 बजे उड़ने वाली फ्लाइट 6ई2134 ने 12:36 बजे उड़ान भरी। दोपहर में भी यही हाल रहा इंडिगो की फ्लाइट 6ई6389 जो 11:50 बजे उड़ने वाली थी, उसने 2:44 बजे टेकआफ किया।सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि अन्य रूटों पर भी उड़ानें प्रभावित रहीं। पटना से रांची जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई6902 दो घंटे से अधिक विलंबित रही, जबकि बेंगलुरु जाने वाली स्पाइसजेट की एसजी 532 ने निर्धारित समय 12:55 बजे की जगह 1:42 बजे उड़ान भरी। मुंबई रूट पर भी एयर इंडिया और इंडिगो दोनों की उड़ानें औसतन 30 से 45 मिनट की देरी से चलीं। लखनऊ जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई925 सबसे अधिक विलंबित रही, जो 3:05 बजे की जगह शाम 5:33 बजे रवाना हुई। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में देर रात एयर ट्रैफिक कंट्रोल से जुड़े एक सिस्टम में आई तकनीकी खराबी ने पहले देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट और फिर इसके बाद अन्य एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इससे यात्रियों को प्रतीक्षा कक्षों में लंबा इंतजार करना पड़ा।

कुख्यात माओवादी धराया, पुलिस कर रही पूछताछ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। विधानसभा चुनाव से एक सप्ताह पहले पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बिहार-झारखंड के सीमावर्ती इलाके से एक कुख्यात माओवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी की पुष्टि झाझा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार ने की है।

गिरफ्तार माओवादी निशांत सोरेन को चिहरा थाना क्षेत्र के राजाडूमर से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी टीम में सीआरपीएफ और एसटीएफ की टीम भी शामिल थी। पूछताछ में उसने संगठन से जुड़े कई अहम जानकारी का भी खुलासा किया है। निशांत सोरेन की गिरफ्तारी से इलाके में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने की दिशा में पुलिस को बड़ी सफलता मानी जा रही है। उसकी गिरफ्तारी से माओवादी संगठन को बड़ा झटका भी लगा है।

एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पिछले एक दशक से भी अधिक समय से फरार चल रहे कुख्यात माओवादी निशांत सोरेन अपने घर राजाडूमर आया हुआ है। इसके बाद चिहरा थानाध्यक्ष रिंकू रजक के नेतृत्व में

सीआरपीएफ और एसटीएफ की टीम ने निशांत सोरेन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

निशांत सोरेन जमुई के साथ-साथ लखीसराय बांका मुंगेर नवादा और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में लंबे समय से सक्रिय था तथा माओवादी घटनाओं का अंजाम देने के साथ-साथ माओवादी गतिविधियों में संलिप्त था। उस पर आधार दर्जन से अधिक मामले दर्ज है, जिसमें पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस फिलहाल निशांत सोरेन से पूछताछ कर रही है।

लॉटरी संचालकों और पुलिस के बीच आंख मिचौनी का खेल जारी

सीतामढ़ी। शहर में पुलिस और अवैध लाटरी संचालकों के बीच चूहे-बिल्ली का खेल जारी है। पुलिस की थोड़ी सख्ती देख संचालकों ने दुकानों के शटर तो गिरा दिए लेकिन गली-मोहल्लों में लॉटरी का धंधा चालू कर दिया है। पहले खुलेआम दुकानों पर लॉटरी बेचे जाते थे, अब उन दुकानों के शटर तो गिर गए, मगर खेल अब गुप्त हो गया है। हालात ये हैं कि अब लॉटरी गली-मोहल्लों, ठेलो, चाय-पानी की दुकानों और घरों के आंगन तक खेले जा रहे हैं। नगर थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर भी यह अवैध धंधा चल रहा है और पुलिस की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। सेटिंग का आरोप अब आम हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी कारण अब तक न तो दंडात्मक कार्रवाई हो रही और न छापेमारी। पहले जहां सिनेमा रोड, जानकी स्थान, स्टेशन रोड, मेहसौल चौक जैसे व्यस्त स्थानों पर खुलेआम टिकटों की बिक्री होती थी। अब वहीं अंधेरा होते ही मकानों की सीढ़ियों और चबूतरों पर यह जुआ चालू हो जाता है।

पुलिस और ग्रामीणों में भिड़ंत

आरा। जिले के चौरी थाना क्षेत्र के दुल्लमचक गांव में शुक्रवार की सुबह पुलिस और ग्रामीणों के बीच बड़ा विवाद हो गया। घटना के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस दल पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। जिसमें आधा दर्जन से अधिक पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं पथराव में एक दारोगा और एक चौकीदार घायल हो गए। स्थिति बिगड़ने के बाद मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना मतदान के अगले दिन तब हुई जब ग्रामीणों ने गुलजारपुर निवासी दो संदिग्ध हथियारबंद युवकों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई करने लगे। सूचना मिलते ही चौरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्धों को भीड़ से छुड़ाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने संदिग्धों को भागने का मौका दिया, जिससे भीड़ भड़क गई।

वहीं देखते ही देखते सैकड़ों लोग जुट गए और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।

वोटिंग के दौरान रील्स बनाना पड़ा महंगा, प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में मतदान के दौरान कुछ मतदाताओं को ईवीएम मशीन का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल करना महंगा पड़ गया। इस मामले में भोजपुर पुलिस ने 11 फेसबुक यूजरों की पहचान कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इसमें कुछ राजनीतिक दल से जुड़े लोग एवं उनके समर्थक भी शामिल हैं। इस संबंध में भोजपुर पुलिस ने राज गौरव नामक फेसबुक यूजर पर प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है।

मतदान के समय ईवीएम पर वोट डालते हुए वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड किया गया था। यह कदम आदर्श चुनाव आचार संहिता और निर्वाचन आयोग के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

इसके अलावा धर्मपाल सिंह, बड़हरा के लाल अशोक कुमार सिंह उर्फ रामबाबू सिंह, संजय कुमार, विशाल यादव, अभिराज राय, अखिलेश कुमार, संतोष यादववंशी, उत्सव कुमार राय, छात्र नेता धनेश यदुवंशी और सचिन कुमार यादव यादव के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मीडिया कोषांग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह कृत्य आचार संहिता, आदर्श आचरण संहिता एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का उल्लंघन है।

पुलिस ने बताया कि इन सभी की फेसबुक आईडी की पहचान कर संबंधित थाना क्षेत्रों में प्राथमिकी दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

भोजपुर पुलिस ने आम जन से अपील की है कि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर साझा न करें, क्योंकि यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है और इसके लिए दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जिले में सभी इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

बिहार के सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र का कौन होगा सिकंदर

विनय कुमार / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सिकंदरा (जमुई)। बिहार की सिकंदरा विधानसभा सीट जमुई जिले की चार सीटों में से एक है। सिकंदरा विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है तथा इसमें खैरा, सिकंदरा और अलीगंज तीन प्रखंड क्षेत्र शामिल है। सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र खैरा प्रखंड क्षेत्र में हरखार स्थित भगवान महावीर की जन्मस्थली तथा लछुआड़ के लिए काफी प्रसिद्ध है। इसके साथ ही यहां कई ऐसे स्थान हैं जिन्हें पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है जिसकी मांग समय-समय पर इस क्षेत्र के लोग करते रहे हैं। सिकंदरा विधानसभा सीट जमुई जिले की एक अहम सीट मानी जाती है जिसका राजनीतिक इतिहास बेहद दिलचस्प और उतार चढ़ाव भरा रहा है। इस सीट पर एक दौर में कांग्रेस का मजबूत दबदबा था, लेकिन वक्त के साथ यहां राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के समीकरण बदलते चले गए। कभी निर्दलीयों की जीत ने सबको चौंकाया तो कभी क्षेत्रीय दलों ने बड़ा उलट-फेर करके दिखाया। सबसे दिलचस्प बात है कि लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का खाता इस सीट पर आज तक नहीं खुला और शायद इसी छटपटाहट में तेजस्वी यादव गठबंधन धर्म भूल गए। इस बार के चुनाव में सिकंदरा विधानसभा सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) जहां मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है, वहीं इंडिया ब्लॉक पूरी तरह यहां बिखर गया है। कभी कांग्रेस के गढ़ रहे इस इलाके में राजद ने गठबंधन को लठबंधन बनाते हुए यहां दोस्ताना मुकाबले का ऐलान कर दिया है और कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा सीट पर करीब सवा तीन लाख मतदाता हैं। रामेश्वर पासवान यहां से सबसे ज्यादा सात बार निर्वाचित तो हुए हैं, लेकिन उसके लिए उन्हें कई दलों के पतवार की जरूरत पड़ी है। सिकंदरा विधानसभा सीट पर पहला चुनाव 1962 में हुआ जिसमें कांग्रेस के मुश्ताक अहमद शाह विजयी हुए। उसके बाद 1967 में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के एस. विवेकानंद ने कांग्रेस से यह सीट छीन ली थी, लेकिन 1969 में रामेश्वर पासवान ने कांग्रेस की यहां वापसी कराई। इसके बाद कांग्रेस ने 1985 तक इस सीट पर अपना दबदबा बरकरार रखा। वर्ष 1990 , 95 और 2000 में प्रयाग चौधरी इस सीट से विधायक चुने गए। प्रयाग चौधरी राबड़ी मंत्रिमंडल के सदस्य भी रहे। वर्ष 2005 के फरवरी और नवंबर के चुनाव में रामेश्वर पासवान एक बार फिर विधायक चुने गए और नीतीश सरकार में मंत्री बने। इसके बाद वर्ष 2010 के चुनाव में फिर रामेश्वर पासवान विधायक बने। वर्ष 2015 के चुनाव में कांग्रेस के सुधीर कुमार सिकंदरा से विजयी रहे। 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सिकंदरा सीट पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कांग्रेस के सुधीर कुमार और हिन्दुस्तानी अवाम पार्टी (हम-से) के प्रफुल्ल कुमार मांझी के बीच कांटे की टक्कर हुई। हालांकि प्रफुल्ल कुमार मांझी ने 47,061 वोट प्राप्त कर कांग्रेस के सुधीर कुमार को 5,505 वोट से पराजित कर कांग्रेस के इस गढ़ को तोड़ दिया। इस बार सिकंदरा सीट पर राजद और कांग्रेस आमने सामने है। इससे यह संभव है कि मुस्लिम वोट बिखरने का फायदा एनडीए को होगा। पिछले दो चुनावों में भी दोनों महागठबंधन से इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी लड़ते आए हैं, लेकिन इस चुनाव में राजद और कांग्रेस दोस्ताना मुकाबला करेंगे। राजद से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी और कांग्रेस से विनोद चौधरी फ्रेंडली फाइट करेंगे जिसका सीधा फायदा कहीं न कहीं एनडीए के प्रफुल्ल कुमार मांझी को मिलेगा जिन पर एक बार फिर जीतन राम मांझी की हम पार्टी ने दांव खेला है। तस्वीर साफ है मुकाबले को रोचक बनाने में जनसुराज के सुभाष पासवान भी लगे हैं। इस क्षेत्र में 11 नवंबर को मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी। अब देखना होगा कि सिकंदरा का सिकंदर कौन होगा।

एलआइसी का शानदार रिजल्ट, दूसरी तिमाही में मुनाफा 32 प्रतिशत बढ़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम के निदेशक मंडल ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के लिए एकल और समेकित वित्तीय परिणामों को स्वीकृति प्रदान की एवं उन्हें अनुमोदित किया। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) 21,040 करोड़ रुपये था जबकि 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 18,082 करोड़ रुपये था जो 16.36% की वृद्धि दर्शाता है। प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय (एफवाईपीआई) (आईआरडीएआई के अनुसार) के आधार पर मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में एलआईसी 30 सितंबर 2025 को समाप्त छमाही के लिए 59.41% की समग्र बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा-व्यवसाय में बाजार अग्रणी बनी हुई है जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 61.07% थी। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के लिए एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में 37.21% और समूह व्यवसाय में 72.74% बाजार हिस्सेदारी थी। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए कुल प्रीमियम आय 2,45,680 करोड़ रुपये थी जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 2,33,671 करोड़ रुपये थी जो 5.14% की वृद्धि दर्शाती है। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम आय रु. 28,491 करोड़ थी, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह रु. 29,538 करोड़ थी, यानी 3.54% की गिरावट दर्ज की गई। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए व्यक्तिगत नवीनीकरण प्रीमियम आय रु. 1,22,224 करोड़ थी जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह रु. 1,15,158 करोड़ थी, यानी 6.14% की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि के लिए रु. 1,44,696 करोड़ से बढ़कर रु. 1,50,715 करोड़ हो गया, यानी 4.16% की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 94,965 करोड़ रुपये थी, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 88,975 करोड़ रुपये थी, जो 6.73% की वृद्धि दर्शाती है।

मध्य विद्यालय मैडिहां में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य सामूहिक गायन कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। मध्य विद्यालय मैडिहां में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भव्य सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्रधानाध्यापिका रिंकी कुमारी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर रिंकी कुमारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है जिसके पीछे असंख्य वीरों का बलिदान और त्याग जुड़ा हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस गीत के भाव और उसके ऐतिहासिक महत्व को समझने की अपील की। कार्यक्रम में वर्ग प्रथम से लेकर अष्टम तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक साथ स्वर मिलाकर 'वंदे मातरम' गाया जिससे विद्यालय परिसर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। इस अवसर पर प्रतिमा कुमारी, रमेश कुमार, पप्पू कुमार, खुशी कुमारी, रेखा, संतोषी, वर्षा, आयुषी, आरोही, रिया, आयूष, दिलीप, सागर, धीरज, अभिनन्दन सहित अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे इस महान गीत के संदेश मातृभूमि के प्रति प्रेम, एकता और समर्पण को जीवन में आत्मसात करेंगे।

छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली, दिया संदेश 'पहले मतदान, फिर जलपान'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोचस (रोहतास)। आगामी विधानसभा उपचुनाव को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कोचस प्रखंड क्षेत्र के पीएम श्री हाई स्कूल की छात्राओं ने शनिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली का नेतृत्व शिक्षक राकेश कुमार सिंह और सदानंद चौबे ने किया। सैकड़ों छात्राओं ने हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लेकर बाजार की सड़कों पर घूमते हुए मतदाताओं को जागरूक किया। छात्राओं ने नारे लगाए 'पहले मतदान, फिर जलपान' और 'एक वोट, देश के भविष्य की बात'। रैली के दौरान लोगों से 11 नवम्बर को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई। छात्राओं ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का एक वोट लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाता है, इसलिए सभी मतदाता मतदान केंद्र पर अवश्य पहुंचे। यह जागरूकता रैली स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही और लोगों ने छात्राओं की इस पहल की सराहना की।

एनटीपीसी कांटी परियोजना में मना स्थापना दिवस सह स्वर्ण जयंती समारोह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। एनटीपीसी कांटी परियोजना में 7 नवम्बर 2025 को एनटीपीसी का स्थापना दिवस एवं स्वर्ण जयंती समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख एस. के. सुआर द्वारा प्रशासनिक भवन परिसर में एनटीपीसी ध्वज फहराया गया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री सुआर ने एनटीपीसी तथा कांटी स्टेशन की उपलब्धियों को स्मरण किया तथा परियोजना की सतत प्रगति और बेहतर होते प्रदर्शन के लिए समस्त कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे टीम भावना, दक्षता और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान दें। स्वर्ण जयंती दिवस को स्मरणीय बनाने हेतु परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। यह पहल परिसर को हरा-भरा एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा जो एनटीपीसी के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को और मजबूत करता है। इसके उपरांत सभी महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधि, कर्मचारी एवं सीआईएसएफ कर्मियों की उपस्थिति में केक काटा गया। बाद में सभी कर्मचारियों ने कॉर्पोरेट कार्यालय से एनटीपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह का सीधा प्रसारण देखा जिसमें उन्होंने एनटीपीसी समूह की वर्तमान उपलब्धियों, भविष्य की दिशा एवं देश की ऊर्जा जरूरतों के अनुरूप संगठन की कार्ययोजना पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) देबेश कुमार पाढ़ी, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) उमेश कुमार तथा अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) महेश कुमार सुथार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिहार स्ट्रेंथ लिफ्टिंग टीम घोषित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 35 वीं सब जूनियर,जूनियर, सिनियर राष्ट्रीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एवम इनक्लाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता का अयोजन दिनांक 10 से 13 नवम्बर 2025 को गंगटोक, सिक्किम में किया जा रहा है जिसमे बिहार से 19 सदस्य टीम , गोविंद कुमार, सकील आलम, रोहित कुमार, विकास कुमार, समीर आलम, विवेक कुमार, राहुल कुमार, सौरभ कुमार, विष्णु कुमार, प्रिंस कुमार, संतोष कुमार, सुशांतो भाटाचार्जी, आदित्य दास, कुणाल कुमार, कुंदन मलिक, सुरेश कुमार, राजेश कुमार सिंह, सत्य प्रकाश एवम पूजा कुमारी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। बिहार स्ट्रेंथ लिफ्टिंग संघ के सचिन मनोज कुमार एवम अन्य सदस्यो ने खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी है।

62000 करोड़ का घोटाला : पवन खेड़ा

पवन खेड़ा ने बिहार सरकार से जनहित में किए दस सवाल, कहा जनता के समक्ष दें जवाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के कार्यसमिति सदस्य और मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन पवन खेड़ा ने आज मौर्या होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बिहार सरकार पर करारा हमला किया है। एआईसीसी कार्यसमिति सदस्य और मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा कि आपको यह नहीं कहूंगा कि 62 हजार करोड़ में कितने जीरो होते हैं, उन्हें आप गिनकर बताइए क्योंकि अब वो दौर नहीं है कि आप अपने चैनल में या अखबार में इस तरह की कोई हैडलाइन लगा दें और आपकी नौकरी सुरक्षित रह जाए। तुरंत फोन आयेगा या तो स्टोरी हट जायेगी या आप हट जाओगे। अभी इसी हफ्ते एक राष्ट्रीय चैनल पर पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और भाजपा नेता के इस खुलासे को एक चैनल ने सुबह-सुबह दिखा दिया था। दोपहर तक वो स्टोरी डिलीट हो गई और शाम तक वो चैनल भाजपा के पक्ष में फर्जी ओपिनियन पोल दिखाने लगा। हम जानते हैं कि देश का मीडिया किस दबाव में काम करता है, पीएमओ एक मायावी हिरण है जिसने देश के मीडिया का अपहरण कर लिया है। मीडिया जोश में अगर कोई स्टोरी चला भी दे तो जोशी जी उसको ठंडा कर देते हैं, लेकिन देश में और बिहार में आज आजाद पत्रकारों का एक बड़ा समूह खड़ा है जो जनता के हित की बात को हर कीमत पर जनता तक लेकर जाता है। ये 62 हजार करोड़ के घोटाले की कहानी भी आज बिहार के घर-घर तक पहुंच गई है। 15 सितंबर को पहली बार हमने इस बात का खुलासा किया था कि बिहार सरकार ने भागलपुर के पीरपैंती में बेशकीमती 1050 एकड़ जमीन 1 रूपये में अदानी के हवाले कर दी। बिहार के कोयले और बिहार के जमीन से मुफ्त में बनी बिजली को राष्ट्रीय सेठ अदानी जी लगभग 7 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिहार को बेचेंगे। एक तरफ भाजपा मां के नाम पर बिहार बंद कर रही थी, दूसरी तरफ किसान की मां समान प्रिय जमीन को एक रुपए में अदानी को सरका रही थी। अब इस घोटाले पर खुद भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बड़ा खुलासा करके हमारी बात पर मोहर लगा दी है। उन्होंने कहा है कि अदानी जी हर साल इस प्रोजेक्ट से 25000 करोड़ कमाएंगे। अदानी जी को ये टेंडर दिलाने के लिए नियमों और कानूनों में केंद्र और राज्य स्तर पर तमाम तरह के बदलाव किए गए हैं। आर के सिंह साहब खुद केंद्रीय ऊर्जा मंत्री रहे हैं, इसलिए उनकी बात में बहुत वजन है। उन्होंने तमाम तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखी है। एक पेड़ मां के नाम लगाकर, पूरा जंगल अदानी के नाम करने वाली भाजपा ने अदानी को ये प्रोजेक्ट दिलवाने के लिए केंद्रीय कैबिनेट के माध्यम से शक्ति नीति में ही बदलाव कर डाले। इस साल मई से लेकर जुलाई तक मोदी और नीतिश सरकार ने बिहार के साथ ये बेइमानी का खेल खेला। पहले तो सौर ऊर्जा के प्रोजेक्ट को थर्मल में बदला, फिर बिना कोयले की व्यवस्था के टेंडर जारी किया गया, फिर पर्यावरण के मानकों में ढील दी गई, फिर इंजीनियरों और विशेषज्ञों के तमाम विरोधों के बावजूद ये टेंडर पास कर दिया गया। इसलिए तो हम कहते हैं कि सारी खुदाई एक तरफ, गौतम भाई एक तरफ जब बात गौतम भाई की होती है तो मोदी जी सब नियम और कानूनों को ताक पर रख देते हैं। पिछले एक साल से भाजपा ने नीतीश जी का मुंह बंद करके रखा हुआ है और उनका हाथ पकड़ कर खाली फाइलों पर दस्तखत करवा लिए जाते हैं। फिर उन फाइलों पर भाजपा के नेता अपनी मर्जी के टेंडर और प्रोजेक्ट जारी करते हैं। बिहार में लूट और भ्रष्टाचार का खुला खेल चल रहा है। इसी का परिणाम है कि कल पहले चरण की वोटिंग में बंपर वोटिंग से बिहार के सभी वर्गों ने अपना आक्रोश जाहिर कर दिया। रुझान दूसरे चरण में भी यही रहेगा, बिहार से भाजपा और जेडीयू की विदाई तय हो चुकी है। महागठबंधन की सरकार बनते ही बिजली के इस महाघोटाले की जांच शुरू होगी और बिहार के किसानों को उनका उचित हक अदा किया जाएगा। बिहार की वर्तमान सरकार से एआईसीसी के कार्यसमिति सदस्य और मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन पवन खेड़ा ने मीडिया के माध्यम से मुख्य तौर पर 10 प्रश्न जनता के लिए उठाए।

क्रिकेट टूर्नामेंट में इशान किशन क्रिकेट एकेडमी ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ईशान किशन क्रिकेट एकेडमी ने विमला देवी मेमोरियल अंडर-12 इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ईशान किशन क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बसावन पार्क क्रिकेट एकेडमी को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एक अन्य प्री क्वार्टरफाइनल में 22 यार्ड्स क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसपीसीए टीम को 66 रन से मात देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार (सीएबी) ग्राउंड पर चल रहे इस टूर्नामेंट के अंतर्गत शुक्रवार को खेले गए मैच में ईशान किशन क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और बसावन पार्क क्रिकेट एकेडमी को 20.4 ओवर में 104 रन पर ऑल आउट कर दिया। अंशुमान कुमार ने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 5 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं शुभम शर्मा ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। बसावन पार्क क्रिकेट एकेडमी की ओर से अतिरिक्त के सहारे 50 रन बने। लक्ष्य का पीछा करते हुए ईशान किशन क्रिकेट एकेडमी ने 13.3 ओवर में 109 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। अमन कुमार ने तूफानी 37 रन (25 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) की पारी खेली, जबकि आयुष रंजन ने केवल 12 गेंदों में 23 रन जड़ दिए। दोनों बल्लेबाजों की साझेदारी ने टीम को आसानी से जीत दिलाई। ईशान क्रिकेट एकेडमी को अंशुमान कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 22 यार्ड्स टीम ने 15.4 ओवर में 146 रन बनाकर दमदार स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से रोहित राज ने 39 रन (25 गेंद, 4 चौके, 1 छक्का), उज्ज्वल यादव ने 25 रन (21 गेंद) और कप्तान अविनाश कुमार ने नाबाद 23 रन (13 गेंद, 5 चौके) की तेज पारी खेली। टीम को 35 अतिरिक्त रनों का भी लाभ मिला।लक्ष्य का पीछा करते हुए एसपीएसए की टीम 16.2 ओवर में मात्र 80 रन पर ढेर हो गई। टीम की शुरूआत बेहद खराब रही और केवल कप्तान अर्णव कुमार (4 रन) और रोहित कुमार (11 रन) ही थोड़ी देर टिक सके। टीम की ओर से 35 वाइड गेंदों के रूप में अतिरिक्त रन तो मिले, पर बल्लेबाज कोई साझेदारी नहीं बना पाए। शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए सुमित कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

आर एस के पब्लिक स्कूल बस्तीपुर डिहरी में मनाई गई वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। आर एसके पब्लिक स्कूल बस्तीपुर डिहरी में 7 नवम्बर 2025 को वंदे मातरम का 150 वीं वर्षगांठ मनाया जिसमें विद्यालय के 29 /42 बिहार बटालियन एनसीसी के विद्यार्थियों ने विद्यालय के सुबह के प्रार्थना सभा में वन्देमातरम गीत के साथ राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वंदे मातरम मां भारती के मंत्र सूत्र है जिसके कारण आज भारत दुनिया में विकसित देश की सूची में शामिल हुआ है। विद्यालय के निदेशक आनंद सिंह ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। पूरा देश 150वीं वंदे मातरम के वर्षगांठ के रूप में मना रहा है। इसके साथ-साथ विद्यालय के लिए एक साथ दो खुशी जुड़ गई है जो आर एस के पब्लिक स्कूल को एन सी सी के द्वारा मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि आर एस के पब्लिक स्कूल के बच्चे अब सैनिक स्कूलों के तर्ज पर शिक्षा एवं अनुशासन मूलभूत सुविधाओं के साथ शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

भारत स्काउट गाइड रोहतास ने मनाया 75वां स्थापना दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में जिला संगठन आयुक्त अरविंद कुमार सिंह के निर्देशानुसार भारत स्काउट और गाइड के स्वयंसेवक रवि शंकर कुमार, काजल कुमारी, मुस्कान कुमारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय को स्थापना दिवस का स्टीकर लगाकर 75वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर अंकित कुमार, मनीषा कुमारी, रिया कुमारी, आदर्श कुमार, मुस्कान कुमारी उपस्थित रहे। भारत स्काउट्स और गाइड्स का इतिहास 7 नवंबर 1950 को कई स्काउट और गाइड संगठनों के विलय से शुरू हुआ था। ब्रिटिश भारत में स्काउटिंग की शुरुआत 1909 में हुई थी जबकि गाइडिंग 1911 में शुरुआत हुई थी। उस समय भारत में ब्वॉय स्काउट एंड गर्ल गाइड, बालचर सेवा समिति, हिंदुस्तान स्काउट एसोसिएशन एवं विभिन्न छोटे-छोटे संगठन चलाए जा रहे थे। भारत में संविधान लागू होने के बाद सभी छोटे-छोटे संगठन को एक में विलय करके 07 नवंबर 1950 इ. को द भारत स्काउट और गाइड की स्थापना की गई। वर्तमान में स्काउट गाइड संगठन के नाम पर द भारत स्काउट और गाइड ही एकमात्र भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं के चरित्र, कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है जिसके लिए यह विभिन्न गतिविधियों जैसे कैम्पिंग, सामुदायिक सेवा और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि विश्व स्काउट आंदोलन इसकी शुरुआत 1908 में सर बेडेन पावेल ने की थी। भारत में स्काउटिंग की 1909 में इसकी एक विदेशी शाखा के रूप में शुरुआत हुई जो केवल यूरोपीय और एंग्लो इंडियन बच्चों के लिए खुली थी। भारतीय नेताओं के प्रयास राष्ट्रवादी नेताओं जैसे पंडित मदन मोहन मालवीय और एनी बेसेंट ने भारतीय लड़कों के लिए अलग स्काउट एसोसिएशन की स्थापना की। विलय-विभिन्न समूहों के विलय के प्रयास असफल रहे क्योंकि ब्रिटिश वफादारी के बजाय देशभक्ति को शामिल करने का मुद्दा था। भारत स्काउट्स और गाइड्स की स्थापना 07 नवंबर 1950 को स्वतंत्र भारत में सभी मौजूद स्काउट और गाइड संगठनों के विलय से भारत स्काउट्स और गाइड्स का गठन हुआ।

सीएचसी कोचस में कर्मियों ने सामूहिक रूप से गाया 'वंदे मातरम'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोचस (रोहतास)। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150 वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोचस में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी स्वास्थ्यकर्मियों एवं सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया। राष्ट्रगीत की गूंज से पूरा अस्पताल परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। कार्यक्रम की जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तुषार कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इस मौके पर सभी कर्मियों ने पूरे जोश और सम्मान के साथ 'वंदे मातरम' का गायन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन देश के प्रति सम्मान और सेवा भाव को मजबूत करने का संदेश देते हैं। डॉ. तुषार कुमार ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारी एकता, त्याग और राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रतीक है।

संपादकीय

शराब-नकदी की बरामदगी हर चुनाव में क्यों दोहराई जाती है?

निर्वाचन आयोग ऐसी ठोस व्यवस्था क्यों नहीं कर सका है, जिससे कोई भी दल या उसके उम्मीदवार चुनावी रिश्वत के रूप में पैसे, शराब, मादक पदार्थ या फिर कोई वस्तु देकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश न करे।देश भर में जब भी लोकसभा या किसी राज्य की विधानसभा के लिए चुनाव की घोषणा होती है, तो आचार संहिता लागू होने के बाद अमूमन हर राज्य से निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए गए अभियान के तहत भारी मात्रा में शराब, अवैध नकद राशि, मादक पदार्थ आदि की जब्ती की खबरें आती हैं। दरअसल, इस अभियान का मकसद यह होता है कि मतदाताओं के बीच नकदी या शराब आदि बांट कर मतदान की प्रक्रिया को किसी खास दल या उम्मीदवार के प्रलोभन में आकर प्रभावित होने से रोका जाए।आदर्श और सिद्धांत रूप में निर्वाचन आयोग की यह कवायद लोकतंत्र की मजबूती को कायम रखने का अभियान है। मगर सवाल है कि बहुत लंबे समय से और लगभग हर चुनाव के पहले इस तरह के अभियान में भारी मात्रा में अवैध वस्तुओं और पैसों की जब्ती के बावजूद अब तक इस चलन पर रोक क्यों नहीं लगाई जा सकी है। निर्वाचन आयोग ऐसी ठोस व्यवस्था क्यों नहीं कर सका है, जिससे कोई भी दल या उसके उम्मीदवार चुनावी रिश्वत के रूप में पैसे, शराब, मादक पदार्थ या फिर कोई वस्तु देकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश न करे।गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कल पहले चरण का मतदान है। उससे पहले चुनाव आयोग ने जिस तरह अपने अभियान के तहत अवैध सामान और नकदी की जब्ती की खबर दी है, उससे साफ है कि बिहार की चुनाव प्रक्रिया को स्वस्थ मतदान के बजाय अन्य कारकों से प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। आयोग की एक रपट के मुताबिक, बिहार में अब तक 9.62 करोड़ रुपए नकद, 42.14 करोड़ रुपए मूल्य की शराब, 24.61 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ, करीब छह करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और इसके अलावा 26 करोड़ रुपए से अधिक की मुफ्त बांटी जाने वाली अन्य वस्तुएं जब्त की गई हैं। यह कोई छिपी बात नहीं है कि कुछ दल या उम्मीदवार जब इससे आशंकित होते हैं कि लोगों के बीच उनका पर्याप्त समर्थन नहीं है और वे चुनाव हार सकते हैं, तब वे मतदाताओं को रिझाने के लिए गैरकानूनी तरीके से नकदी, शराब या अन्य मादक पदार्थ मुफ्त बांटने का सहारा लेते हैं।जाहिर है, ऐसी कवायदें स्वच्छ और स्वतंत्र मतदान को प्रभावित करके लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश हैं। चुनाव आयोग की ओर से इस तरह की हरकतों के खिलाफ अभियान तो चलाए जाते हैं और बड़े पैमाने पर अवैध राशि और सामान की जब्ती की जाती है, कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जाता है। मगर आम लोगों तक यह खबर शायद कभी नहीं पहुंच पाती है कि व्यापक स्तर पर जब्ती के बाद आयोग ने उसके वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा कराया या नहीं, उसके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई हुई या नहीं।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। किसी भी नागरिक, वाणिज्यिक संस्थान, राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा उत्पादक कार्यों के लिए बाजार से ऋण लेना केवल तब तक ही सही हैं जब तक बाजार से लिए गए ऋण से कम से कम उस स्तर तक आय का अर्जन हो कि इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान इस आय से आसानी से किया जा सके। परंतु, किसी भी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा बाजार से ऋण यदि अनुत्पादक कार्य के लिए लिया जा रहा है तो इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान करना निश्चित ही मुश्किल कार्य हो सकता है। आज भारत के कुछ राज्यों की बजटीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि इन राज्यों ने बाजार से भारी मात्रा में ऋण लिया हैं एवं इस ऋण का उपयोग अनुत्पादक कार्यों यथा बिजली के बिल माफ करना, नागरिकों के खातों में सीधे राशि जमा करना, मुफ्त पानी उपलब्ध कराना, कुछ पदार्थों पर सब्सिडी उपलब्ध कराना, आदि के लिए किया जा रहा है। इन राज्यों की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि इन्हें ऋणों पर अदा किए जाने वाले ब्याज एवं किश्तों के भुगतान हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा हैं। यदि कुछ और वर्षों तक इन राज्यों की यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही यह राज्य दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाने वाले हैं।

भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी

(प्रह्लाद सबनानी)

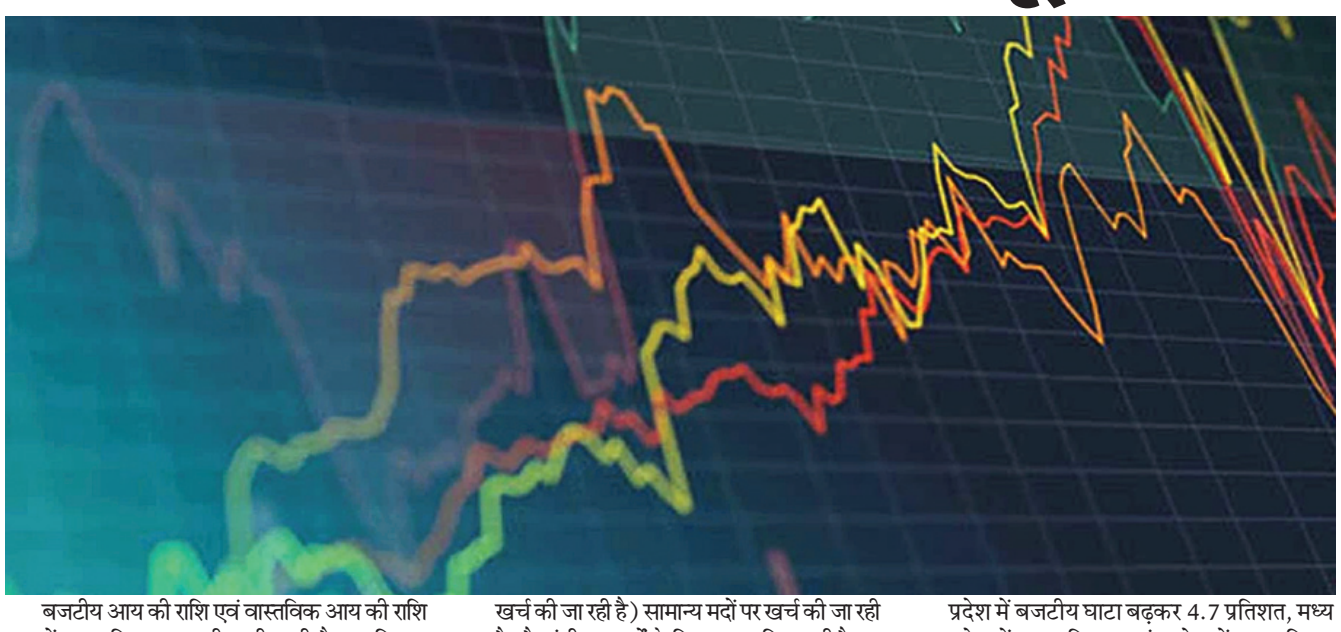

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बक़ाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, भारत सरकार का ऋण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की निर्भरता ऋण पर लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है जिसे देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। आज केंद्र सरकार पर 200 लाख करोड़ रुपए की राशि का ऋण बक़ाया है एवं समस्त राज्य सरकारों पर 82 लाख करोड़ रूपए का ऋण बकाया है, इस प्रकार केंद्र एवं राज्य सरकारों पर संयुक्त रूप से 282 लाख करोड़ रुपए का ऋण बक़ाया है जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 81 प्रतिशत है।

एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था ऋण के ऊपर विकसित की जा रही है। जबकि, भारतीय आर्थिक दर्शन ऋण पर निर्भरता को प्रोत्साहन नहीं देता है। चाणक्य के अर्थशास्त्र में, राजा के पास कोष में आधिक्य होने का वर्णन मिलता है। राजा के पास यदि ऋण के स्थान पर कोष का आधिक्य होगा तब वह राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर अधिक राशि खर्च करने की स्थिति में रहेगा। अर्थात, प्राचीन भारत में राज्यों का आधिक्य का बजट रहता था, उसी स्थिति में वे राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के कार्यों को तेज गति से चलाने की स्थिति में रहते थे। राज्य का खजाना ही यदि खाली हो तो वे किस प्रकार से राज्य के नागरिकों के लिए भलाई के कार्य कर सकते हैं। आज की स्थिति, बिलकुल विपरीत दिखाई देती है और आज कुछ राज्य बाजार से ऋण लेकर भी नागरिकों को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध करा रहें हैं बगैर यह सोचे समझे कि आगे आने वाले समय में बाजार से लिए गए ऋण का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा।

आज भारत में कुछ राज्यों की स्थिति यह है कि वे अपनी कुल आय का 55 प्रतिशत भाग कर्मचारियों को वेतन, पेन्शन एवं उधार ली गई राशि पर ब्याज के भुगतान करने जैसी मदों पर खर्च कर रहे हैं। जबकि, विभिन्न राज्य अपनी आय को बढ़ा सकने की स्थिति में नहीं है। कुछ राज्य तो वर्ष भर में जिस आय की राशि का आंकलन करते हैं उसे प्राप्त ही नहीं कर पाते हैं और बजटीय आय की राशि एवं वास्तविक आय की राशि में 11 प्रतिशत तक की कमी रहती है, जबकि इन राज्यों के खर्च नियमित रूप से बढ़ते जा रहे हैं और इस प्रकार इन राज्यों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह असहनीय स्थिति में पहुंच गया है।

आज राज्यों की कुल आय का 84 प्रतिशत भाग स्थिर मदों पर खर्च हो रहा है। प्रदेश को आगे बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने के लिए कुछ राशि इन राज्यों के पास उपलब्ध ही नहीं हो पा रही है। पूंजीगत खर्चों में लगातार हो रही कमी के चलते इन राज्यों में नए अस्पतालों का निर्माण, नए रोड का निर्माण नए स्कूल हेतु भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। पंजाब में कुल आय का 76 प्रतिशत भाग कर्मचारियों के वेतन, पेन्शन एवं ऋण पर ब्याज अदा करने जैसी मदों पर खर्च हो रहा है इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में 79 प्रतिशत एवं केरल में 71 प्रतिशत भाग उक्त मदों पर खर्च किया जा रहा है। साथ ही, कुछ राज्यों द्वारा अपनी कुल आय का भारी भरकम हिस्सा सब्सिडी जैसी मदों पर खर्च किया जा रहा है। जैसे, पंजाब द्वारा अपने बजटीय आय का 24 प्रतिशत भाग सब्सिडी पर खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश द्वारा 5 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश द्वारा 15 प्रतिशत, तमिलनाडु द्वारा 12 प्रतिशत एवं राजस्थान द्वारा 13 प्रतिशत राशि सब्सिडी पर खर्च की जा रही है। पंजाब द्वारा तो अपने बजट की 100 प्रतिशत राशि (24 प्रतिशत सब्सिडी पर एवं 76 प्रतिशत राशि वेतन, पेन्शन एवं ब्याज पर खर्च की जा रही है) सामान्य मदों पर खर्च की जा रही है और पूंजीगत खर्चों के लिए शून्य राशि बचती है।

विभिन्न राज्यों द्वारा पेन्शन की मद पर वर्ष 1980-81 में अपने राज्य की कुल आय का केवल 3.4 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गया। इसी कारण से भारत सरकार ने पेन्शन अदा करने के नियमों में परिवर्तन किया था। आज यदि पेन्शन की नीति को नहीं बदला गया होता तो इस मद पर होने वाला खर्च बढ़कर 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाता।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, केरल, पश्चिमी बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण आज 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

इसी क्रम में ध्यान में आता है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 5200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने का निर्णय लिया है। यह फैसला इसलिए चर्चा में है क्योंकि भाईदूज के अवसर पर 'लाड़ली बहना योजना' के अंतर्गत 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में राशि समय पर नहीं पहुंच पाई थी। इसके बाद सरकार ने प्रदेश स्थापना दिवस पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऋण लेने का रास्ता चुना है। जब किसी राज्य को सामाजिक योजनाओं पर खर्च के लिए ऋण लेना पड़े तो यह स्थिति उस प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती है। मध्यप्रदेश द्वारा ऋण लेने की रफ्तार पिछले कुछ वर्षों में कुछ तेज हुई है। मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश राज्य पर 3.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 4.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जबकि, मध्यप्रदेश की आय में इस रफ्तार से वृद्धि नहीं देखी जा रही है। वित?तीय अनुशासन की दृष्टि से यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि ब्याज भुगतान का बोझ हर साल बढ़ता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल एवं पश्चिम बंगाल की राह पर कहीं मध्यप्रदेश राज्य भी तो नहीं चल पड़ा है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

धमकी देता रह गया अमेरिका, बगराम पर भारत ने जमा लिया अपना कब्जा

(अभिनय आकाश)

अमेरिका ने बनाया, सोवियत ने जीता। अमेरिका ने फिर हासिल किया और आखिरकार तालिबान को विरासत में मिल गया। तालीबान से फिर इसे वापस अपने कब्जे में लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि तालिबान बगराम को वापस अमेरिका को सौंप दे। नहीं तो परिणाम बुरे भुगतने होंगे। ट्रंप की धमकी पर तालिबान का पलटलार भी देखने को मिला। लेकिन ये सब तो पुरानी बातें हो गई हैं। अब फिलहाल इस एयरबेस पर तो भारत ने एंट्री मार ली है।

अफनिस्तान में बगराम एयरबेस का निर्माण करवाया था। उस वक्त सोवियत और अमेरिका नजदीक हुआ करते थे। दोनों देशों के बीच पुल का काम अफगानिस्तान किया करता था। लेकिन बाद में हालात बदल गए। उस वक्त अफगानिस्तान काफी हद तक सोवियत के प्रभाव में हुआ करता था। 1970 तक यहां राजा का शासन हुआ करता था। पर्यटकों के लिए अफगानिस्तान एक शानदार जगह हुआ करती थी। लेकिन 1973 में राजा की सत्ता का तख्तापलट कर दिया गया और फिर यहां से शुरू हुआ अफगानिस्तान की बर्बादी का सिलसिला। इसी आपस की लड़ाई में सोवियत भी मैदान में आ जाता है और तब सोवियत बगराम एयरबेस पर अपने सैन्य विमान उतारता है।

ट्रंप ने अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान शासकों से बगराम को सौंपने का बार-बार आह्वान किया है, लगभग पाँच साल पहले 2020 के एक समझौते ने काबुल से अमेरिका की वापसी का रास्ता साफ़ किया था। 18 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हमने तालिबान को मुफ़्त में दे दिया। हम उस अड्डे को वापस चाहते हैं। दो दिन बाद, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चेतावनी दी, अगर अफ़ग़ानिस्तान बगराम एयरबेस को इसे बनाने वालों, यानी संयुक्त राज्य अमेरिका को वापस नहीं करता है, तो बुरा होगा! हालांकि, तालिबान ने इस अनुरोध को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। मुख्य प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफ़ग़ान किसी भी हालत में अपनी ज़मीन किसी को भी नहीं सौंपने देंगे।

काबुल से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित बगराम हवाई अड्डा, अफ़ग़ानिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य हवाई अड्डा है, जिसमें 3 किलोमीटर और 3.6 किलोमीटर के दो कंक्रीट रनवे हैं। इसकी रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढाँचा इसे अफ़ग़ान हवाई क्षेत्र, खासकर देश के ऊबड़-खाबड़ इलाकों में, नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण गढ़ बनाता है। बगराम ने 2001 के बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध में एक केंद्रीय भूमिका निभाई थी। मॉस्को फ़ॉर्मेट वक्तव्य में एक स्वतंत्र, एकजुट और शांतिपूर्ण अफ़ग़ानिस्तान के लिए समर्थन की पुष्टि की गई और द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय स्तरों पर आतंकवाद-रोधी सहयोग पर ज़ोर दिया गया। प्रतिभागियों ने आतंकवाद के उन्मूलन और अफ़ग़ानिस्तान की धरती को क्षेत्रीय या वैश्विक सुरक्षा ख़तरे के रूप में इस्तेमाल होने से रोकने के लिए व्यापक उपायों का आग्रह किया, जो पाकिस्तान के संबंध में भारत की चिंताओं को दर्शाता है।

अफगानिस्तान के आंतरिक संघर्षों की वजह से ही 1979 में अफगानी सत्ता में सोवियत की बैठ बढ़ जाती है। अमेरिका भी इस पूरे संघर्ष पर नजर बनाए रखता है। 1959 में अमेरिकी राष्ट्रपति वाइट आइजन हावर पहले अमेरिकी राष्ट्रपति थे जो बगराम एयरबेस की यात्रा करते हैं। 2006 में जॉर्ज बुश बगराम पहुंचते हैं। बराक ओबामा ने 2010, 2012 और 2014 में इस एयर फील्ड का कई बार औचक दौरा भी किया था। क्योंकि इसी एयरबेस से अमेरिका पूरे दो दशक तक तालिबान को कंट्रोल करने की कोशिश करता रहा था। 2021 में एक ऐसा वक्त भी आया जब अमेरिका को इस एयरबेस को रातोंरात छोड़ना पड़ा। मतलब अफगानिस्तान से भागना पड़ा। अमेरिका अफगानिस्तान के एयरबेस के साथ-साथ अपना घमंड भी यहां छोड़कर गया था। हथियारों का जखीरा आधुनिक सैन्य वाहन और जो भी संसाधन उसने यहां जुटाए थे। एक झटके में सब छोड़कर उसे जाना पड़ा। कुछ रिपोर्ट्स दावा करती हैं कि हथियार करीब 50 बिलियन डॉलर तक के हो सकते हैं जिन पर आज तालिबान का कब्जा है। भारत के साथ मिलकर तालिबान कूटनीति के साथ भावनात्मक संबंधों में भी सुधार कर रहा है। तो ऐसे में देखना होगा कि क्या भारत तालीबान को इस एयरबेस के लिए मना पाता है या नहीं। क्योंकि भारत को अगर यह एयरबेस मिल जाता है तो भारत के लिए एक बहुत बड़ी रणनीतिक जीत होगी। अमेरिका को जवाब होगा और रणनीतिक तौर पर ये पाकिस्तान और अमेरिका की जो जुगलबंदी है जो गठजोड़ है उसकी एक बहुत बड़ी हार होगी।

मेडिकल पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम

(उमेश चतुर्वेदी)

देश के सबसे बड़े, बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स' ने इस दिशा में कदम उठाया है। उसने डॉक्टरों से कहा है कि हिंदी में भी पर्चा लिखें। इतना ही नहीं, वह जरूरत के हिसाब से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की ओर भी आगे बढ़ रहा है।

हिंदी समेत भारतीय भाषाओं में डॉक्टर बोल-बतिया सकते हैं, मरीजों की तकलीफ की जानकारी भी ले सकते हैं, लेकिन उनके सामने जब इलाज, टेस्ट और दवा सुझाने की बारी आती है तो अंदर की अंग्रेजी स्वाभाविक रूप से उभर आती है। अंग्रेजी भी वैसी नहीं, अक्षर घसेटू। कुछ डॉक्टरों की पर्चियां तो ऐसी होती हैं, जिन्हें अनुभवी फार्मासिस्ट और पैथोलॉजिस्ट भी पढ़ पाने में नाकाम रहता है। लेकिन यह स्थिति बदलने जा रही है। अब डॉक्टरों को हिंदी में भी पर्चा लिखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

देश के सबसे बड़े, बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स' ने इस दिशा में कदम उठाया है। उसने डॉक्टरों से कहा है कि हिंदी में भी पर्चा लिखें। इतना ही नहीं, वह जरूरत के हिसाब से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की ओर भी आगे बढ़ रहा है। एम्स की यह पहल स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आदेश का नतीजा है। जिसमें मंत्रालय ने प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे धीरे-धीरे हिंदी में कामकाज शुरू करें। इस आदेश के बाद एम्स के हिंदी अनुभाग ने अपने सभी विभागों के कामकाज में हिंदी के उपयोग की शुरुआत करने को लेकर चिट्ठी लिखी है। इसमें सिर्फ डॉक्टरों के हिंदी में पर्चे लिखने की ही बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी फाइलों की नोटिंग, आपसी पत्राचार और दस्तावेजों में भी हिंदी का उपयोग बढ़ाने की बात कही गई है।

आज औपचारिक जीवन में अंग्रेजी के जारी वर्चस्व की पृष्ठभूमि अंग्रेजी माध्यम के जरिए औपचारिक पढ़ाई की 1860 में हुई शुरूआत है। जिसका मकसद सिर्फ भारत में अंग्रेजी जानने वाले बाबुओं को तैयार करना ही नहीं, बल्कि देसी 'मानस' को अंग्रेजी मानस में परिवर्तित करना भी था। अंग्रेजों की यह कोशिश सफल रही। जिसका असर आज भी न्याय, प्रशासन, इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे क्षेत्रों में दिखता है। और तो और, भाषायी माध्यम वाली बौद्धिकता को भी अपने यहां वैसी प्रतिष्ठा हासिल नहीं है, जैसी अंग्रेजी माध्यम वाले बौद्धिकों की है। नीति निर्माण में अब भी उसी नौकरशाही का दखल ज्यादा है, जो अंग्रेजी माध्यम में पढ़ी-लिखी है। हालांकि प्रशासन आदि में धीरे-धीरे ही सही, हिंदी समेत भारतीय भाषाओं का दखल बढ़ रहा है। लेकिन उच्च न्यायपालिका, मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अब भी इस दिशा में आगे बढ़ने को लेकर हिचक दिखती है।

अंग्रेजी माध्यम के वर्चस्व को देखते हुए अरसे से मांग रही है कि जिसे न्याय दिया जा रहा है, उसे पता होना चाहिए कि न्याय हो भी रहा है या नहीं, न्यायिक कार्यवाही सही तरीके से चल रही है या नहीं। इसी तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी तर्क दिया जाता रहा है कि मरीज को यह जानने का अधिकार है कि उसका किस रोग का इलाज हो रहा है, उसका कौन-सा टेस्ट

कराया जा रहा है और उसे कौन-सी दवा दी जा रही है? भले ही उच्च न्यायपालिका में न्याय और न्यायिक कार्यवाही में अब भी भारतीय भाषाओं एवं हिंदी की भूमिका को सहज स्वीकार्यता नहीं मिल पाई हो। लेकिन अब मेडिकल की दुनिया में भारतीय भाषाओं और हिंदी की भूमिका बढ़ने की पीठिका तैयार हो गई है। न्याय में भारतीय भाषाओं की दखल बढ़ाने को लेकर टालमटोल करती रही न्यायपालिका मानने लगी है कि मरीजों को उसके इलाज आदि को जानने का हक संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिला हुआ है। न्यायपालिका ने मरीजों के इस हक को बीते तीस अगस्त को स्वीकार किया। इसी दिन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डॉक्टरों द्वारा लिखे पर्चे को साफ और स्पष्ट होने का निर्देश दिया था। अदालत ने तब कहा था कि सभी मेडिकल पर्चे और जांच रिपोर्ट साफ अक्षरों में लिखी जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा था कि सरकारी और निजी अस्पतालों-दोनों को यह व्यवस्था लागू करना चाहिए। अदालत ने यहां तक कहा था कि डॉक्टरी पर्चे कैपिटल अक्षरों में या टाइप या डिजिटल रूप में होने चाहिए। अदालत ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग यानी एनएमसी से भी कहा था कि वह मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ लिखावट अपनाने के लिए प्रेरित करे। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब तक कंप्यूटर से पर्ची लिखने की व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल अक्षरों में ही पर्चे लिखें। इस अदालती आदेश के संदर्भ में कह सकते हैं कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नये फैसले को एम्स द्वारा अमल करना मरीजों के हक की दिशा में बड़ा कदम है। इससे भारतीय भाषाओं को प्रशासन, न्याय और इलाज का माध्यम बनाने की कोशिशें परवान चढ़ेंगी। इससे भारतीय भाषाओं को मजबूती भी मिलेगी। इसी आदेश के आलोक में, एम्स अपने यहां मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी माध्यम में कराने की तैयारी में है। ज्ञातव्य है कि कई राज्यों में बारहवीं तक परीक्षा और पढ़ाई का माध्यम हिंदी या भारतीय भाषाएं ही हैं। इन माध्यमों के मेधावी छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए चुने जाते रहे हैं, मेडिकल में पहुंचते ही अचानक से उनका पल्ला अंग्रेजी माध्यम से पड़ जाता है। उनके सामने अचानक आया अंग्रेजी माध्यम उन पर दबाव बढ़ा देता है। इस दबाव में कई प्रतिभाएं असमय ही मौत का रास्ता अख्तियार करती रही हैं। इसी संदर्भ में अरसे से मांग होती रही है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई में हिंदी माध्यम भी होना चाहिए। चूंकि मौजूदा केंद्र सरकार और उसकी वैचारिकी भारतीय भाषाओं की पक्षधर है। वैसे समाजवादी आंदोलन और उसके प्रेरणा पुरुष डॉ राममनोहर लोहिया भी हिंदी के पक्षधर रहे हैं। अतीत में केंद्र और कई राज्यों में समाजवादी सरकारें रहीं। लेकिन उन्होंने कभी इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किया। इस संदर्भ को देखते हुए भारतीय भाषाओं के समर्थक मौजूदा केंद्र और बीजेपी शासित राज्य सरकारों के आभारी हो सकते हैं कि उन्होंने भारतीय भाषाओं की पक्षधरता दिखाई है। मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम से कराने की चर्चा जब से शुरू हुई है, मेडिकल तबका ही उसका सबसे बड़ा विरोधी रहा है। कई तो ऐसे भी रहे, जिन्होंने इस विचार को हंसी में ही उड़ा दिया। इस सोच को जमीनी हकीकत बनाना असंभव भी बताया जाता रहा है। ऐसे माहौल में मध्य प्रदेश सरकार अग्रणी बनी, और उसने 16 अक्टूबर 2022 को मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरू करा दी। अब एमबीबीएस की पढ़ाई पहले साल के तीन विषयों एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई हिंदी माध्यम से जारी है। वैसे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी छात्रों को उनकी मातृभाषा में चिकित्सा शिक्षा दिलाने की वकालत करती है। स्वाभाविक है कि हिंदी माध्यम से पढ़ाई के लिए हिंदी में मेडिकल की किताबों की जरूरत बढ़ेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाई, जिसने पाठ्यक्रम से जुड़ी हिंदी में किताबें तैयार की है और इस दिशा में काम जारी है। साल के छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाया जा रहा है। नवंबर 2022 में उत्तर प्रदेश के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय भी बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई हिंदी में शुरू कर चुका है। निश्चित तौर पर यह कदम ग्रामीण पृष्ठभूमि और भारतीय भाषाओं के माध्यम के छात्रों के लिए फायदेमंद होगा। वे नाहक तनाव से बच सकेंगे। कुछ इसी तरह हिंदी में इलाज और टेस्ट के लिए लिखे जाने वाले पर्चे भी आम मरीजों के लिए लाभप्रद होंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस आदेश को लागू होने में शुरूआती दिक्कतें तय हैं। इसका कारण करीब एक साठ सालों की अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से बना मानस है। फिर भी यह आदेश इस जड़ता तोड़ेगा। निश्चित रूप से इससे भारतीय भाषाओं का मान बढ़ेगा, मरीजों के इलाज में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का राजनीतिक प्रहार

तेजस्वी और राहुल की राजनीति अब बिहार में अप्रभावी, जनता ने सुशासन का मंत्र चुन लिया है

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। राजनीति के महायज्ञ में पहले चरण का आहुति दे चुका बिहार अब दिशा तय कर चुका है— यह कहना था भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का, जिन्होंने पूर्णिया में आयोजित प्रेस वार्ता में विपक्ष पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि 'बिहार की जनता ने विकास का औषध चुना है और अराजकता का विष त्याग दिया है।'

जायसवाल ने कहा कि पहले चरण की वोटिंग बिहार की चेतना का प्रतीक थी। 'जनता ने अपने मतों से यह साबित किया है कि अब बिहार भावनाओं से नहीं, विवेक से चलता है। अब वह भाषणों की नशीली खुराक नहीं, विकास का सत्व चाहता है,' उन्होंने कहा। तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर करारा तंज कसते हुए उन्होंने कहा — 'बिहार अब उन नेताओं को पहचान चुका है जो चुनावी मौसम में 'राजनीतिक कैल्शियम' लेकर मैदान में उतरते हैं और फिर परिणाम आते ही छुट्टी पर

चले जाते हैं। बिहार को ऐसे नेताओं की जरूरत नहीं जो लोकतंत्र को मंच समझें और जनता को दर्शक। राहुल और तेजस्वी जैसे नेताओं की राजनीति अब बिहार में विटामिन-रहित हो चुकी है — असर खत्म, प्रभाव शून्य।' प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 'राजद की राजनीति वही पुरानी बोतल में भरा पुराना जहर है — नाम बदल गया, पर नीयत नहीं। लालू यादव की पार्टी के भीतर अराजकता और गुंडागर्दी का वायरस अब भी सक्रिय है। पहले चरण की वोटिंग के बाद जिस तरह उनके नेताओं ने धमकी और हिंसा की भाषा अपनाई, वह उसी संक्रमण का लक्षण है।' उन्होंने कहा कि एनडीए ने बिहार की रगों में विकास का रक्त प्रवाहित किया है — 'युवाओं को रोजगार, किसानों को सम्मान निधि, माताओं को सुरक्षा, बेटियों को शिक्षा और बुजुर्गों को गरिमा मिली। यह वही औषध है जिसने बिहार को बीमार राजनीति के दौर से बाहर निकाला। बिहार अब आत्मनिर्भरता की पंचगव्य नीति पर आगे बढ़ रहा है — शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा और सम्मान।' जायसवाल ने कहा कि 'पूर्णिया समेत 18 जिलों में जनता का जो जनसैलाब उमड़ा, उसने विपक्ष की उम्मीदों के तापमान को गिरा दिया है। अब बिहार में जंगलराज का ज्वर उतर चुका है, विकास का ऑक्सीजन बढ़ चुका है।' उन्होंने सख्त स्वर में कहा— 'लोकतंत्र पर हमला करने वाले, सुरक्षाबलों पर पत्थर चलाने वाले और जनता को धमकाने वाले अब नहीं बचेंगे। यह नया बिहार है— जहाँ कानून शासन करता है, और जनता निर्णय लेती है।'अंत में उन्होंने कहा — 'पहले चरण की वोटिंग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार की राजनीतिक देह अब स्वस्थ है, और इसका हृदय एनडीए के सुशासन से धड़कता है। जनता ने निर्णय का औषध मतपेटी में बंद कर दिया है— अब परिणाम केवल औपचारिकता है।' पूर्णिया से दिलीप जायसवाल का यह प्रहार सिर्फ. बयान नहीं, राजनीतिक पंचकर्म था — जिसने विपक्ष की विषैली राजनीति को बेअसर कर दिया।

धमदाहा में तेजस्वी की हुंकारः हर घर को नौकरी, हर हाथ में अधिकार–

भ्रष्टाचार की जड़ उखाड़ फेंकने का ऐलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। धमदाहा का हाई स्कूल मैदान शुक्रवार को राजनीतिक जोश और जनसैलाब का साक्षी बना। लाल झंडों और उत्साह से लहराती भीड़ के बीच जब बिहार के प्रतिपक्ष नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने मंच संभाला, तो पूरा इलाका 'लालटेन जलाओ, न्याय लाओह्व के नारों से गूंज उठा। भीड़ के उत्साह ने साफ कर दिया कि बिहार की जनता बदलाव की राह पर कदम बढ़ाने को तैयार है।

तेजस्वी ने अपने चिर-परिचित तेवर में कहा—'अगर हमारी सरकार बनी तो बिहार का कोई घर बेरोजगारी के अंधेरे में नहीं रहेगा। हर परिवार से एक युवा को सरकारी नौकरी दी जाएगी। वृद्ध जनों को 1500 प्रतिमाह पेंशन और माई-बहिन योजना के तहत महिलाओं के खाते में 2500 प्रति माह दिया जाएगा।' उन्होंने कटाक्ष किया— 'जो सरकार भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी पर मौन साधे बैठे, उसे अब जनता सत्ता में नहीं रहने देगी। यह सिर्फ चुनाव नहीं, बिहार के भविष्य की निर्णायक लड़ाई है।' राजद प्रत्याशी संतोष कुमार कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव का विजन युवाओं और महिलाओं दोनों को सशक्त बनाने का है।

अमित शाह के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब पूर्णिया ने दिखाया एनडीए पर अटूट विश्वास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। शुक्रवार की शाम पूर्णिया राजनीतिक ऊर्जा से सराबोर था। देश के गृह मंत्री अमित शाह जब आर.एन. साह चौक स्थित वीर कुंवर सिंह स्मारक पर माल्यार्पण के लिए पहुंचे, तो पूरा शहर जयघोषों से गूंज उठा। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'फिर एक बार एनडीए सरकारह्व के नारों के बीच शाह ने अपनी भव्य रोड शो यात्रा का शुभारंभ किया।

सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों की भीड़ मानो किसी जनउत्सव में बदल गई थी। हर ओर से पुष्पवर्षा हो रही थी, ढोल-नगाड़ों की थाप गूंज रही थी, और गीत-संगीत तथा सांस्कृतिक रंगों ने इस राजनीतिक कार्यक्रम को उत्सव का रूप दे दिया था। ऐसा लगा मानो पूर्णिया किसी दीपोत्सव की रोशनी में नहा उठा हो। गृह मंत्री अमित शाह खुले वाहन पर सवार होकर जनता का अभिनंदन स्वीकार कर रहे थे। एक ओर जनता उन पर पुष्प बरसा रही थी, तो दूसरी ओर शाह भी अपनी सहज मुस्कान और हाथ हिलाकर हर चेहरे को जवाब दे रहे थे। यह दृश्य जनता और नेतृत्व के बीच अटूट विश्वास और आत्मीयता की तस्वीर बन चुका था। पूर्णिया की सड़कों पर उमड़ा यह जनसैलाब केवल भीड़ नहीं था—यह विश्वास की अभिव्यक्ति थी। यह संकेत था कि बिहार की धरती पर विकास, सुरक्षा और स्थिरता की नई सुबह एनडीए के हाथों से लिखी जाने वाली है। अमित शाह का यह रोड शो सिर्फ एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि जनसमर्थन की अभूतपूर्व धारा थी, जिसने पूर्णिया को राष्ट्रभक्ति और उम्मीद के रंगों में रंग दिया।

मतदान ड्यूटी से लौट रहे शिक्षक पर हमला, लूटपाट के दौरान चाकू से घायल, अपराधी फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़हरा कोठी /पूर्णिया। लोकतंत्र के उत्सव में कर्तव्य निभाकर लौट रहे एक शिक्षक गुरुवार की शाम अपराधियों की गोली नहीं, पर धारदार वार का शिकार बन गए। रघुवंशनगर थाना क्षेत्र में परबत्ता मुसहरी के पास घात लगाए बैठे तीन नकाबपोश अपराधियों ने शिक्षक पर जानलेवा हमला कर न सिर्फ नकदी और मोबाइल लूट लिया, बल्कि उन्हें अधमरा छोड़ मौके से फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार,

हनुमाननगर वार्ड संख्या 13 निवासी मनोज कुमार भारती, पिता दशरथ रजक, जो उत्क्रमित मध्य विद्यालय भवानंदपुर, उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) में शिक्षक हैं, विधानसभा चुनाव में मतदान कार्य संपन्न कराने के बाद बिहारीगंज उच्च विद्यालय से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान परबत्ता मुसहरी के समीप अपराधियों ने उनकी बाइक रोककर हमला कर दिया। छीना-झपटी के बीच एक अपराधी ने चाकू से उनके बाएँ गाल पर वार किया, जिससे वे मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। अपराधी उनके पास से लगभग तीन हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और जरूरी कागजात लेकर फरार हो गए। कुछ देर बाद जब शिक्षक को होश आया, तो उन्होंने किसी तरह घर पहुँचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन तुरंत उन्हें लेकर रघुवंशनगर थाना पहुँचे, जहाँ कांड संख्या 127/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। थानाध्यक्ष शिशुपाल कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है।

72 घंटे में अपहृत बालक कृष्णा सकुशल बरामद, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार पुलिस ने अपनी तकनीकी दक्षता और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए जिले के कुसेला थाना क्षेत्र अंतर्गत समेली से मंगलवार की सुबह लापता हुए चार वर्षीय बालक कृष्णा कुमार को 72 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। बच्चे की सकुशल बरामदगी से परिजनो में खुशी की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि घटना में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश में सघन छापेमारी जारी है।सदर एसडीपीओ टु

चार वर्षीय कृष्णा को भागलपुर से किया गया बरामद

रंजन कुमार सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया था। इस टीम में कुसेला थानाध्यक्ष राकेश कुमार के साथ एक तकनीकी सेल की यूनिट को शामिल किया गया था। उन्होने बताया कि पुलिस टीम ने मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लगातार छापेमारी की। बच्चे को भागलपुर जिले के ततारपुर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि बालक का अपहरण फिरौती की मंशा से किया गया था। बालक के लापता होने के बाद स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे 31 जाम कर प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए युद्धस्तर पर छापेमारी शुरू कर दी थी।

प्रियंका गांधी आज करेंगी बरारी में जनसभा, तैयारियों में जुटा प्रशासन

हेलीपैड से लेकर मंच तक पुख्ता इंतजाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी/कटिहार। बरारी विधानसभा क्षेत्र में आज कांग्रेस-महागठबंधन के प्रत्यासी तौकीर आलम के समर्थन में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। यह जनसभा भगवती मंदिर बरारी हाट मेला मैदान में आयोजित की जाएगी।

प्रियंका गांधी के आगमन को लेकर महागठबंधन के कार्यकताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने सभा स्थल पर व्यापक व्यवस्था की है। मैदान में हेलीपैड निर्माण, बैरिकेडिंग, वीआईपी जोन,मीडिया दीर्घा और भीड़ नियंत्रण की रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। प्रियंका गांधी की निजी सुरक्षा टीम और केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने स्थल का मुआयना कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।महागठबंधन के कार्यकताओं का कहना है कि प्रियंका गांधी की सभा से चुनावी माहौल में नया जोश देखने को मिलेगा। उनके कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। इसी मैदान में गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एनडीए प्रत्याशी विजय सिंह निषाद के समर्थन में जनसभा की थी। उस सभा में भी भारी भीड़ उमड़ी थी। अपने भाषण में हिमंता सरमा ने लालू यादव, तेजस्वी यादव और मुलायम सिंह पर तीखे राजनीतिक हमले किए थे तथा हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने की अपील की थी। इधर अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रियंका गांधी की जनसभा बरारी के चुनावी माहौल को किस दिशा में मोड़ती है।

निरहुवा रिक्शावाला गीत पर झूमे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा/कटिहार। एनडीए गठबंधन की ओर से स्टार प्रचारक, भाजपा पूर्व सांसद सह भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुवा की हरि सुंदर मध्य विद्यालय के मैदान पर आयोजित चुनावी सभा अनियंत्रित भीड़ के कारण महज एक गीत गाकर समाप्त हो गया।

इस दौरान उन्होंने बिहार में एनडीए की सरकार बनाने के लिए कदवा विधान सभा से एनडीए प्रत्याशी दुलाल चंद्र गोस्वामी को तीर छाप पर बटन दबाकर जिताने की अपील की। भीड़ नियंत्रित करने में सुरक्षा व्यवस्था में लगे थानाध्यक्ष विजय महतो के नेतृत्व में डंडखोरा व कटिहार की

एनडीए की चुनावी सभा में उमड़ी भीड़

पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।वही एफएसटी की टीम हर गतिविधि पर नजर जमाये थी।सभा को संबोधित करते हुए जदयू नेता सतीश ठाकुर,चंदन पटेल, दिनेश इंसान, मनोज साह, प्रीतम कुशवाहा, अमित साह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रवि साह, आलोक मंडल, इंद्रजीत सिंह, धर्मेन्द्र ठाकुर, मुकेश पोद्दार, पुरुषोत्तम वर्मा, सूरज साह, नरेश मंडल, आलोक चौहान, कुंदन महतो ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में चलाये गये कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनाने के लिए कदवा के एनडीए प्रत्याशी दुलाल चंद्र गोस्वामी को जिताने की अपील की ।पूर्व सांसद को सुनने सूरज की तपिश के बाबजूद हजारों की संख्या में लोग घंटों खड़े रहे।जिसमें महिलाओं की संख्या भी अच्छी खासी देखी गई।लगभग तीन घंटे विलंब से पहुंचे पूर्व सांसद के की सभा में उनके गाये गीतों की धुनों ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। निरहुवा रिक्शावाला। जीयऽ जीयऽ हो बिहार के लाला हो जैसे गीतों के धुनों पर समर्थक जी भर के नाचे।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने बिहार में विकास किया : बाबूलाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका/कटिहार। प्रखंड के बरेटा हाई स्कूल में कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और सांसद मनोज तिवारी ने एक जनसभा को संबोधित किया।

प्रखंड के बरेटा हाई स्कूल मैदान में एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी कोढ़ा विधायक कविता पासवान के समर्थन में आयोजित की गई मंच का संचालन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुज कुमार मंडल ने की झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी मंच पर संबोधित करते हुए अपने भाषा में लोगों को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में विकास किया है और विकास करेंगे अपने भाषा में आदिवासी समाज को विकास के बारे मैं कहा उन्होंने कहा कि हर गांव में पक्की सड़क पुल पुलिया का निर्माण हुआ है जिससे बिहार में विकास की गति बढी है सांसद मनोज तिवारी ने लोगों को एनडीए को वोट देने की अपील की उन्होंने मंच पर कहा कि राहुल गांधी बोले की छठ पूजा के रूप में ड्रामा कर रहे हैं तीन दिन हम लोगन छठ मैया के बड़ा ही श्रद्धा पूर्वक छठी मैया का पूजा करते हैं और राहुल गांधी बताते हैं की छठ पूजा के रूप में ड्रामा कर रहे हैं उन्होंने छठ पूजा पर गीत भी गए और कहा कि हम बिहारी हैं पहले हम लोगों को बिहारी कहने में शर्म आती थी अब हम लोग शान से कह सकते हैं हम बिहारी हैं कोढ़ा विधायक कविता पासवान के समर्थन में वोट मांगे और लोगों से अपील की अगर बिहार में विकास चाहते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और और मुख्यमंत्री नीतीश को जिताएं जनसभा के मौके पर अयोध्या के विधायक भाजपा के रामनाथ पांडे मंडल अध्यक्ष शहरी परमानंद शर्मा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण अनुज कुमार मंडल प्रखंड प्रमुख दीपशिखा सिंह पूर्व प्रमुख सतीश मंडल जिला परिषद प्रतिनिधि बलराम साह जिला परिषद प्रतिनिधि गायत्री कुमारी मुखिया विनोद मिर्धा भारती कुमारी भाजपा नेता संजय झा आदि मौजूद रहे।

नफरत नहीं, मोहब्बत को दें बढ़ावा इकरा हसन

बरारी में बदलाव की लहर शुरू : तौकीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी/कटिहार। बरारी विधानसभा क्षेत्र के सेमापुर स्थित मदरसा इस्लाहिया और कठोतिया गांव में गुरुवार की देर संध्या को उत्तर प्रदेश के कैराना की सांसद इकरा हसन ने कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर आलम के समर्थन में जनसंवाद किया।

कार्यक्रम में महिलाओं और युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। सभा स्थल पर युवाओं और महिलाओं में गजब का जोश का माहौल देखने को मिला।इस दौरान अपने संबोधन में सांसद इकरा हसन ने कहा कि बरारी का यह चुनाव पूरे देश की नजर में है। जनता को तय करना है कि देश को नफरत की राह पर ले जाने वालों को आगे बढ़ाना है या मोहब्बत और भाईचारे की राजनीति करने वालों को। उन्होंने कहा कि बरारी में युवा, ईमानदार और जुझारू नेता तौकीर आलम को जिताकर महागठबंधन को मजबूत करें। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत, उन्माद और अत्याचार की राजनीति कर रही है, जिसका अंत बिहार से होगा। उन्होंने अपील की कि देश में एकता और सद्भाव बनाए रखने के लिए महागठबंधन की जीत जरूरी है।मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर आलम ने कहा कि अब समय है बदलाव का और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के निर्माण का। उन्होंने कहा कि बरारी के युवा अब जाग चुके हैं, वे बदलाव के लिए तैयार हैं। जनता का जो अपार समर्थन मिल रहा है, उससे यह झलकता है कि बरारी में परिवर्तन की लहर चल पड़ी है। तौकीर आलम ने सभा में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद देते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद से जीत निश्चित है।

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष, एक तराना जो आन्दोलन बन गया

मनिहारी/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कला संस्कृति एवं युवा विभाग के मुख्य सचिव के दिशा निर्देश के आलोक में ग्रामीण कार्य विभाग के सभी मुख्यालयों के साथ मनिहारी स्थित ग्रामीण कार्य विभाग मुख्यालय में भी वन्दे मातरम् राष्ट्रीय गीण का समवेत स्वर में गायन किया गया । राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के समवेत स्वर में गायन में ग्रामीण कार्य विभाग के सभी अधिकारी व कर्मी शामिल थे। वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत पहली बार साहित्यिक पत्रिका वंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुई थी। बंकिम चंद चट्टोपाध्याय ने इसे अपने उपन्यास आनंद मठ में शामिल किया था।

जीविका दीदियों ने संभाली लोकतंत्र की डोर, बनमनखी में गूंजा संदेश - 'हर वोट, एक जिम्मेदारी'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नजदीक आते ही पूर्णिया जिले में लोकतंत्र को सशक्त बनाने की मुहिम तेज हो गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अंशुल कुमार के मार्गदर्शन में स्वीप अभियान के तहत मतदाताओं को जागरूक करने की कवायद अब जनभागीदारी का रूप ले चुकी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को डीपीएम जीविका के नेतृत्व में बनमनखी प्रखंड के रूपौली उत्तर पंचायत के रूपौली गोठ गांव स्थित बूथ संख्या 204 और 205 पर विशेष मतदाता संवाद और शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की बागडोर ममता CLF, लाडली और महारानी ग्राम संगठन की सक्रिय महिलाओं ने संभाली। दीदियों ने न सिर्फ मतदान का महत्व बताया, बल्कि उपस्थित ग्रामीणों को यह अहसास दिलाया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हर नागरिक अपने मताधिकार का

प्रयोग करेगा। सभा में एक स्वर में सभी ने शपथ ली— 'हम 11 नवंबर को अपने मत का प्रयोग अवश्य करेंगे और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे।' कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, युवाओं और स्थानीय मतदाताओं में उत्साह का माहौल दिखा। वक्ताओं ने कहा कि मतदान दिवस सिर्फ चुनाव का दिन नहीं, बल्कि देश की दिशा तय करने का दिन होता है— और इस जिम्मेदारी से कोई भी विमुख नहीं रह सकता।

योजना में पारदर्शिता न बरतने, मनमानी नियुक्ति और बैठकें न बुलाने को लेकर भड़के निगम पार्षद

महापौर के खिलाफ पार्षदों ने खोला मोर्चा, लगाए गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम की कार्यप्रणाली में एक बड़ा सियासी भूचाल आ गया है। निगम के पार्षदों ने मेयर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को लेकर पार्षदों ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया ।जिसमें मेयर के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली।

प्रेस वार्ता के दौरान पार्षदों ने आरोप लगाया कि मेयर अपने कार्यकाल में योजनाओं के क्रियान्वयन में बिल्कुल भी पारदर्शिता नहीं बरत रहे हैं। उनका कहना था कि कई महत्वपूर्ण योजनाओं को बिना किसी चर्चा और उनकी अनुशंसा के ही पारित कर दिया गया है। यह सीधे तौर पर नियमों का उल्लंघन और निगम की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दरकिनार करना है। ?पार्षदों ने एक और चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए कहा कि मेयर समय अंतराल पर निगम की आवश्यक बैठकें नहीं बुलाते हैं। जिसके कारण जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय और विकास कार्य अधर में लटके हुए हैं। उन्होने बताया निगम की नियामवली मे ये स्पष्ट है कि

प्रत्येक माह 2 समान्य बोर्ड की बैठक आहुत होनी है । लेकिन इन नियमो का पालन नही किया जा रहा है। सबसे गंभीर आरोप निगम में अवैध नियुक्तियों को लेकर लगाया गया। पार्षदों ने स्पष्ट कहा कि मेयर ने नियमों को ताक पर रखकर अपने निजी और चहेते लोगों को निगम के विभिन्न पदों पर नियुक्त किया है। यह पद का खुल्लमखुल्ला दुरुपयोग है, जिसकी उच्च स्तरीय जाँच होनी चाहिए।मौके पर निगम मनीष घोष उर्फ बिट्टू घोष , पार्षद प्रमोद महतो ,पार्षद प्रतिनिधि मनोज राय ,पार्षद प्रतिनिधि मनोज मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देश के सबसे उदार लोगों ने दान में दिए 10380 करोड़ रुपये; शिव नादर टॉप पर

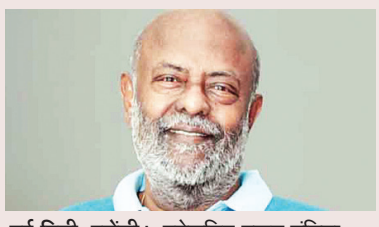

नई दिल्ली, एजेंसी। एडेलगिव हुरुन इंडिया फिलैंथ्रोपी लिस्ट 2025 के अनुसार भारत के सबसे उदार लोगों ने 2025 में सामूहिक रूप से 10,380 करोड़ रुपये दान में दिए। सूची में 191 दानवीरों को शामिल किया गया है। इनमें 12 नए सदस्य भी शामिल हैं। देश के दानवीरों की ओर से किए गए कुल दान में पिछले तीन वर्षों के दौरान करीब 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सूची में एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर और उनका परिवार 2,708 करोड़ रुपये के सालाना दान के साथ टॉप पर है। उन्होंने पांच वर्षों में चौथी बार भारत के सबसे उदार व्यक्ति का खिताब बरकरार रखा है। नादर ने हर दिन करीब 7.4 करोड़ रुपये परोपकार के कार्यों पर खर्च किए। सालाना इसमें 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। परोपकार का यह काम मुख्य रूप से शिव नादर फाउंडेशन के जरिए किया गया। सूची के अनुसार शीर्ष 10 परोपकारी लोगों ने सामूहिक रूप से 5,834 करोड़ रुपये का दान दिया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। उनकी ओर से किया गया दान कुल दान का 56 प्रतिशत है।

पहले दिन ही जमीन पर आया आईपीओ, निवेशकों को हुआ नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टड्स एक्सेसरीज़ के आईपीओ की लिस्टिंग खराब हुई है। निवेशकों को पहले दिन ही झटका लगा है। बीएसई में कंपनी का आईपीओ 3 प्रतिशत के डिस्काउंट के बाद 570 रुपये पर लिस्ट हुआ है। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 565 रुपये पर हुई है। बता दें, कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 585 रुपये प्रति शेयर था। इस आईपीओ का लॉट साइज 25 शेयरों का बनाया गया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14625 रुपये का इंवेस्टमेंट करना पड़ा था। सुस्त लिस्टिंग के बाद स्टड्स एक्सेसरीज़ के शेयरों में रिकवरी देखने को जरूर मिली है। लेकिन अब भी कंपनी के शेयर इश्यू प्राइस को क्रॉस नहीं कर पाए हैं। इस आईपीओ को तीन दिन में 73 गुना सब्सक्राइब किया गया था। एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 76.99 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

मोबाइल से ही हो जाएंगे डाकघर के सभी काम, डाक सेवा 2.0 ऐप लॉन्च

आईफोन यूजर ऐपल ऐप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय डाक विभाग ने अपनी सेवाओं को आधुनिक और तेज बनाने के लिए डाक सेवा 2.0 ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप के माध्यम से डाकघर से जुड़े काम अब मोबाइल फोन से घर बैठे हो जाएंगे। एंड्रॉयड स्मार्टफोन यूजर्स गूगल प्ले स्टोर और आईफोन यूजर ऐपल ऐप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

डाक विभाग के ऐप की मदद से आप अपने पार्सल और मनीऑर्डर की ट्रेकिंग कर पाएंगे। इससे डाक की गणना करना, मेल्स की बुकिंग, ई-रसीद, शिकायत दर्ज करने जैसे कई और काम कर सकते हैं। ऐप हिंदी के साथ अंग्रेजी, डोगरी, गुजराती, मराठी, पंजाबी, उर्दू, कोंकणी, मैथली और बंगाली समेत कुल 23 भाषाओं में काम की सुविधा देता है। ऐप के दाएं कोने में आपको भाषा का आइकन दिखेगा। इस पर क्लिक करके आप

अपनी सुविधा के अनुसार कोई भी भाषा चुन कर उसे ऐप की डिफाल्ट भाषा बना सकते हैं। इसके अलावा ऐप में डार्क मोड का फीचर भी दिया गया है जिससे रात में इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। ऐप के ऊपर दाएं कोने पर ही दिए गए पहले आइकन से आप यह मोड ऑन कर सकते हैं। किसी भी सेवा को खोजने के लिए सर्च बार दिया गया है। इसमें जो आप खोजना चाहते हैं वह लिखेंगे तो तुरंत उसकी जानकारी मिल जाएगी।

डिजिटल हो रहा डाक विभाग

डाक विभाग भी अब खुद को तेजी से डिजिटल बना रहा है। डाकघर के काउंटरों पर यूपीआई और डायनामिक कोड की सर्विस भी शुरू की गई है। डाक विभाग के द्वारा शुरू की गई यह एप्लीकेशन अब डाकघर की सेवा को और आधुनिक तथा यूजर फ्रेंडली बनाने का काम करेगी। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से एक लाख से ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। इसकी लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है। किसी भी सुविधा को लेकर अगर आपकी कोई शिकायत है तो इस ऐप के जरिए वह भी दर्ज करवा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस, पार्सल, लेनदेन से जुड़ी कोई भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। साथ ही, शिकायत को ट्रैक भी कर सकते हैं। ऐप खोलने के बाद आप अपनी समस्या के लिए एक टोल फ्री नंबर पर कॉल भी कर सकते हैं।

सेबी चेयरमैन बोलेः आईपीओ मूल्यांकन पर सेबी नहीं देगा दखल

लेंसकार्ट के निर्गम के अधिक कीमत पर जताई गई थी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर चिंताओं के बीच सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा। हम मूल्यांकन तय नहीं करते। यह देखने वाले यानी निवेशक की नजर में होता है। लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आईपीओ की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताई गई थी। पांडे ने स्पष्ट किया कि बाजार को अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण स्वतंत्र रूप से तय करना चाहिए। प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के ऊंचे मूल्य को लेकर पहले भी चिंताएं जताई गई हैं। खासकर नायका या पेटीएम के आईपीओ जैसी नए जमाने की कंपनियों के मामले में यह बहुत ज्यादा रहा है। पांडे ने कंपनियों से पर्यावरण, सामाजिक व गवर्नेंस (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक प्रामाणिक होने की अपील की। पांडे ने बृहस्पतिवार को कहा, नियामकीय दृष्टिकोण से नियामकीय अतिक्रमण को नियंत्रित करने और नवाचार एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने की जरूरत है। पांडे ने कहा, हम उद्योग और निवेशकों के परामर्श से कई नियमों की समीक्षा करेंगे, ताकि उन्हें सरल, प्रासंगिक, स्पष्ट और अपडेट बनाया जा सके। कंपनियों के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डाटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए। सेबी ने आईपीओ में एंकर निवेशकों के लिए शेयर आवंटन ढांचे में बदलाव किया है। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों व पेंशन फंड जैसे घरेलू संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाना है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड आईपीओ में बिकेगा 10 प्रतिशत हिस्सा, साल 2026 में पूरा होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ लाने की तैयारी में है। इसके जरिये 6 फीसदी व अमुंडी इंडिया 3.7 फीसदी हिस्सा बेचेगी। एसबीआई म्यूचुअल फंड की प्रायोजक एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट समूह की सूचीबद्ध होने वाली चौथी कंपनी होगी। एसबीआई कार्ड्स, एसबीआई लाइफ और एसबीआई पहले ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं।

एसबीआई ने बताया, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की अन्य प्रवर्तक अमुंडी इंडिया होल्डिंग 1.88 करोड़ इक्विटी शेयरों का विनिवेश करेगी। म्यूचुअल फंड में एसबीआई का हिस्सा 61.91 फीसदी और अमुंडी का 36.36 फीसदी है। आईपीओ 2026 में पूरा होने की संभावना है। यह देश का सबसे बड़ा फंड हाउस है जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट 11.99 लाख

करोड़ रुपये है। 200 करोड़ सर्वर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर व 710 करोड़ रुपये मार्केटिंग पर खर्च होंगे। टेनेको क्लीन एयर इंडिया 3,600 करोड़ जुटाएगी। इश्यू 12 नवंबर को खुलेगा। इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, इसलिए कंपनी को आईपीओ से रकम नहीं मिलेगी।

फिजिक्सवाला का भाव 103-109 रुपये

नोएडा की एडटेक यूनिकॉर्न फिजिक्सवाला ने 3,480 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 103-109 रुपये भाव तय किया है। लिस्टिंग के बाद पूंजी 31,500 करोड़ रुपये होगी। इश्यू 11 को खुलेगा और 13 नवंबर को बंद होगा। प्रवर्तक अलख पांडे और प्रतीक बूब का कंपनी में 40.31 फीसदी हिस्सा है। निर्गम से मिली राशि में 460 करोड़ नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना पर खर्च होंगे। 548 करोड़ रुपये मौजूदा केंद्रों के पट्टे के भुगतान के लिए होंगे।

कॉपर कारोबार में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की लीडिंग कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की कॉपर वेंचर ने ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ा समझौता किया है। इस समझौते के तहत महत्वपूर्ण खनिजों के लिए भारत की कोशिशें और मजबूत होंगी और इसके तेजी से बढ़ते कॉपर कारोबार के लिए फीडस्टॉक सुरक्षित होगा। दरअसल, अडानी समूह की कच्छ कॉपर लिमिटेड ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के यीगर्न टेरेन क्षेत्र में कैरवेल कॉपर परियोजना पर सहयोग के लिए ऑस्ट्रेलिया की कैरवेल मिनरल्स लि. के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अडानी समूह ने बयान में कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडयरी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) और कैरवेल मिनरल्स के बीच गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह निवेश सहयोग और खदान से संभावित निकासी समझौते के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। इस समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों कंपनियां 2026 में अंतिम निवेश निर्णय की दिशा में परियोजना के विकास में तेजी लाने के लिए निवेश और निकासी के अवसरों का पता लगाएंगी, जिसमें कैरवेल के विश्वस्तरीय संसाधनों को अदाणी की स्मेल्टिंग, प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक क्षमताओं के साथ जोड़ा जाएगा। अधिकारी (सीईओ) विनय प्रकाश ने कहा कि यह साझेदारी वैश्विक ऊर्जा बदलाव का समर्थन करने के लिए मजबूत तांबा आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में भारत-ऑस्ट्रेलिया सहयोग को मजबूत करेगी। ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में स्थित कैरवेल कॉपर प्रोजेक्ट को देश के सबसे बड़े अप्रयुक्त कॉपर संसाधनों में गिना जाता है। यह पर्थ से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है और इसमें 25 साल से अधिक की खदान आयु और लगभग 1.3 मिलियन टन पेएबल कॉपर का अनुमानित भंडार है।

वैश्विक वित्तीय प्रणाली में बड़े बदलाव का संकेत

डॉलर से लगातार दूरी बना रहे दुनियाभर के केंद्रीय बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक अनिश्चितता, व्यापार युद्ध और दुनियाभर में बढ़ते जोखिम के बीच सुरक्षित एसेट के रूप में सोने की कीमतों में हालिया तेजी वैश्विक वित्तीय प्रणाली में बड़े बदलाव का संकेत है। साथ ही, सोने की लगातार बढ़ती मांग राजकोषीय कमजोरियों, महंगाई के दबाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को उजागर करती है।

केयरएज रेटिंग्स ने गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा, अमेरिकी डॉलर और यूरो जैसी पारंपरिक मुद्राओं को संप्रभु जोखिम एवं संरचनात्मक कमजोरियों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्राओं के प्रति भरोसे में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं, सोना राजनीतिक रूप से तटस्थ और महंगाई प्रतिरोधी मूल्य भंडार के रूप में फिर से उभरा है।

मौजूदा वैश्विक हालात के बीच खासकर ब्रिक्स समूह के केंद्रीय बैंक अपने आधिकारिक नकदी भंडार रणनीतियों को नए

सिरे से तैयार कर रहे हैं। वे अमेरिकी डॉलर आधारित एसेट पर अपनी निर्भरता घटा रहे हैं और अपने नकदी भंडार में विविधता लाते हुए अधिक लचीला बना रहे हैं, जिसमें सोना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रणनीतिक बदलाव न सिर्फ मौद्रिक स्वायत्तता की इच्छा को दर्शाता है, बल्कि बाहरी झटकों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास का भी संकेत है। यह वैश्विक आर्थिक प्रभाव के व्यापक पुनर्संतुलन को भी दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी पिछले दो दशकों से लगातार घट रही है। 2000 में केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की हिस्सेदारी 71.1 फीसदी थी, जो 2024 में घटकर 57.8 फीसदी रह गई है। यह बताता है कि केंद्रीय बैंक डॉलर से धीरे-धीरे दूरी बना रहे हैं। केंद्रीय बैंक सक्रियता से अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहे हैं।

जनवरी, 2024 से 64 फीसदी चमका सोना

हाल के महीनों में सोने की कीमतों में भारी उछाल आया है। वैश्विक बाजार में सोना सितंबर, 2025 में औसतन 3,665 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया, जो दो साल पहले की तुलना में लगभग दोगुना है। अक्तूबर में यह 4,000 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। जनवरी, 2024 से 2025 के मध्य तक मजबूत निवेशक रुझान और केंद्रीय बैंक की खरीदारी के कारण सोने की कीमतें करीब 64 फीसदी बढ़ी हैं। भारत में सितंबर, 2025 में सोने का आयात 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो लगातार तीसरे महीने की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि त्योहारी सीजन में सोने की लगातार ऊंची कीमतों के बावजूद मजबूत घरेलू मांग की ओर इशारा करती है। परिदृश्य के बीच सोने का नया आकर्षण सिर्फ एक वस्तु के रूप में ही नहीं, बल्कि प्रमुख रणनीतिक आरक्षित एसेट के रूप में भी है।

भारत में नियामकीय अनुपालन अधिक, समाजवादी मानसिकता अब भी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने गुरुवार को भारतीय उद्यमों पर पड़ने वाले नियामक अनुपालन बोझ की ओर ध्यान दिलाया और अफसोस जताया कि देश में समाजवादी मानसिकता अब भी बरकरार है।

अमिताभ कांत ने यहां एक्सीलेंस इनेबलर्स कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, भारत का नियामक वातावरण अनुपालन का बहुत अधिक बोझ डालता है। ब्रिटिश राज की जगह कई मायनों में लाइसेंस राज ने ले ली है, और हमारी समाजवादी मानसिकता अब भी कायम है।

उन्होंने कहा कि भारत के उद्यमों को अत्यधिक विनियमन और बहुत अधिक अनुपालन बोझ से मुक्त करने की जरूरत है। पूर्व नौकरशाह ने छह वर्षों तक सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी के रूप में भी काम किया है। कांत ने विनियमनों को एक ऐसे प्रमुख क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया जिसमें परिवर्तन की आवश्यकता है, तथा उन्होंने बताया कि विनियमनों को विश्वास और पारदर्शिता के लिए ढाल के रूप में, न कि मनमाने नियंत्रण के लिए तलवार के रूप में पुनः आकार देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि विनियमन को नवाचार और रोजगार सृजन को बाधित नहीं करना चाहिए, बल्कि ऐसी भूमिका निभानी चाहिए जिससे विकास को बढ़ावा मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि विकसित भारत पहल के तहत 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद का लक्ष्य जटिल विनियमनों के साथ हासिल नहीं किया जा सकता। कांत ने अपनी मांगों को सूचीबद्ध करते हुए कहा, हमें सरकार और विनियमन की भूमिका को मूलतः नियंत्रित से सक्षम में बदलना होगा।

एलन मस्क की 1 ट्रिलियन डॉलर की सैलरी के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

रोबोट के साथ डांस कर मनाया जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ला के शेयरधारकों ने कंपनी के सीईओ एलन मस्क के लिए एक विशाल वेतन पैकेज को मंजूरी दे दी, जिसकी कीमत 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 83 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। कंपनी की वार्षिक बैठक में यह प्रस्ताव 75 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ पारित हुआ।

लक्ष्य को ध्यान में रखकर लिया गया यह फैसला

यह पैकेज मस्क को टेस्ला से लंबे समय तक जुड़े रहने और कंपनी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक्स में अग्रणी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस फैसले के आने के बाद मस्क ने कहा कि मैं सभी शेयरधारकों का दिल से धन्यवाद करता हूं, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मस्क का नाम राजनीतिक विवादों में रहा

कारोबारा के अलावा मस्क का नाम कई बार राजनीतिक विवादों में रहा है, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जैसे नेताओं के प्रति उनके समर्थन को लेकर। लेकिन यह फैसला दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा उन पर अब भी अडिग है। इस फैसले के तहत मस्क को कम से कम साढ़े सात साल तक टेस्ला से जुड़े रहना होगा। इससे कंपनी में उनकी हिस्सेदारी लगभग 12 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत तक हो सकती है। टेस्ला की चेयरपर्सन रॉबिन डेन्होम ने कहा कि मस्क को बनाए रखना कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है, और अगर उन्होंने कंपनी छोड़ी तो शेयरों में बड़ी गिरावट आ सकती है।

मस्क का क्या कहना है?

मस्क का कहना है कि अगर टेस्ला स्वचालित ड्राइविंग और एआई में अपने लक्ष्यों को हासिल कर लेती है, तो वह दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन जाएगी। इसके साथ ही मस्क ने यह संकेत दिया है कि अगर उनकी स्वामित्व हिस्सेदारी इतनी नहीं बढ़ाई गई कि वे टेस्ला के भविष्य पर अपनी इच्छानुसार प्रभाव डाल सकें, तो वे टेस्ला छोड़ सकते हैं या पीछे हट सकते हैं। रॉबिन डेन्होम ने शेयरधारकों से एलन मस्क के विशाल पे पैकेज के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा कि मस्क को बनाए रखना कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मस्क कंपनी से अलग हुए तो टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा सकती है।

शेयरधारकों का भरोसा बरकरार

टेस्ला निवेशक पहले भी मस्क के पे पैकेजों के समर्थन में मजबूती से खड़े रहे हैं। 2018 में करीब 55.8 अरब डॉलर के मुआवजा पैकेज को शेयरधारकों ने मंजूरी दी थी, हालांकि डेलावेयर कोर्ट ने उस पर कई बार रोक लगाई है। नवीनतम डेलावेयर फैसले के बाद डेन्होम और टेस्ला बोर्ड ने नई रणनीति पर काम शुरू किया। अगस्त में बोर्ड ने पहले मस्क के लिए लगभग 29 अरब डॉलर का अंतरिम पे पैकेज स्वीकृत किया और फिर हाल ही में नया, कहीं बड़ा प्रस्ताव पेश किया, जिसे इस बार शेयरधारकों ने भारी समर्थन से पास कर दिया।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता में तेजी

पीयूष गोयल बोले- बहुत जल्द समझौते को मिलेगा अंतिम रूप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने उम्मीद जाताई कि मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। गोयल न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ दोनों देशों के बीच एफटीए वार्ता की प्रगति की समीक्षा करने के लिए चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। बहुत ही जल्द एफटीए को मिलेगा अंतिम रूप गोयल ने कहा कि मेरा मानना है कि यह एक ऐतिहासिक यात्रा है, क्योंकि हम बहुत जल्द एफटीए को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान कर रहे हैं। हमारी टीमों ने शानदार काम किया है। जिन कुछ बारीकियों पर ध्यान देने की जरूरत थी, वे हमारे सामने हैं। बहुत सी चीजें, समायोजन की भावना से, बंद कर दी गई हैं। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वार्ता कल भी जारी रहेगी और उम्मीद है कि काफी काम हो जाएगा। इसलिए मुझे लगता है कि हम जल्द ही न्यूजीलैंड के साथ एफटीए कर लेंगे। पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच व्यापार में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई यह पूछे जाने पर कि क्या व्यापार समझौता वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने में मदद करेगा, जो लगभग 1.5 अरब डॉलर है, मैकक्ले ने कहा कि यह समझौता व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हमने पिछले वर्ष देखा है कि दोनों देशों के बीच व्यापार में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं के आकार को देखते हुए एक बहुत बड़ी वृद्धि है। इसलिए हम एक ऐसा समझौता करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं,

नगर निगम की दिखी लापरवाही

लाखों की ट्राई साइकिलें बनी कबाड़

लोगों में रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम के द्वारा बीते पांच माह पूर्व खरीदे गए ट्राई साईकिल अब कबाड़ बनने के कगार पर पहुंच गया है बताया जाता है कि कचरा उठाव करने को लेकर निगम के द्वारा लाखों रुपए के लागत से ट्राई साइकिल की खरीदारी किया गया था लेकिन उसका उपयोग आजतक नहीं हो पाया है।

बीते पांच माह से लगातार बारिश, धूप आदि के कारण ट्राई साइकिल पुरी तरह से खराब होने के कगार पर पहुंच गया है इसका मुख्य उदेश्य था कि प्रत्येक वार्ड जहां पर वाहन नही जा पाते है वहां पर इसके द्वारा कचरा का उठाव किया जाएगा।

इसको लेकर आम जनता में काफी आक्रोश व्याप्त हो गया है, इस मामले को लेकर भाजपा नेता सतीश शर्मा ने कचरा उठाव हेतु आदित्यपुर नगर निगम द्वारा पिछले करीब 4-5 महीने पहले खरीदे गये लाखों रुपये का ट्राई साइकिल का अभी तक उपयोग नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

सतीश शर्मा ने कहा कि महीनों पहले आदित्यपुर नगर निगम द्वारा कचरा उठाव हेतु जो लाखों रुपए खर्च कर ट्राई साइकिल खरीदी गई थी। ये ट्राई साइकिल किस मंशा से खरीदी गई थी और इसका उपयोग आज तक क्यों नहीं हुआ, ये समझ से परे है।

ये ट्राई साइकिलों की हालत खरीद समय में ही खस्ता थी। कई जगह जंग लगे हुए थे और आज महीनों से नगर निगम ऑफिस के सामने खाली पड़े भूखंड पर रखे हुए कबाड़ की स्थिति में आ गए है।

सतीश शर्मा ने कहा कि ये अति गंभीर मामला है।

लोगों का आरोप है कि जनता के पैसे की बबार्दी का हक किसी को नहीं है। आखिर किस उद्देश्य से ये ट्राई साइकिल की खरीद की गई थी और ये उद्देश्य किस कारण पूरा नहीं हुआ? जल्द ही जिले के उपायुक्त महोदय से मिलकर इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग करेंगे।

जमुई पहुंचे गृह मंत्री, मांगे वोट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज शुक्रवार को जमुई की धरती पर पहुंचे। उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। लक्ष्मीपुर में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे जमुई जिले में वोट की अपील की।

मंच पर अमित शाह के साथ उत्तर प्रदेश के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, विद्यायक शलभ मणि त्रिपाठी के अलावा जमुई, झाझा, सिकंदरा और चकाई के एनडीए प्रत्याशी मौजूद रहे। एनडीए गठबंधन इस जनसभा को चुनावी प्रचार का बड़ा अवसर मान रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज जनसभा को संबोधित किये। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है।

19 हजार वाहन मालिकों को विभाग भेजेगा नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। धनतेरस और दीपावली के मौके पर राजधानी रांची में वाहनों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री के बाद अब जिला परिवहन विभाग ने शोरूम संचालकों की लापरवाही पर सख्त रुख अपना लिया है।

त्योहार के दौरान शहर के विभिन्न शोरूम से करीब 22,500 वाहनों की बिक्री हुई थी, लेकिन इनमें से 19,300 वाहन मालिकों को अब तक रजिस्ट्रेशन कार्ड नहीं मिल सका है।

इस लापरवाही के चलते हजारों वाहन बिना कागजात के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे न केवल सड़क सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है बल्कि वाहन मालिकों को भी भारी आर्थिक जोखिम का सामना करना पड़ सकता है।

बिना रजिस्ट्रेशन कार्ड के वाहन चलाने की स्थिति में बीमा का लाभ नहीं मिलता, और पुलिस जांच के दौरान पकड़े जाने पर भारी जुमार्ना भी देना पड़ सकता है।

जिला परिवहन विभाग ने ऐसे 100 से अधिक शोरूम संचालकों की सूची तैयार की है, जिन्होंने बिक्री के बाद भी वाहन संबंधी दस्तावेज विभाग को उपलब्ध नहीं कराए हैं। अब परिवहन विभाग इन शोरूमों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। जल्द ही सभी संचालकों को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांगा जाएगा।

उधर, वाहन मालिक लगातार शोरूम के चक्कर काट रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि वाहन खरीदने के समय उन्हें पांच दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन कार्ड देने का वादा किया गया था, लेकिन अब एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही। शोरूम कर्मियों की ओर से केवल थोड़ा और इंतजार करें कहकर उन्हें टाल दिया जा रहा है।

वाहन मालिकों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर नई गाड़ी खरीदने के बाद भी उन्हें वैध दस्तावेज नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। वहीं, कई लोग बिना रजिस्ट्रेशन कार्ड के वाहन चलाने को मजबूर हैं, जिससे पुलिस जांच के दौरान दिक्कतें आ रही हैं।

परिवहन विभाग की सख्ती के बाद अब उम्मीद जताई जा रही है कि शोरूम संचालक जल्द ही लंबित दस्तावेज उपलब्ध कराएंगे। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और दोषी शोरूमों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तय है।

सीमांचल में तेजस्वी पर खूब बरसे ओवैसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बेलवा में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। ओवैसी ने कहा कि इस बार सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि सीमांचल के माहौल को बदलने के लिए उनका समर्थन करें। उन्होंने कहा कि सीमांचल के लोग आजादी के बाद से अभी तक अपने रोजगार के लिए अन्य जगहों पर पलायन कर रहे हैं, यहां के लोगों के लिए रोजगार नहीं है, जिस कारण लोग बाहर रहने को मजबूर हैं।

तेजस्वी पर तंज कसते हुए उन्होंने तेजस्वी को उम्र से कच्चा, दिमाग से बच्चा और जुबान से एक नंबर का झूठा कहा।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी ने इजहार असफी के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है, जिसका जवाब उन्हें 11 तारीख को मिलेगा। मौके पर पार्टी प्रत्याशी सरवर आलम, शम्स आगाज सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दूसरी ओर, बहादुरगंज में भी ओवैसी ने सभा को संबोधित किया। विधानसभा क्षेत्र के लोहागाड़ा हाट में ओवैसी ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें चरमपंथी कहा गया। तेजस्वी यादव मुसलमान के विरोधी हैं। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में वोट देने की अपील की।

अफ्रीका में फंसे 40 मजदूर लौटे स्वदेश, सोशल मीडिया पर लगायी थी गुहार

आठ अन्य की जल्द होगी वापसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के विष्णुगढ़, गिरिडीह और बोकारो के 48 प्रवासी श्रमिकों में से 40 श्रमिक सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। शेष 8 श्रमिकों की वापसी भी जल्द होने की संभावना है।

ज्ञात हो कि श्रमिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो जारी कर प्रदेश एवं केंद्र सरकार से अपनी सकुशल वापसी की गुहार लगाई थी। उन्होंने बताया था कि पिछले तीन माह से निर्माण एजेंसी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया, जिससे खाने-पीने में भारी परेशानी हो रही थी।

श्रमिकों की इस दयनीय स्थिति को देखते हुए उनके बकाए वेतन का भुगतान कराया गया तथा स्वदेश

वापसी के लिए हवाई टिकट भी उपलब्ध कराए गए। प्रवासी श्रमिकों की समस्या उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की थी। अली के अनुसार, पहली खेप में 31 और दूसरी खेप में 9 श्रमिक वापस लौट आए हैं। बचे हुए 8 श्रमिकों के लिए भी टिकट उपलब्ध करा दिए गए हैं और उनकी जल्द वापसी की उम्मीद है। स्वदेश लौटने वालों में धनेश्वर महतो, अनंतलाल महतो, गोविन्द महतो, जागेश्वर महतो, जगतपाल महतो, गंगाधर प्रसाद, खीरोधर महतो, कैलाश महतो, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, नीलकंठ महतो, खुबलाल महतो, संतोष महतो, सेवा महतो, नंदलाल महतो, मुरली मंडल, झंडु महतो, गुरुचरण महतो, नागेन्द्र कुमार सहित कुल 40 प्रवासी श्रमिक शामिल हैं।

दून एक्सप्रेस से 78 जीवित कछुए बरामद

लाखो में आंकी जा रही कीमत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। योग नगरी ऋषिकेश से हावड़ा जा रही दून एक्सप्रेस में शुक्रवार को धनबाद स्टेशन पर आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 78 जीवित कछुए बरामद किए। सभी कछुए महिला कोच में सीट के नीचे रखे छह थैलों में छिपाए गए थे। सूचना के आधार पर आरपीएफ की टीम ने जब ट्रेन की तलाशी ली, तो उन्हें लावारिस हालत में कपड़े के छह थैले मिले। पूछताछ में किसी भी यात्री ने थैलों पर अपना मालिकाना हक नहीं जताया।

आरपीएफ ने थैले खोलकर देखे तो उनमें जूट के बैग में छिपाए गए कछुए मिले। तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। बरामद कछुओं की अनुमानित कीमत करीब सात लाख अस्सी हजार रुपये आंकी गई है।

वन विभाग की टीम ने जांच के बाद बताया कि सभी कछुए इंडियन फ्लैपशेल प्रजाति के हैं, जो मीठे पानी में पाई जाती है और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित है।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि कछुए की तस्करी की सूचना पहले से मिली थी। आशंका है कि तस्कर महिला कोच में कछुओं को रखकर उन पर नजर रख रहे थे, ताकि मौका मिलते ही उन्हें उतराया जा सके। लेकिन आरपीएफ की सतर्कता से उनकी योजना विफल हो गई। पकड़े जाने के डर से कोई तस्कर सामने नहीं आया।

कार्रवाई में एसआई कुंदन कुमार, एएसआई जीवलाल राम, बबुलेश कुमार, सतेंद्र कुमार प्रसाद, प्रमोद कुमार और विवेक कुमार शामिल थे। आरपीएफ ने सभी कछुओं को जब्त कर वन विभाग के हवाले कर दिया है। विभाग अब यह जांच कर रहा है कि ये कछुए कहां से लाए गए और इन्हें कहां भेजा जाना था।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में फर्जीवाड़ा

आपूर्तिकर्ता स्वयं बने लाभुक, 22 सदस्यों को भी जोड़ा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। जिले में एक से बढ़कर एक कारनामा देखने को मिल रहा है।

विभिन्न विभागों घोटाले किए जा रहे हैं। गव्य विभाग घोटालों के मामले में सबसे आगे निकल गया है। विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में आपूर्तिकर्ता ने स्वयं लाभुक बनकर नया कारनामा कर दिया है।

आपूर्तिकर्ता स्वयं लाभुक बना ही साथ ही अपने परिवार के 22 सदस्यों को भी योजना का लाभ दिला दिया। मामला उजागर होने के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है।

आपूर्तिकर्ता जिले के रमना के मड़वनिया गांव निवासी उपेंद्र यादव का रहने वाला है। सभी लाभुक एक ही गांव रमना के मड़वनिया के रहनेवाले हैं। मामला योजना के तहत करोड़ों रुपए के घोटाला का है।

गव्य विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वितीय साल 2019-20, 2020-21, 2021-22 एवं 2023-24 में आपूर्तिकर्ता उपेंद्र यादव द्वारा स्वयं के नाम से चार बार, पत्नी सुषमा देवी को पांच बार, भाई महेंद्र यादव के नाम पर चार बार, भाई सुरेंद्र यादव के नाम पर तीन बार, भौजाई अनिता देवी के नाम पर दो बार, भौजाई प्रमिला देवी के नाम पर दो बार, मां कौली कुंवर के नाम पर एक बार एवं एक अन्य रिश्तेदार विजय यादव की पत्नी प्रतिमा देवी के नाम पर एक बार योजना का लाभ लिया है।

एक ही परिवार के लाभुक होने से इसमें गव्य विकास विभाग के जिला स्तर के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की मिलीभगत जाहिर हो रही है। इसमें आपूर्तिकर्ता ने विभाग की योजनाओं में अपने रिश्तेदारों का नाम डाला और फिर राशि की निकासी कर ली। जबकि सामग्री की आपूर्ति को फर्जी दिखलाया गया है।

आपूर्तिकर्ता उपेंद्र यादव की ओर से अपने रिश्तेदारों के नाम पर जिन योजनाओं का लाभ लिया गया है। उनमें दो बार पांच-पांच गाय की योजना, दो गाय की योजना, फाडर गोदाम, दो डीप बोरिंग, काउ मैट, फाडर कटिंग मशीन, पनीर खोआ मेकिंग यूनिट, जैविक खाद यूनिट, विद्युत चालित चारा मशीन, हस्त चालित चारा मशीन, मिल्किंग मशीन, वर्मी कंपोस्ट आदि योजनाओं का नाम शामिल है।

भागा-आद्रा मेमू रद्द, यात्रियों की हुई फजीहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रेलवे के आद्रा मंडल में विकास कार्य चल रहे हैं, जिसके कारण शुक्रवार को झाड़ग्राम-धनबाद मेमू केवल बोकारो तक चलेगी।

वापसी में यह ट्रेन बोकारो से झाड़ग्राम लौटेगी और बोकारो से धनबाद के बीच रद्द रहेगी। इसके अलावा, भागा-आद्रा मेमू भी दोनों दिशाओं में नौ नवंबर तक रद रहेगी।

धनबाद-झाड़ग्राम मेमू गुरुवार को कुसुंडा में ट्रैक मेंटेनेंस के काम के कारण यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी। जानकारी के अनुसार, झाड़ग्राम से धनबाद आने वाली ट्रेन लगभग दो घंटे लेट पहुंची।

वहीं, वापसी में धनबाद से झाड़ग्राम जाने वाली मेमू ट्रेन दोपहर 2:15 बजे की बजाय शाम करीब छह बजे रवाना हुई। करीब पौने चार घंटे तक धनबाद स्टेशन पर ट्रेन के पहिए थमे रहे, जिससे यात्रियों को लंबा समय स्टेशन पर इंतजार करना पड़ा।

धनबाद-हावड़ा रेल मार्ग पर दुगार्पुर स्टेशन पर प्री नान इंटरलाकिंग कार्य के कारण शताब्दी एक्सप्रेस भी प्रभावित रही। हावड़ा से ढाई घंटे विलंब से रवाना हुई शताब्दी एक्सप्रेस धनबाद लेट पहुंची। वहीं, वापसी में रांची से दो घंटे 50 मिनट लेट होकर खुलने के बाद यह ट्रेन धनबाद दो घंटे 19 मिनट की देरी से पहुंची।

रेल यात्रियों ने लंबी देरी और असुविधा को लेकर अपनी नाराजगी जताई। यात्रियों का कहना है कि नियमित ट्रैक वर्क और इंटरलाकिंग कार्यों की जानकारी पहले दी जानी चाहिए, ताकि वे यात्रा की योजना बदल सकें।

रेल प्रशासन ने कहा कि ट्रैक मेंटेनेंस और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये कार्य आवश्यक हैं और यात्रियों से असुविधा के लिए क्षमा याचना की है। प्रशासन ने आगे भी यात्रियों से सहयोग की अपील की है और विलंब से संबंधित जानकारी समय-समय पर अपडेट करने का भरोसा दिया।

डीसी ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने गिरिडीह प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण शुक्रवार को किया।

उपायुक्त के निरीक्षण को स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों के रूप में देखा जा रहा है। झारखंड में जल्द ही नगर निगम के चुनाव होने हैं। उन्होंने ईवीएम वेयर हाउस की विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उपायुक्त ने सीसीटीवी व अन्य उपकरणों की स्थिति और रखरखाव का जायजा लिया।

सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने परिसर का अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, बीयू हाल, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जेनरेटर रूम, तैनात सुरक्षा बलों के लाग बुक, अग्निशमन यंत्र सहित अन्य व्यवस्थाओं आदि का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य और दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया।

मॉल में घुसा बंदर, मचा हड़कम्प

छह दिनों में 56 को किया जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कोयलांचल में इन दिनों एक अनोखा आतंक देखने को मिल रहा है- न गोली, न बारूद... बल्कि बंदरों का हमला! धनबाद शहर के प्रभातम माल और आसपास के इलाकों में दो बंदरों ने ऐसा उत्पात मचाया है कि लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

पिछले छह दिनों में ये शरारती बंदर 56 लोगों को काट चुके हैं। हर दिन औसतन आठ से दस लोग इनके शिकार बन रहे हैं। ये बंदर माल के अंदर पहुंच जा रहे हैं और उधम मचा रहे हैं। बंदरों की करतूत से परेशान लोग अब माल में घूमने से भी डर रहे हैं।

गुरुवार को जब वन विभाग की टीम उन्हें पकड़ने पहुंची, तो बंदरों ने उस पर भी धावा बोल दिया। नतीजा-चार कर्मचारी जख्मी होकर अस्पताल पहुंचे। फिलहाल बंदर एक जगह टिक नहीं रहे, वे एक मोहल्ले से दूसरे मोहल्ले में कूद-फांद कर भाग रहे हैं और पूरे इलाके में खौफ का माहौल है।

इधर, बंदर आतंक के बीच धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कालेज अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आई है। अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन का स्टाक खत्म हो गया है। गुरुवार को बंदर के काटे गए आठ लोग टीका लगवाने पहुंचे, लेकिन उन्हें लौटा दिया गया।

मेडिकल कालेज ने वैक्सीन के लिए सदर अस्पताल से मदद मांगी, पर वहां भी केवल 250 डोज बची हैं। बताया जा रहा है कि वैक्सीन की नई खेप रांची से आने में कम से कम 10 से 15 दिन लगेंगे, क्योंकि अस्पताल का वैक्सीन टेंडर अब तक पूरा नहीं हुआ है।

उधर, गिरिडीह जिले में जंगली जानवरों का कहर जारी है। बिरनी प्रखंड की 48 वर्षीय बुदिया देवी पर सियारों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे उनका चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन वहां भी वैक्सीन की कमी ने हालात बिगाड़ दिए हैं।

धनबाद और गिरिडीह में इन घटनाओं से हड़कंप मचा हुआ है। एक ओर बंदरों और सियारों का बढ़ता आतंक, दूसरी ओर वैक्सीन की कमी-दोनों ने मिलकर लोगों को दहशत में डाल दिया है। अब लोगों की एक ही मांग है- पहले बंदर पकड़ो, फिर वैक्सीन भेजो!

बिहार में बंपर वोटिंग में रेलवे की अहम भूमिका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विधानसभा चुनाव-2025 में देश की आजादी के उपरांत रिकॉर्ड 64.69 प्रतिशत वोटिंग के पीछे प्रवासी मतदाताओं की बड़ी भूमिका रही। रेलवे का दावा इसके पीछे बड़ा आधार है। रेलवे ने 13 हजार से अधिक ट्रेन से तीन करोड़ से अधिक लोगों के लिए बिहार आने एवं लौटने के लिए विशेष प्रबंध किया।

यही नहीं, आने एवं जाने के यात्रा टिकट में 20 प्रतिशत छूट की अहम भूमिका राजनीतिक जानकार बता रहे हैं। इसके साथ ही बिहार राज्य परिवहन निगम की बसें भी किराया में 20 से 30 प्रतिशत की छूट के साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा एवं अन्य राज्यों के चलाई गई। सरकार ने मतदान को ध्यान में रखते हुए बसों में 20 सितंबर से 30 नवंबर यानि दशहरा, दीपावली एवं छठ जैसे प्रमुख त्यौहारों के साथ ही शादी जैसे अवसर को देखते हुए रियायती दर टिकट ऑनलाइन उपलब्ध कराने का प्रविधान किया गया। रेलवे एवं परिवहन विभाग की ओर से इसके लिए विशेष प्रचार-प्रसार का भी प्रबंध किया।

उल्लेखनीय है कि बिहार की जाति आधारित गणना 2022-23 के अनुसार, लगभग 60 लाख लोग राज्य से बाहर अस्थायी रूप रहते हैं। हालांकि, अपुष्ट रिपोर्टों में यह संख्या एक से तीन करोड़ के बीच बताई जा रही है।

संयोग से, चुनाव आयोग के अनुसार, प्रारूप मतदाता सूची में 21.53 लाख पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ा गया था। ऐसे में यह निश्चित है कि उनमें से शायद ही कोई प्रवासी होंगे। उधर, 69 लाख 30 हजार मतदाताओं के नाम हटने से भी मतदाता सूची की शुद्धता बढ़ी। इसके साथ ही सात लाख से अधिक मतदाता दोहरी प्रविष्टी के कारण बाहर हुए थे।

सरकार की पहल पर रेलवे ने छठ पूजा के अवसर पर बिहार आने-जाने वालों के लिए राउंड ट्रिप टिकट पर 20 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की थी। यह छूट उन यात्रियों को मिलेगी जो 13 से 26 अक्टूबर के बीच बिहार आने एवं 17 नवंबर से पहली दिसंबर के बीच लौटने वाली यात्रा का टिकट एक साथ बुक किया।

हालांकि, यह सुविधा सभी ट्रेनों में नहीं दी गई। यह योजना उन यात्रियों के लिए थी जो एक ही ट्रेन और एक ही श्रेणी में आने-जाने दोनों का टिकट एक साथ बुक किया।

बिहार आने का 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर के बीच लिया। वापसी की यात्रा टिकट 17 नवंबर से पहली दिसंबर के बीच बनाया। वहीं, यह छूट वंदे भारत, राजधानी, दुरंतो जैसी चुनिंदा ट्रेनों में लागू नहीं किया गया। चुनाव आयोग की ओर से मतदाता जागरूकता तो राजनीतिक दल प्रशांत किशोर की पदयात्रा, राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा एवं एनडीए की ओर से विधानसभावार कार्यकर्ता सम्मेलन जैसे अभियान की भी बड़ी भूमिका राजनीतिक जानकार गिना रहे हैं।

नौकरी दिलाने के नाम पर 117 लोगों से ठगी

जामताड़ा। नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एनजीओ संचालक को एसडीओ अनंत कुमार ने पकड़ कर थाना को सौंप दिया है। इस मामले में जामताड़ा अंचलाधिकारी अवीश्वर मुर्मू के बयान पर जामताड़ा थाना में प्राथमिकी की जा रही हैं। आरोपित का नाम धीरज कुमार गुप्ता है जो बिहार के गोपालगंज का रहने वाला बताया जा रहा है। एसडीओ अनंत कुमार ने बताया कि आरोपित द्वारा जो कागजात दिया गया है उसमें कहीं भी यह जिक्र नहीं है कि पैसा लेकर नौकरी दिया जाए या फिर नौकरी देने के लिए परीक्षा लिया जाए। संस्था ने 117 लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर 31000 प्रति व्यक्ति से लेने की बात कही गई है। बताया कि संस्था का नाम लाइफ चाइल्ड एजुकेशन वेलफेयर है। कोर्ट मोड़ पर मंडल मिट दुकान के पीछे एक निजी घर में संचालित किया जा है। कार्यालय की सील कर दिया गया है।

मारपीट मामले में भाजपा नेता को हाईकोर्ट ने दी जमानत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट से भाजपा नेता भैरव सिंह को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट के जस्टिस अंबुज नाथ की अदालत ने मारपीट के एक मामले में उन्हें जमानत प्रदान कर दी है।

अदालत ने 20-20 हजार के निजी मुचलके पर जमानत प्रदान करने का निर्देश दिया है।

मामले में निचली अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। भैरव सिंह अब जेल से बाहर निकल जाएंगे।

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अभय कुमार मिश्रा ने अदालत को बताया कि पुलिस ने उन्हें संविधान के अनुच्छेद 22(1) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 47 का उल्लंघन करते हुए गिरफ्तार किया है, क्योंकि उन्हें गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया।

भैरव सिंह को 19 जुलाई को चुटिया थाना में दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 मई को स्मार्ट बाजार पार्किंग में एक व्यक्ति की पिटाई की और उसे धमकाया। इंज्यूरी रिपोर्ट में हल्के-फुल्के चोट की बात कही गई है, लेकिन पुलिस ने जानलेवा हमले की धारा लगा दी है। दावा किया गया है कि गिरफ्तारी के समय पुलिस ने भैरव सिंह या उनके परिवार को गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया, जो कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने संवैधानिक प्रविधानों का पालन नहीं किया और न ही गिरफ्तारी का वारंट या नोटिस जारी किया।

भैरव सिंह का दावा है कि घटना के समय वह अपने घर पर थे और इसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से हो सकती है। उन्होंने 31 मई को पुलिस को इसकी जानकारी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

टीम में जगह न मिलने का पछतावा नहीं: सुनील छेत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कहा है कि एशियाई कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के संभावितों में शामिल न होने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। छेत्री ने कहा है कि मैं फुटबॉल में इतने लंबे समय से हूं कि मुझे पता था कि ऐसा हो सकता है। मुझे इस बात का मलाल है कि भारत 2027 एशियाई कप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। हम ऐसी टीम नहीं हैं जो बस आकर जीत जाए। हमें कड़ी मेहनत करनी होगी, गति चाहिए, और चीजें हमारे अनुकूल होनी चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा कि इसीलिए हम क्वालीफाई नहीं कर पाए, लेकिन इससे मदद मिलती। भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने बुधवार

को संभावित 23 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। इसमें पूर्व कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री का नाम नहीं था। सुनील छेत्री ने मार्च 2025 में संन्यास से वापसी करते हुए एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर खेलने की इच्छा जाहिर की थी। उनका नाम फीफा अंतर्राष्ट्रीय विंडो के 30 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया था, लेकिन 23 खिलाड़ियों की सूची से उन्हें बाहर कर दिया गया है। तीन एएफसी एशियाई कप खेलने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हाल में संपन्न सीएएफए नेशंस कप का भी हिस्सा नहीं थे। छेत्री भारत के सफलतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी चौथे नंबर पर हैं और 157 मैचों में 95 गोल कर चुके हैं। वे रोनाल्डो, मेसी और अली देई से पीछे हैं। छेत्री का अंतर्राष्ट्रीय करियर अब समाप्त माना जा रहा है।

फिडे विश्व कप

विदित ने फॉस्टिनो ओरो को हराया, प्रणव और प्रणेश ने तीसरे राउंड में जगह बनाई

पणजी, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना के कम उम्र के खिलाड़ी फॉस्टिनो ओरो के खिलाफ जीत हासिल की। प्रणव वी और प्रणेश एम ने भी विश्व कप के तीसरे मैच में दौर में जगह बना ली है। 12 साल के ओरो ने विदित गुजराती पर दो क्लासिकल गेम्स में दबाव बनाया था। लेकिन, आखिरकार विदित का अनुभव उनके काम आया और काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दूसरे रैपिड गेम को 52 चालों में जीता। जीत के बाद विदित गुजराती ने फॉस्टिनो ओरो की तारीफ करते हुए कहा, 'यह मैच आसान नहीं था। युवा खिलाड़ी शतरंज बहुत अलग तरीके से खेलते हैं क्योंकि वे कंप्यूटर के साथ

बड़े हुए हैं। उनके पास पुरानी पीढ़ी से ज्यादा अनुभव है। 12 साल का ओरो करिश्माई है। उसके जैसा खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। उसके खिलाफ जीत दर्ज करते हुए अगले राउंड में जगह बनाना अच्छा लग रहा है।' विदित अगले राउंड में अमेरिका के सैम शैंकलैंड से भिड़ेंगे। प्रणव ने नॉर्वे के आर्यन तारी के खिलाफ पहले रैपिड गेम को 44 चालों में जीत लिया। यह रूक-पॉन एंडिंग था। दूसरे गेम में काले मोहरों से उन्होंने नॉर्वेजियन खिलाड़ी से ड्रॉ खेला और आगे बढ़ गए। अगले राउंड में प्रणव लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस से खेलेंगे। जीत के बाद प्रणव ने कहा कि मैंने पहले के मुकाबलों के बारे में न सोचते हुए सिर्फ अपना गेम खेला। मेरी तैयारी काम आई और मैं जीतने में सफल रहा। वहीं प्रणेश ने कोलार्स के खिलाफ काले मोहरों से खेले गए मैच में 48 चालों में जीत हासिल की। अगले दौर में उनका मुकाबला जर्मनी के जीएम विंसेंट कीमर से होगा। अमेरिका के 10वीं सीड ग्रैंडमास्टर हंस नीमैन को इटली के लोरेंजो लोदिसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हंस नीमैन का बाहर होना चौंकाने वाला है।

पैरा तीरंदाज

शीतल देवी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया

भारत की एशिया कप सक्षम टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर के 60 से ज्यादा सक्षम तीरंदाजों के बीच समान परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए जम्मू-कश्मीर की 18 वर्षीय तीरंदाज शीतल सोनीपत में हुए चार दिवसीय राष्ट्रीय चयन ट्रायल में तीसरे स्थान पर रहीं। जन्म से ही भुजाहीन पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने गुरुवार को एक और उपलब्धि हासिल करते हुए जेद्दा में होने वाले आगामी एशिया कप चरण तीन के लिए भारत की सक्षम जूनियर टीम में जगह बनाई। विश्व कंपाउंड चैंपियन शीतल के लिए एक सक्षम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में शामिल होना एक और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

'मेरा एक छोटा सा सपना था...'

शीतल ने टीम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 'जब मैंने प्रतिस्पर्धा शुरू की थी तो मेरा एक छोटा सा सपना एक दिन सक्षम तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा करना था। शुरुआत में मैं इसमें सफल नहीं हो पाई, लेकिन मैं हर असफलता से सीखते हुए आगे बढ़ती रही। आज वह सपना एक कदम और करीब आ गया है।'

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

निर्णायक टी20 मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज़ का अंतिम और पाँचवाँ मुकाबला शनिवार को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। भारत अगुवाई में टीम इस दौरे का समापन शानदार जीत से करना चाहेगी। टीम का फोकस अपनी बल्लेबाज़ी कमजोरियों को सुधारने और लय में

2-1 की बढ़त के साथ पहले ही सीरीज़ अपने पक्ष में कर चुका है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की लौटने पर रहेगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की कोशिश स्पिनरों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर प्रतिष्ठा बचाने की होगी।

- **भारत का लक्ष्य - बल्लेबाजी में सुधार और दमदार समापन-** भारत इस टी20 सीरीज़ में 2-1 से आगे है और 17 साल से ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज़ न हारने की परंपरा को कायम रखा है। अब टीम का लक्ष्य शानदार जीत के साथ इस दौरे को समाप्त करना है। पिछले मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत के बावजूद बीच ओवरों में तेज़ी से विकेट गंवाए।
- **शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव से बड़ी पारी की उम्मीद-** शुभमन गिल पिछले सात मैचों में अर्धशतक नहीं बना पाए हैं। हालांकि पिछले मैच में उनकी 46 रनों की पारी ने उम्मीदें जगाई थीं। वे एक बार फिर टीम प्रबंधन का भरोसा जीतने के लिए शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। सूर्यकुमार यादव ने पूरी सीरीज़ में स्थिर प्रदर्शन किया है, लेकिन वे भी बड़ी पारी खेलने में संघर्ष कर रहे हैं।
- **गेंदबाजी में स्थिरता और स्पिनरों का जलवा-** गेंदबाज़ी विभाग में अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह की जोड़ी एक बार फिर टीम की ताकत बनी हुई है। अर्शदीप ने पिछले मैच में चार विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की थी। स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में तीन विकेट झटके, जबकि दुबे ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार योगदान दिया।
- **ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौती - स्पिन और स्थिरता-** ऑस्ट्रेलिया की टीम भारतीय स्पिनरों के सामने संघर्ष कर रही है। ट्रैविस हेड की अनुपस्थिति ने टीम को कमजोर किया है, जबकि मिशेल मार्श, मार्कस स्टोइनिस और टिम डेविड पर अब तक पूरी जिम्मेदारी रही है। मैथ्यू शॉर्ट को शीर्ष क्रम में मौका मिलने की संभावना है। गेंदबाजी में जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी ने असर डाला है। एडम जम्पा और नाथन एलिस ही लगातार असरदार साबित हुए हैं, जबकि बेन ड्वारशुइस एक भी विकेट नहीं ले सके।

मध्यक्रम और निचले क्रम पर भी निगाहें

तिलक वर्मा और जितेश शर्मा के लिए यह मैच अहम होगा। तिलक हालिया मैचों में लगातार असफल रहे हैं, जबकि जितेश पर संजू सैमसन से बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। अभिषेक शर्मा ने पिछले मैच में तेज़ अर्धशतक लगाकर शीर्ष क्रम को मजबूती दी है। वहीं, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे ऑलराउंडर टीम की गहराई को बढ़ा रहे हैं। पिछले मैच में अक्षर ने मात्र 11 गेंदों पर 21 रन बनाए थे, जो टीम के लिए निर्णायक साबित हुए।

जेमिमा रोड्रिग्स ने ऐतिहासिक महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप 2025 से पहले टीम इंडिया का बढ़ाया उत्साह

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले महिला टी20 विश्व कप दृष्टिबाधित क्रिकेट 2025 की उल्टी गिनती शुरू होते ही अपनी गतिशील बल्लेबाजी, जीवंत ऊर्जा और आकर्षक मुस्कान के लिए प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम इंडिया दृष्टिबाधित क्रिकेट की लड़कियों को प्रोत्साहन का एक मार्मिक संदेश दिया है। जेमिमा ने अपने विशिष्ट हंसमुख अंदाज में

कहा, जैसा कि भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) की एक प्रेस विज्ञप्ति में उद्धृत किया गया है, 'आप सभी को विश्व कप के लिए शुभकामनाएं। मैं आप सभी का उत्साहवर्धन कर रही हूं, ठीक वैसे ही जैसे आप सभी ने हमारा उत्साहवर्धन किया था। विश्व कप घर ले आइए और फिर हम साथ मिलकर जश्न मनाएंगे।' आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत की शानदार जीत के कुछ ही दिनों बाद आए उनके इस गर्मजोशी भरे संदेश ने प्रशंसकों और खिलाड़ियों, दोनों को प्रभावित किया है। यह संदेश भारत की मुख्यधारा की महिला क्रिकेटरों और टीम इंडिया दृष्टिबाधित क्रिकेट की लड़कियों के बीच गहरी एकजुटता और आपसी सम्मान को दर्शाता है जो देश का प्रतिनिधित्व करने के जुनून, दृढ़ता और गर्व से एकजुट हैं। सीएबीआई द्वारा समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के सहयोग से आयोजित पहला महिला टी20 विश्व कप दृष्टिबाधित क्रिकेट 2025 तीन दिन बाद 11 नवंबर को मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली में शुरू होने वाला है।

भारतीय टीम

- **बी1 श्रेणी :** सिमु दास, पी. करुणा कुमारी, अनु कुमारी, जमुना रानी टुडू, काव्या वी
- **बी2 श्रेणी :** अनेका देवी, बसंती हंसदा, सिमरनजीत कौर, सुनीता सराठे, पार्वती मरांडी
- **बी3 श्रेणी :** दीपिका टी सी (कप्तान), फूला सोरेन, गंगा एस कदम (उप-कप्तान), काव्या एन आर, सुषमा पटेल, दुर्गा येवले

गुजरात ने लॉरा और यूपी ने दीप्ति को किया रिलीज

डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले ये खिलाड़ी हुए रिटेन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात जायंट्स ने लॉरा वुलफार्ट को रिटेन न करने का बड़ा फैसला लिया है क्योंकि सभी 5 टीमों ने डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने की पुष्टि कर दी है। वुलफार्ट हाल ही में संपन्न हुए एकदिवसीय विश्व कप में शीर्ष स्कोरर रहीं और दक्षिण अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन नियमों के अनुसार केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को ही रिटेन किया जा सकता है, इसलिए जायंट्स ने बेथ मूनी और एश्ले गाडर्नर की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को चुना। रिपोर्ट के अनुसार वुलफार्ट के अलावा, एक और बड़ा नाम जिसे रिटेन नहीं किया गया है, वह हैं भारत की शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा। विश्व कप विजेता ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। दीप्ति ने 2024 में डब्ल्यूपीएल में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी जीता था। उम्मीद के मुताबिक, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी अन्य बड़ी भारतीय स्टार खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची

● **मुंबई इंडियंस :** हरमनप्रीत कौर, अमनजोत कौर, हेली मैथ्यूज, नैट-स्किवर ब्रंट, जी. कमलिनी ● **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु :** स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी, श्रेयंका पाटिल ● **गुजरात जायंट्स :** एश्ले गाडर्नर, बेथ मूनी यूपी वारियर्स : श्वेता सहरावत ● **दिल्ली कैपिटल्स :** एनाबेल सदरलैंड, मारिजान काप, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, निकी प्रसाद

इस बार मिलेगी ट्रॉफी? PAK से तकरार

एक और एशिया कप के लिए टीम इंडिया तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप टी-20 का खिताब जीते एक महीना बीत चुका है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि विजेता ट्रॉफी अब तक भारतीय टीम के पास नहीं पहुंची. न कोई ट्रॉफी प्रेजेंटेशन, न कोई समापन. यह जीत अधूरी-सी लगती है. और अब जब बीसीसीआई ने राइजिंग स्टार एशिया कप में भागीदारी की पुष्टि कर दी है, तो कहानी का नया अध्याय शुरू हो गया है. पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से लौटने वाली है, मगर एशियन क्रिकेट काउंसिल की कार्यशैली पर सवाल अब भी जस के तस हैं. एशिया कप दरअसल अपनी सबसे अहम घड़ी 'ट्रॉफी मोमेंट' तक पहुंच ही नहीं पाया..यह एक ऐसा अभियान था जो भारत के लिए स्पष्ट और योग्य जीत के साथ खत्म होना चाहिए था, लेकिन यह बयानों, पलट बयानों और कूटनीतिक उलझनों में फंस गया. फिर भी, बीसीसीआई ने बिना किसी हिचकिचाहट के एक और टीम को भेजने की तैयारी शुरू कर दी है, एक और टूर्नामेंट में... वह भी पाकिस्तान की मौजूदगी वाले. इस बार यह फैसला महज एक क्रिकेटीय सिलसिला नहीं लगता, बल्कि भारत का संयम, नियंत्रण और आत्मविश्वास जताने का संकेत लगता है. हाल ही में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में पाकिस्तान से तीन बार मुकाबला किया- ग्रुप स्टेज, सुपर-फोर और फाइनल में. मैदान पर मुकाबला तीखा था, लेकिन क्रिकेट के इर्द-गिर्द राजनीतिक रंग और भावनात्मक गर्माहट ज्यादा दिखाई दी. सबसे बल्कि सम्मान, पारदर्शिता और मंशा पर भी सवाल उठ गए. आईसीसी को दखल देना पड़ा. दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर जुर्माना लगा, चेतावनी दी गई और

चर्चित क्षण वह था जब एसीसी चेयरमैन और पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत को ट्रॉफी देने से इनकार कर दिया. यह कदम न सिर्फ माहौल बिगाड़ गया, डिमेरिट पॉइंट दिए गए. पर इन सजाओं से भी असल मुद्दा नहीं सुलझा. ट्रॉफी अब भी एसीसी के पास है- ना लौटाई गई, ना सौंपी गई.

मंधाना ICC प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

वोल्वार्ट और गार्डनर से कम्पीट करेंगी; विमेंस वर्ल्डकप में भारत की टॉप स्कोरर रहीं

दुबई, एजेंसी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली स्मृति मंधाना को ढ्ढष्ट के बेस्ट प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट किया गया है। 29 साल की मंधाना ने 2 नवंबर को समाप्त हुए टूर्नामेंट में 434 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन की मदद से भारतीय टीम साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराते हुए पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। अक्टूबर महीने के नॉमिनेशन में भारतीय उपकप्तान मंधाना के अलावा, साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर भी शामिल हैं। मंधाना ने अहम मौकों पर रन बनाए मंधाना ने टॉप ऑर्डर में भारतीय बैटिंग को लीड किया। उन्होंने वर्ल्ड कप में प्रतिका रावल के साथ कई ओपनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 80 रन की और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 88 रन की आक्रामक पारी खेली। हालांकि, इन दोनों मैचों में भारती टीम हार गई। मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो के मैच में 109 रन की पारी खेली। उन्होंने प्रतिका के साथ 212 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 45 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत कराई और शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी निभाई।

पाकिस्तानी गेंदबाजों पर बरपा डीकॉक का कहर

टूट गया एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल, रिकी पोंटिंग का यह रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में क्या खूब वापसी की। पहले मैच में मिली हार के बाद प्रोटियाज ने पाकिस्तान को उनके घर में 8 विकेट से हरा दिया और सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। इस मैच में पाकिस्तान का स्कोर खराब नहीं था और इस टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 269 रन बनाए थे। हालांकि इसके बाद साउथ अफ्रीका के ओपनर क्विंटन डीकॉक ने नाबाद 123 रन की पारी खेली और अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। डीकॉक ने अपनी पारी के दौरान 119 गेंदों का सामना किया और 7 छक्के और 8 चौके भी जड़े। डीकॉक ने तबीयत से पाकिस्तानी गेंदबाजों की कुटाई की और कई दिग्गजों को पीछे छोड़ने का कमाल किया। पाकिस्तान में ये डीकॉक का पहला वनडे शतक रहा साथ ही ये उनके वनडे करियर का 22वां शतक भी था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एयरपोर्ट पर एटीसी सिस्टम में खराबी, 100 से ज्यादा फ्लाइट लेट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एयर ट्रैफिक कंट्रोल में दिक्कत आ गई। एटीसी सिस्टम में समस्या की वजह से उड़ानों की आवाजाही में देरी हो रही है। दिल्ली में 100 से ज्यादा उड़ानों में देर हो चुकी है और हजारों यात्री परेशान हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी दिक्कत की वजह से आइजीआइ एयरपोर्ट पर विमान संचालन में देरी हो रही है। समस्या को दूर करने के लिए टीमें सक्रियता से काम कर रही हैं। असुविधा के लिए खेद जाहिर करते हुए यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने एयरलाइंस के साथ संपर्क में रहे। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से बताया गया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन में देरी हो रही है क्योंकि ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में तकनीकी समस्या आ गई है। कंट्रोलर फिलहाल फ्लाइट प्लान्स को मैन्युअली प्रोसेस कर रहे हैं, जिससे कुछ देरी हो रही है। तकनीकी टीमें सिस्टम को जल्द से जल्द बहाल करने पर काम कर रही हैं। विमानन कंपनी इंडिगो की ओर से एक्स पर बताया गया कि एटीसी सिस्टम में तकनीकी दिक्कत की वजह से विमान संचालन में देरी हो रही है। कंपनी ने बताया कि दिल्ली के अलावा कई उत्तरी भारत के कई एयरपोर्ट पर असर हुआ है। इंडिगो ने कहा कि जमीन पर मौजूद और सवार हो चुके यात्रियों को अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। विमानन कंपनी ने कहा कि क्रू और ग्राउंड टीम यात्रियों की मदद कर रही है। इसी तरह एयर इंडिया ने भी अपने ग्राहकों को तकनीकी दिक्कत की जानकारी देते हुए बताया कि है कि सभी विमानन कंपनियों की फ्लाट्स में देरी हो रही है। यात्रियों को एयरपोर्ट पर और विमान में सवार होने के बाद काफी इंतजार करना पड़ रहा है। कंपनी ने यात्रियों को सलाह दी है कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेट्स चेक कर लें।

ट्रेन टिकट देकर भाजपा ने अपने वोटर्स को भेजा बिहार, इसलिए इतनी बंपर वोटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग को राजनीतिक दल अलग-अलग चश्मे से देख रहे हैं। कोई इसे सरकार के पक्ष में जनता का समर्थन बता रहा है तो किसी को बदलाव की बयार दिख रही है। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने इसमें एक नया एंगल जोड़ दिया है। पार्टी ने इसे वोट चोरी का दूसरा हिस्सा बताते हुए कहा है कि भाजपा ने अपने वोटर्स को टिकट देकर दूसरे शहरों से बिहार भेजा, इसी वजह से 75 साल में सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक यूट्यूब वीडियो के सहारे दावा किया कि लाखों वोटर्स को भाजपा ने अलग-अलग शहरों से बिहार भेजा था। उन्होंने जिस वीडियो को शेयर किया है उसमें कुछ लोग गले में भाजपा का पटका लटकाए दिख रहे हैं। वह कहते हैं कि वोट देने के लिए बिहार जा रहे हैं और टिकट की व्यवस्था भाजपा की ओर से की गई है। बताया गया कि हरियाणा के करनाल से भाजपा ने वोटर्स को बिहार भेजा था। भारद्वाज ने वीडियो के साथ लिखा, भाजपा के करनाल के जिला अध्यक्ष स्टेशन पर मौजूद हैं। भाजपा ने संगठित तरीके से वोटरों को चिन्हित किया। स्ट्रक्र में भाजपा के द्वारा चिन्हित वोटरों की वोट नहीं काटी गई। फिर लाखों तादाद में वोटरों को अलग अलग शहरों से चुनाव से पहले बिहार भेजा गया। ट्रेन की टिकट आदि सारे इंतजाम भाजपा ने किए। इस तरीके से बिहार की वोटिंग 75 साल के सबसे ऐतिहासिक स्तर पर पहुंची। बिहार विधानसभा के लिए पहले चरण के मतदान में गुरुवार को 3.75 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 64.66 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

दिल्ली की जहरीली हवा से बचने का सस्ता जुगाड़

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली-एनसीआर की एयर क्वालिटी बुरी तरह से खराब हो चुकी है। एक्यूआई 400 के पार जा रहा है और आम लोग मास्क पहन कर भी पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति में जब घर से बाहर निकलना हो, तब सिर्फ सामान्य सर्जिकल या कपड़े के मास्क पर्याप्त नहीं होते। अब बाजार में बजट में ऐसे ऑप्शन आ गए हैं, जिन्हें सामान्य मास्क की तरह पहनने के साथ वियरेबल एयर प्यूरिफायर यानी पहनने योग्य एयर प्यूरिफायर मास्क कहा जा सकता है। इनमें फैन-पावर्ड और एचइपीए-फिल्टर वाले विकल्प मिल रहे हैं, जिनकी कीमत 1000 रुपये के अंदर है। यह एक रीयूजेबल मिड-फेस हाफ-फेस रेस्पिरेटर है जिसमें दो 3एम 6003 ऑर्गेनिक वाष्प गैस कार्ट्रिज शामिल हैं। मान्यता प्राप्त मास्क है, जिसमें ड्यूल-फिल्टर डिज़ाइन है जिससे सांस लेने का प्रतिरोध कम होता है। इसका हेड-हैरनेस क्रैडल सस्पेंशन, सॉफ्ट एडजस्टेबल स्ट्रैप्स और हल्के वजन का निर्माण इसे पहनने में सहज बनाते हैं। और ए1पी2 ग्रेड का ड्यूल फिल्ट्रेशन सिस्टम पेश करता है, जो कार्बनिक गैसों व वाष्पों को फिल्टर करने के साथ कम-से-कम 95 प्रतिशत एयरबोर्न पार्टिकल्स को हटाने की क्षमता रखता है। इसके हल्के निर्माण, एडजस्टेबल स्ट्रैप्स और सॉफ्ट मटेरियल इसे लंबे समय तक पहनने के लिए उपयुक्त बनाते हैं। यह एक प्रोफेशनल-स्तर का गैस मास्क है, जो खतरनाक पार्टिकल्स, गैसों और वाष्पों वाले वातावरण में सांस लेने की बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। इसमें हाई-एफिशिएंसी फिल्ट्रेशन सिस्टम है जो कई विषाक्त पदार्थों को ब्लॉक करता है। साइड-माउंटेड फिल्टर कार्ट्रिज वज़न को समान रूप से बांटते हैं, जिससे पहनने में आराम और बेहतर विज़िबिलिटी मिलती है। मास्क के साथ रिप्लेसमेंट फिल्टर पैड्स भी दिए गए हैं, जो पूरा प्रोटेक्शन किट देता है। यह मास्क मुख्य रूप से धूल, फाइन पाउडर्स और हानिकारक वेपर्स के खिलाफ सुरक्षा देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें ड्यूल-कार्ट्रिज सिस्टम है जिसमें एक्टिवेटेड कार्बन फिल्टर्स हैं जिन्हें जरूरत के अनुसार बदलने की सुविधा है। यह एक हाफ-फेस मास्क है जिसमें वी-7800 एबीईके1 पी2आर मल्टीगैस रीयूजेबल फिल्टर कार्ट्रिज शामिल हैं।

बर्फीली हवाएं बढ़ा रहीं ठिठुरन, सीजन की सबसे ठंडी रात

शहर के अलग-अलग इलाकों में तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बुधवार-गुरुवार की रात सर्दियों की पहली ठंडक महसूस हुई। न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरकर 12.7 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, यह सामान्य से तीन डिग्री कम है और पिछले दिन के मुकाबले करीब छह डिग्री की गिरावट है। आईएमडी ने बताया कि हिमालय की बर्फीली चोटियों से उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाएं और साफ आसमान इस गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। दिन में जमीन गर्म होती है, लेकिन रात में गर्मी आसमान में निकल जाती है। रविवार तक पारा 1-2 डिग्री और गिर सकता है। सोमवार को यह 10 डिग्री से नीचे जा सकता है। सफदरजंग का तापमान दिल्ली का औसत माना जाता है। लेकिन शहर के अन्य हिस्सों में ठंड और ज्यादा थी। आया नगर में न्यूनतम 11.4 डिग्रीदर्ज हुआ। लोधी रोड पर 12डिग्री और पालम में 12.5डिग्री रहा। सफदरजंग में आमतौर पर अक्टूबर के अंत तक पारा 15 डिग्री से नीचे चला जाता है। इस बार यह थोड़ा देर से हुआ। इस सीजन में अब तक सबसे कम तापमान 26 अक्टूबर को 15.8डिग्री था। नवंबर के अंत तक पारा आमतौर पर 10 डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। पिछले साल नवंबर में सबसे कम 9.5डिग्री (29 नवंबर), 2023 में 9.2डिग्री (23 नवंबर) और 2022 में 7.3डिग्री (29 नवंबर) दर्ज हुआ था।

आनंद विहार की सांसें होंगी आसान!

एमसीडी का मेगा प्लान, जो प्रदूषण और जाम को देगा मात

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली का आनंद विहार ट्रैफिक जाम और धुंए का पर्याय बन चुका है। इस इलाके से निकलना मुश्किल हो जाता है। ट्रेन पकड़ने जाने वाले लोग एक्स्ट्रा समय लेकर घर से निकलते हैं। यहां सड़क पर इधर-उधर खड़ी बसें, उड़ती धूल और गुस्से में हॉर्न बजाते लोग.. ये नजारा आम है। लेकिन अब ये तमाशा जल्द खत्म होने वाला है। एमसीडी ने इसके लिए कमर कस ली है और एक धमाकेदार प्लान तैयार किया है जो इस इलाके को नया जीवन देने वाला है।

150 बसों का नया ठिकाना

सड़क पर बसें खड़ी करके ट्रैफिक ब्लॉक करने का खेल अब बंद होगा। एमसीडी जल्द ही मैन आनंद रोड पर 150 बसों की पार्किंग शुरू करने जा रही है। अब प्राइवेट बस वाले बाहर सड़क कब्जाने की बजाय आराम से अंदर पार्क करेंगे।

सबसे मजेदार गड़बड़झाला ये है कि आइएसबीटी में बस को सिर्फ 25 मिनट रखने की इजाजत है, उसके बाद जुर्माना इतना कि ऑपरेटर डर के मारे बस बाहर निकालकर सड़क पर पटक देते हैं। इसकी वजह से जाम लग जाता है। अब एमसीडी का प्लान है कि शीतकालीन प्रदूषण सीजन में ये 25 मिनट की लिमिट बढ़ा दी जाए। ताकि बसें बस स्टैंड के भीतर आराम से खड़ी हो सकें। अधिकारियों ने बताया कि एक्यूआई स्टेशन के पीछे

वाली सड़क पर काम तेज कर दिया है। साथ ही सड़कें चमकाने के लिए जेटिंग मशीनें और एक्स्ट्रा कर्मचारी तैनात किए गए हैं। ताकि निर्माण के दौरान धूल ना उड़े और एक्यूआई ठीक रहे। 2018 में डीपीसीसी और सीपीसीबी ने 13 हॉटस्पॉट चुने थे, जहां पीएम 2.5 सबसे ज्यादा था। नंबर-1 पर ताज पहनाया गया आनंद विहार को। बाकी इस लिस्ट में मुंडका, वजीरपुर, जहांगीरपुरी, आरके पुरम, रोहिणी, पंजाबी बाग, ओखला, बवाना, विवेक विहार, नरेला, अशोक विहार और द्वारका शामिल थे। अब एमसीडी का ये मेगा ऑपरेशन इन हॉटस्पॉट्स को कूल बनाने की पहली बड़ी जंग है।

दिल्ली में 90 कॉलोनियों को कब तक तोड़ा जाएगा? डीडीए से एनजीटी ने पूछा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना को प्रदूषण और अतिक्रमण से मुक्त कराने की दिशा में एक चुनौती सामने आई है। यमुना डूब क्षेत्र (ओ-जोन) में बनी 90 अवैध कॉलोनियों में रहने वाले करीब 20-25 लाख लोगों के विस्थापन का फैसला फिलहाल कानूनी पेचीदगियों में उलझ गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में हलफनामा दायर करते हुए कहा है कि स्पष्ट कानूनी दिशानिर्देश और पुनर्वास नीति के बिना कार्रवाई संभव नहीं है।

यह मामला जनवरी 2024 में प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी द्वारा स्वतः संज्ञान लिए जाने के बाद सामने आया था। इन कॉलोनियों से बिना उपचारित सीवेज सीधे यमुना में जा रहा है, जिससे नदी के जल की गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

एनजीटी ने सात अप्रैल 2025 को आदेश दिया था कि यमुना किनारे अवैध कॉलोनियों को हटाने और नदी को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए रोडमैप और समय-सीमा प्रस्तुत की जाए। इसके जवाब में दाखिल हलफनामे में डीडीए ने साफ कहा कि दो कानूनों के बीच विरोधाभास होने के कारण तत्काल कार्रवाई नहीं की जा सकती है। डीडीए के मुताबिक, 2019 के अनधिकृत कॉलोनी विनियमों के तहत ओ-जोन में स्थित ये 90 कॉलोनियां दिल्ली सरकार द्वारा चिह्नित की गई 1731 अनधिकृत कॉलोनियों की सूची में शामिल हैं। इन्हें न तो नियमित किया गया है और न ही कोई मालिकाना हक दिए गए हैं। ये सभी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान) द्वितीय अधिनियम, 2011 की धारा तीन के तहत 31 दिसंबर 2026 तक संरक्षित हैं। अर्थात इस कानूनी संरक्षण के चलते इन कॉलोनियों पर किसी भी तरह की सीधी कार्रवाई फिलहाल संभव नहीं है।

न्यूपोर्ट न्यूज प्राथमिक विद्यालय, जहां वह पढ़ाती थीं

घायल टीचर को मिलेंगे 10 मिलियन डॉलर

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी राज्य वर्जीनिया में एक छह वर्षीय छात्र ने अपने शिक्षक को गोली मारकर घायल कर दिया। गोली लगने से घायल शिक्षिका एबिगेल ज्वर्नर ने आरोप लगाया कि न्यूपोर्ट न्यूज प्राथमिक विद्यालय, जहां वह पढ़ाती थीं, वहां स्कूल के प्रमुखों को चेतावनी दी गई थी कि लड़के के पास बंदूक हो सकती है। इसके बावजूद प्रिंसिपल ने इसे नजरअंदाज किया गया।

छात्र द्वारा शिक्षिका को गोली मारे जाने के बाद मुकदमा दायर किया। शिक्षिका एबिगेल ज्वर्नर के वकीलों ने आरोप लगाया कि पार्कर को साथी छात्रों द्वारा दी गई रिपोर्ट के बारे में पता था कि 6 वर्षीय लड़का स्कूल में बंदूक लेकर आया था। इसके बावजूद भी इसे नजरअंदाज किया गया और कोई

कार्रवाई नहीं की गई।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, इस मामले में गुरुवार को जूरी द्वारा शिक्षिका को 10 मिलियन डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया गया। वहीं पार्कर पर अगले महीने बाल शोषण और उपेक्षा के आरोपों में आपराधिक मुकदमा चलेगा। वहीं, गोलीबारी करने वाले छात्र की मां डेजा टेलर को 2023 में नियंत्रित पदार्थ का सेवन करते हुए बंदूक रखने और बंदूक खरीदते समय झूठा बयान देने के संघीय आरोपों में 21 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

पुलिस ने बताया कि लड़का अपने घर से 9 एमएम की हैंडगन लेकर अपने बैग में स्कूल गया था। लड़के ने अपनी कक्षा में एक बार बंदूक निकाली और शिक्षिका एबिगेल ज्वर्नर पर एक गोली चला दी, छात्र ने शिक्षिका को जब गोली मारी तब वह पहली कक्षा की कक्षा में पढ़ने की मेज पर बैठी थीं। गोली उनके हाथ और सीने में लगी। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके हाथ की पांच सर्जरी हो चुकी हैं और गोली अभी भी उसके सीने में धंसी हुई है।

न्यूपोर्ट न्यूज पुलिस ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा था कि उन्होंने अपने बाएं हाथ और छाती में गंभीर चोट लगने के बावजूद लगभग 20 छात्रों की अपनी कक्षा को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर फायरिंग से बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक बार फिर शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन भड़क उठा है। नेपाल की तरह ही अब पीओके में भी आंदोलन की कमान जेन-जी ने संभाल ली है। हालांकि, शुरू में छात्रों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन शिक्षा सुधार और फीस कटौती पर केंद्रित था लेकिन उनकी मांगों को सुनने के बजाय सेना-पुलिस की मदद से उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की गई तो हालात बेकाबू हो गए। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिसमें मुजफ्फराबाद के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी सड़कों पर उतरे छात्रों को नारेबाजी, तोड़फोड़ करते और टायर आदि जलाते देखा जा सकता है। शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन में बदले विरोध-प्रदर्शन को पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में युवा पीढ़ी के बीच गहराते असंतोष के तौर पर देखा जा रहा है। कई सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा जा रहा है कि नेपाल के बाद अब पीओके में जेन-जी के आंदोलन ने पाकिस्तान की सरकार और सेना के लिए हालात मुश्किल बना दिए हैं। एक प्रमुख यूनिवर्सिटी में भारी-भरकम फीस और सुविधाओं के अभाव पर विरोध जताने के लिए शुरू हुआ था। प्रदर्शन शांतिपूर्ण जारी था लेकिन प्रशासन ने यूनिवर्सिटी में सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी।

दुनिया का सबसे बड़ा पुरातात्विक संग्रहालय बना मिस्र की संस्कृति और इतिहास का नया प्रतीक

काहिरा, एजेंसी।

मिस्र, जो सदियों से अपनी प्राचीन सभ्यता, रहस्यमयी पिरामिडों और फराओ की कहानियों के लिए प्रसिद्ध है, अब एक और उपलब्धि के कारण चर्चा में है। गीज़ा के प्रसिद्ध पिरामिडों के पास ग्रैंड इजिप्शियन म्यूज़ियम आम जनता के लिए खोल दिया गया है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा पुरातात्त्विक संग्रहालय बताया जा रहा है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी के साथ कई देशों के नेता और गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

किंग तूतनखामेन के खज़ाने पहली बार एक जगह

म्यूज़ियम में एक लाख से अधिक ऐतिहासिक वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। इनमें सबसे आकर्षक हैं राजा तूतनखामेन से जुड़ी 5,000 से अधिक वस्तुएं – जिनमें उनका सोने का प्रसिद्ध मुखौटा, आभूषण, रथ, हथियार और धार्मिक वस्तुएं शामिल हैं।

लगभग 3,300 साल पुरानी इस कब्र से निकले खजानों को पहली बार एक ही स्थान पर देखा जा सकता है। 20वीं सदी में तूतनखामेन की कब्र की खोज को इतिहास की सबसे बड़ी पुरातात्त्विक घटनाओं में गिना जाता है। उसी के साथ जुड़ी 'फेरो का शाप ' की कहानियां भी आज तक रहस्य बनी हुई हैं।

इतिहास और निर्माण की लंबी यात्रा

ग्रैंड इजिप्शियन म्यूज़ियम की अवधारणा 2000 के दशक की शुरुआत में रखी गई थी, जिसका उद्देश्य था – मिस्र की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को एक स्थान पर सुरक्षित करना और विश्व के सामने आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करना।

लगभग 1 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से बनी इस परियोजना को पूरा होने में दो दशक से अधिक का समय लगा। राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और कोविड-19 महामारी के कारण निर्माण कार्य कई बार बाधित हुआ, लेकिन आखिरकार 2025 में जनता के लिए द्वार खोल दिए गए।

गीज़ा पिरामिडों के सामने बना स्थापत्य चमत्कार

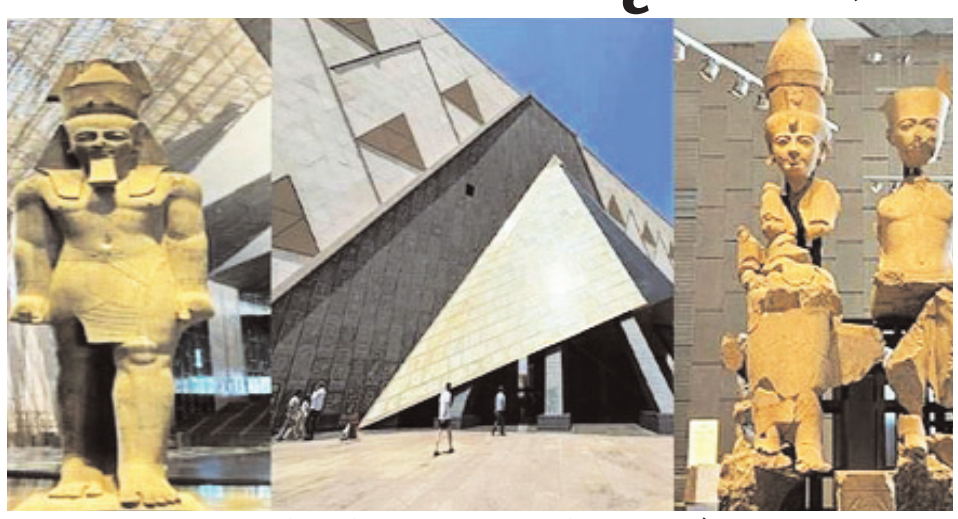

म्यूज़ियम का निर्माण स्थल अपने आप में प्रतीकात्मक है – यह काहिरा के बाहरी इलाके में, गीज़ा के महान पिरामिडों के ठीक सामने स्थित है। इसकी वास्तुशिल्पीय डिजाइन में आधुनिकता और प्राचीन मिस्री स्थापत्य कला का सुंदर संगम दिखाई देता है, जो आसपास के ऐतिहासिक परिदृश्य के साथ एकात्म बनाता है।

म्यूज़ियम की प्रमुख विशेषताएं

कुल क्षेत्रफल: लगभग 5,00,000 वर्ग मीटर

कुल प्रदर्शनी वस्तुएं: एक लाख से अधिक

प्रवेश द्वार पर आकर्षण: रैमसेस द्वितीय की 30 फुट ऊंची भव्य मूर्ति

मुख्य आकर्षण: तूतनखामेन गैलरी – जहां उनके सभी 5,000 से अधिक अवशेष पहली बार एक साथ प्रदर्शित हैं

यहां आगंतुक 3ष्ठ प्रोजेक्शन, वर्चुअल रियलिटी, और इंटरएक्टिव डिस्प्ले जैसी अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से इतिहास को जीवंत अनुभव कर सकते हैं।

फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग: इस परियोजना में लगभग 10,000 करोड़ रुपये (1 अरब डॉलर) से अधिक की लागत आई। यूनेस्को और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी आर्थिक सहयोग दिया।

पॉक्सो एक्ट के मामलों में तुरंत कार्रवाई करें पदाधिकारी: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने पॉक्सो एक्ट से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में अत्यधिक संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित बच्चों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष आने वाले पोक्सो एक्ट से संबंधित प्रत्येक मामले में उपायुक्त (डीसी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) की संयुक्त अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की जाए। जिसमें, एक संयुक्त आदेश निर्गत हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग मिलकर समन्वय के साथ काम करें। ताकि मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित हो सके।

पीड़ितों की गोपनीयता और पुनर्वास पर विशेष जोर

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पीड़ितझपीड़िता एवं उनके परिजनों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाए तथा उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी

योजनाओं से अच्छादित (कवर) किया जाए, जिससे उनका सामाजिक, मानसिक एवं आर्थिक पुनर्वास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ शीघ्रता से उपलब्ध कराया जाए।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें

बैठक में उपायुक्त ने सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिया कि कार्यस्थल पर किसी भी महिला कर्मी के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार या उत्पीड़न नहीं हो। इसके लिए प्रत्येक कार्यालय में महिला नोडल पदाधिकारी नामित करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि नोडल पदाधिकारी नियमित रूप से शिकायत निवारण तंत्र की समीक्षा करें और महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करें।

संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई और समन्वय पर दिया बल

उपायुक्त ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत मामलों में पुलिस, प्रशासन, चिकित्सा विभाग, समाज कल्याण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के बीच घनिष्ठ समन्वय आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक स्तर पर समयबद्ध कार्रवाई, संवेदनशील व्यवहार और न्याय की त्वरित उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मौके पर मुख्यालय डीएसपी अनिमेष गुप्ता,एनडीसी प्रभाष दत्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अनिता झा, समेत बीडीओ झ सीओ व अन्य उपस्थित थे।

जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जनता की आवाज सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यह बातें शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित सप्ताहिक जनता दरबार के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहीं। उन्होंने कहा कि जनता दरबार शासन-प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। इससे नहीं केवल लोगों की समस्याओं का प्रत्यक्ष समाधान होता है, बल्कि जनता का विश्वास भी प्रशासनिक तंत्र में मजबूत होता है। उपायुक्त ने कहा कि, केवल जिला स्तर पर ही नहीं प्रखंडों में भी आज जनता दरबार आयोजित है। सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित होता है।

बुजुर्ग पिता की शिकायत ने छोड़ा भावनात्मक संदेश झ समाज को सोचना होगा

जनता दरबार के दौरान एक बुजुर्ग पिता अपने बेटे और बहू के विरुद्ध शिकायत लेकर पहुंचे। इस पर उपायुक्तने भावुक होते हुए कहा कि यह बेहद दुखद है कि एक पिता को अपने ही बेटे-बहू के खिलाफ शिकायत लेकर यहां आना पड़ रहा है। यह केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक चिंता का विषय है। समाज को इस दिशा में आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील किया कि पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों को सशक्त बनाए रखें ताकि वृद्धजन को सम्मान और सुरक्षा का वातावरण मिले।

57 मामलों की हुई सुनवाई- कई का हुआ मौके पर निष्पादन

आज आयोजित जनता दरबार में कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, पेंशन, पारिवारिक कलह, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास, राशन कार्ड और जनसुविधा से संबंधित विषय प्रमुख रहे। उपायुक्त ने सभी आवेदनों पर गंभीरता से सुनवाई की और कई मामलों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के साथ काम करें, ताकि जनता को अनावश्यक चक्कर न लगाना पड़े।

एक पखवारे में सभी लंबित मामलों का करें निष्पादन

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्राप्त सभी आवेदनों पर अधिकतम एक पखवारे के भीतर निष्पादन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर लापरवाही या विलंब पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी। स्पष्ट किया कि जनता दरबार केवल शिकायत सुनने का नहीं, बल्कि समाधान देने का माध्यम है और इसका उद्देश्य शासन को जनता के और करीब लाना है।

संवेदनशील प्रशासन ही सुशासन की नींव

उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहा कि सुशासन की सबसे पहली शर्त है संवेदनशील प्रशासन। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनता की समस्याओं को सहानुभूति, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ हल करें। हर फरियादी यह महसूस करे कि प्रशासन उसके साथ है - यही हमारा लक्ष्य है। मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर मेनका, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष, डीएसओ शालिनी खालखो, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन : बैंक प्रबंधकों का अध्ययन भ्रमण आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के कसमार, पेटरवार एवं चास प्रखंड के बैंक शाखा प्रबंधकों का व्यक्तिगत महिला उद्यम ऋण (मुद्रा योजना) पर अध्ययन भ्रमण कसमार प्रखंड में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत तीन टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने अलग-अलग ग्राम संगठनों - गर्री एवं दाँतु पंचायत - का भ्रमण कर महिलाओं की आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया।

महिला उद्यमियों से सीधा संवाद

भ्रमण के दौरान बैंक प्रबंधकों ने स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दीदियों, कैडरों एवं उद्यमी महिलाओं से सीधे संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में बैंकों की भूमिका, ऋण उपलब्धता, वित्तीय सहयोग एवं आत्मनिर्भरता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता

बैंकर्स ने महिलाओं द्वारा संचालित लघु उद्योगों, आजीविका गतिविधियों एवं सामुदायिक उद्यमों का अवलोकन किया और उन्हें आवश्यक वित्तीय सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ते हुए सुलभ एवं समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराना तथा उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

धनबाद सांसद संगठित अपराध को बढ़ावा दे रहे है : जवाहर महता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के भाजपा सांसद ढुलू महतो ने बेरमो के कांग्रेस विधायक कुमार मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह पर कई तरह का आरोप लगाया था। इसको लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष जवाहरलाल महथा ने बोकारो सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सांसद से सवाल जवाब किया

है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि जो खुद कोयला चोरी करते हैं वह इस तरह की बात कर रहे हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि अगर हमारे विधायक पर कोयला चोरी का मामला वह सिद्ध कर दे तो हम लोग राजनीति से संन्यास ले लेंगे। जिला अध्यक्ष ने कहा कि धनबाद सांसद संगठित अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं। आज बालू के डंपर से 5 हजार की वसूली उनका कौन आदमी कर रहा है। उसका भी उनका जवाब देना चाहिए। उनके ऊपर जो 50 से अधिक मामले दर्ज हैं वह किस कारण से है उसका भी उन्हें जवाब देना चाहिए सिर्फ दूसरे पर आरोप लगाने से काम नहीं चलेगा। परिवारवाद की बात कह कर कांग्रेस पर सांसद आरोप लगा रहे हैं लेकिन उन्हें बताना चाहिए कि बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो कौन है, क्या उनके भाई नहीं है। अगर उनके भाई हैं तो उन्हें परिवारवाद पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ने की स्वास्थ्य मंत्री से अस्पतालों में एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध कराने की मांग

धनबाद। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह ए आईसीसी के सदस्य, अधिवक्ता , ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है कि आए दिन आवारा कुत्ता के काटने से आम जनता बहुत परेशानी का सामना कर रही है, क्योंकि जब अस्पताल में वे लोग जाते हैं तो वहां एक ही जवाब मिलता है की एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है। आप बाहर से खरीद कर लाएं तभी सूई देना संभव हो सकेगा। अभी हाल ही में कई दिनों से शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में कई मरीज एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने के लिए पहुंचे लेकिन वहां भी वही जवाब मिला जो दूसरे छोटे-छोटे अस्पतालों से मिल रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही आदेश दिया है की आवारा कुत्तों को उपलब्ध जगह में ही रखने की व्यवस्था की जाए ताकि आम जनता सुरक्षित रहे झारखंड सरकार और खासकर स्वास्थ्य मंत्री से मांग करता हूं कि एंटी रैबीज इंजेक्शन का सभी चिकित्सा केंद्रों में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया जाए ताकि आम जनता किसी भी खतरा से बच सके।

उज्ज्वला गैस कनेक्शन प्रदान करने की प्रगति की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में नव गठित जिला उज्ज्वला समिति की बैठक हुई। बैठक का उद्देश्य प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत पात्र परिवारों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने की प्रगति की समीक्षा करना था। बैठक में जिला उज्ज्वला समिति के सदस्य शामिल हुए, जिसमें शालिनी खलखो (जिला आपूर्ति अधिकारी), एम. मन्सूर अख्तर (आइओसीएल, सदस्य समन्वयक), शाकिब जमाल हाशमी (बीपीसीएल), सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहीं। बैठक में जिला नोडल अधिकारी ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के आवेदन प्रक्रिया, पात्रता सत्यापन तथा सीएलडीपी के माध्यम से लागू किए गए सुदृढ़ जांच एवं डुप्लिकेशन रोकथाम उपायों की

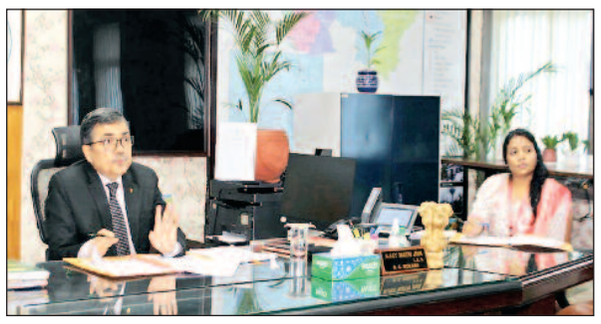

क्रमवार जानकारी समिति सदस्यों को दी। समिति द्वारा सभी तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे पात्र आवेदकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एलपीजी कनेक्शन जारी करें। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि 5% कनेक्शनों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि गरीब परिवारों की पहचान हेतु ग्राम पंचायत सचिव एवं पीडीएस डीलरों की सहायता लेकर पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करें। साथ ही, जिले में एलपीजी कनेक्शन की पहुंच का आंकलन करने के लिए अब तक जारी कनेक्शनों एवं शेष पात्र परिवारों की रिपोर्ट तैयार करें। सभी कंपनियां अपने-अपने गोडाउन की स्थिति एवं क्षमता की जानकारी का प्रतिवेदन जिला को समर्पित करें। उन्होंने कहा कि योजना से अच्छादित होने वाले लाभुकों के जीवन में योजना का लाभ लेने से क्या परिवर्तन आया, उसका थर्ड पार्टी समीक्षा कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा झ निर्देश दिया।

किसानों के बीच किया गया कृषि उपकरण का वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अदानी फाउंडेशन द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत किसानों के बीच कृषि उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों को मिनी ट्रैक्टर, घास काटने की मशीन, सिंचाई पाइप और सोलर ड्रायर जैसे आधुनिक कृषि उपकरण वितरित किए गए।

स्वास्थ्यकर्मियों को निमोनिया की पहचान को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में बोकारो जिला के विभिन्न प्रखण्ड के चिकित्सा पदाधिकारी, स्टाफ नर्स एवं एएनएम को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि एस ए ए एन एस का मतलब निमोनिया को सफलतापूर्वक निष्क्रीय करने के लिए निमोनिया के लक्षणों को पहचानना और बचाव व रोकथाम हेतु समय पर इसका इलाज करना है। प्रशिक्षण के दौरान आरसीएच पदाधिकारी डॉ सेलिना टुडू द्वारा प्रतिभागियों को बताया गया कि निमोनिया देशभर में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण खतरा है। निमोनिया के लक्षणों को पहचान कर उसके रोकथाम या बचाव कैसे किया जाय। इसके बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों कौ।।छै प्रशिक्षण का उछदेश्यों पर चर्चा किया गया। जागरूकता बढ़ाना-माता-पिता और देखभाल करने वालों को निमोनिया के लक्षणों रोकथाम और उपचार के बारे में शिक्षित करना। शीघ्र पहचान को बढ़ावा देना। तेजी से सांस लेना सीने में खिंचाव और बुखार जैसे लक्षणों की जल्दी पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करनाए ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सके। देखभाल में सुधार- निमोनिया से बचाव के लिए टीकाकरण पोषण, स्तनपान सहितद्ध और स्वच्छता जैसे निवारक उपायों को बढ़ावा देना।स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना- सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वास्थ्य कर्मियों को निमोनिया के प्रभावी प्रबंधन और उपचार के लिए प्रशिक्षित करना। प्रशिक्षण के दौरान डॉ पंकज कुमार, ज्योतिका कुमारी स्वास्थ्य प्रशिक्षक, उर्मिला कुमारी एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित थे।

कैंसर की जांच को 154 स्वास्थ्य संस्थानों में स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर जन जागरूकता हेतु बोकारो जिला अन्तर्गत 154 आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया गया कि कैंसर तेजी से बढ़ती गम्भीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एनसीडी कोषांग द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मुख कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर एवं सर्वाईकल कैंसर की जांच नियमित रूप से की जाती है। भारत ही नही दुनियाभर में महिलाये ब्रेस्ट और सर्वाईकल यानि बच्चेदानी के कैंसर का सामना कर रही हैं। मुंह का कैंसर महिला और पुरूष दोनों में होता है। सरकार तीनों कैंसर के स्क्रीनिंग पर जोर दे रही हैं और इसकी सुविधा सभी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध है। आज के कैम्प के दौरान कुल 1824 मुंह के कैंसर, 768 स्तन कैंसर एव 476 लोगों की सर्वाइकल कैंसरं की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें कुल 11 लोगो के अन्दर मुंह के कैंसर का लक्षण एवं 4 लोगों में सर्वाईकल कैंसर के लक्षण मिले हैं जिसे जांच हेतु रेफरल किया गया है। वहीं, दन्त चिकित्सक सदर अस्पताल डॉ निकेत चौधरी के द्वारा बताया गया

कि सदर अस्पताल बोकारो में मुहं के कैंसर की स्क्रीनिंग सुविधा उपलब्ध है। साथ ही सामुदाय स्तर पर कैंसर की जांच सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर की जा रही है। साथ ही साथ तम्बाकू छोड़ने हेतु परामर्शी सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। अगर कोई व्यक्ति तम्बाकू छोड़ना चाहता है तो उसे छोड़ने हेतु दवा की उपलब्धता भी कराई जाती है। जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति सम्भावित कैंसर का मरीज मिलता है तो उसे उच्च स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाता है। साथ ही सभी आमजनमानस को अवगत कराया जा रहा है कि सदर अस्पताल में धुम्रपान/तम्बाकू की लत छुड़वाने हेतु निकोटीन पैच की भी सुविधा उपलब्ध है। आप सभी इस सुविधा का लाभ अवश्य लें।

बोकारो हवाई अड्डा को चालू कराने को 9 नवंबर को प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो हवाई अड्डा को अविलंब चालू कराने को लेकर इसके गेट पर 9 नवंबर को नागरिक अधिकार मंच द्वारा प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बोकारो हवाई अड्डा से यात्री विमानों की उड़ान शुरू करने हेतु कई सालों से बार बार तारीखें घोषित कर भी इसे प्रारंभ नहीं करना बोकारो और इसके आसपास की जनता के साथ न सिर्फ धोखा है बल्कि इस पूरे क्षेत्र के विकास के साथ खिलवाड़ है। ये बातें नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने मंच की एक बैठक में में कही है। उन्होंने जानकारी दी कि बोकारो हवाई अड्डा के निर्माण में अभी तक एक सौ करोड़ रुपए खर्च हो गए हैं । ज्ञात हो कि इसे प्रारम्भ करने में बरती जारही घोर लापरवाही एवं जानबूझकर की जारही देरी के विरोध में नागरिक अधिकार मंच द्वारा एक जनांदोलन प्रारंभ किया गया था जिसके तहत बोकारो जिला से संबंधित सभी वर्तमान एवं निवर्तमान जनप्रतिनिधियों के साथ ही सूबे के वर्तमान मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्रियों तथा महामहिम राज्यपाल, केंद्रीय उड्डयन मंत्री सहित प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया गया था । जनांदोलन के बढ़ते दबाव को देखते हुए जिला के वर्तमान उपायुक्त ने सक्रियता दिखाते हुए इस हवाई अड्डा के प्रारम्भ होने में होने वाले विलंब के कारणों को दूर करते हुए इसे 5 नवंबर को शुरू करने हेतु कुछ महीनों पहले घोषणा की थी। मगर यह सिर्फ घोषणा होकर ही रह गया । आज की बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि बोकारो हवाई अड्डा को चालू होने में राज्य सरकार, केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय, केंद्रीय विमान पत्तनन विभाग, सेल या जिला प्रशासन चाहे जो अड़ंगा लगारहा है या अकर्मण्यता वरत रहा है अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के कारण विलंब कर रहा है वह अपने में सुधार कर सारी अड़चनों को दूर करे अन्यथा नागरिक अधिकार मंच द्वारा पुनः जनांदोलन खड़ा किया जाएगा । इसके साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि दिनांक 9 नवंबर रविवार को अपराह्न 3 बजे बोकारो हवाई अड्डा के गेट पर प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करते हुए सभी जवाबदेह संस्थाओं को चेतावनी दी जाएगी कि बोकारो की जनता को धोखा देना बंद किया जाय और बोकारो हवाई अड्डा को अविलंब चालू करने हेतु शुद्ध मन से प्रयास करे अन्यथा भयंकर जनाक्रोश का सामना करना होगा ।

राष्ट्रीय कैंसर दिवस और शिशु संरक्षण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय कैंसर दिवस और शिशु संरक्षण दिवस के अवसर पर आज को बीएसएल सीएसआर के तहत पीरामल स्वास्थ्य एमएमयू टीम ने तेलीडीह और बांधगोड़ा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए. राष्ट्रीय कैंसर दिवस जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणों को कैंसर के कारणों, प्रारंभिक लक्षणों, रोकथाम और शीघ्र निदान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया. टीम ने तंबाकू और शराब से बचने और स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने पर भी जोर दिया. शिशु संरक्षण दिवस जागरूकता अभियान में बाल स्वास्थ्य और पोषण पर जागरूकता बढ़ाने के लिए शिशु संरक्षण दिवस मनाया गया। पीरामल स्वास्थ्य एमएमयू टीम ने शिशुओं में विशेष रूप से स्तनपान, टीकाकरण, स्वच्छता और प्रारंभिक बीमारी की पहचान पर चर्चा की. राष्ट्रीय कैंसर दिवस और शिशु संरक्षण

दिवस जागरूकता कार्यक्रम में 50 से अधिक लाभार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पीरामल स्वास्थ्य एमएमयू टीम के डॉक्टर, समन्वयक, फार्मासिस्ट, नर्स, लैब तकनीशियन और पायलट के सहयोग से सफलता पूर्वक आयोजित की गई.

बीएसएल में 'वेलफेयर वॉक-केयर एंड कनेक्ट' पहल के तहत कार्यस्थल पर कर्मियों से संवाद

बोकारो इस्पात संयंत्र में कर्मियों के कल्याण, संवाद और जुड़ाव को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक नई पहल 'वेलफेयर वॉक - केयर एंड कनेक्ट' का शुभारंभ आज दिनांक 07 नवम्बर को सीआरएम-III विभाग से किया गया. यह अभिनव पहल अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है जिसका उद्देश्य कर्मियों से उनके कार्यस्थल पर प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों को समझना, मौजूदा कार्य एवं कल्याण सुविधाओं की प्रभावशीलता का आकलन करना तथा सुधार की संभावनाओं की पहचान कर उन्हें और अधिक सशक्त बनाना है. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक अंजनी कुमार शरण, मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक आर.के. झा, महाप्रबंधक प्रभारी (एचआरझवर्क्स) श्री वी. एम. बक्शी, महाप्रबंधक बी. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (एचआर वर्क्स/मिल जोन) एन.के. झा, तथा वरीय प्रबंधक सुश्री रीतिका शुक्ला सहित सीआरएम-III एवं एचआर विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने सीआरएम-III के विभिन्न शॉप फ्लोर क्षेत्रों का भ्रमण कर कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से सीधे संवाद स्थापित किया. उन्होंने कार्यस्थल की परिस्थितियों तथा उपलब्ध कल्याण सुविधाओं का अवलोकन करते हुए उनके बेहतर उपयोग, संवर्धन और नए वेलफेयर उपायों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया. इस अवसर पर कार्यस्थल को और अधिक सुरक्षित, समावेशी एवं संवेदनशील बनाने केलिए कई उपयोगी सुझाव भी प्राप्त हुए. 'वेलफेयर वॉक - केयर एंड कनेक्ट' बीएसएल की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो यह दर्शाती है कि एक सुरक्षित, सहज एवं समावेशी कार्यस्थल का निर्माण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि सतत संवाद, सहभागिता और संवेदनशील दृष्टिकोण से संभव है. आने वाले दिनों में इस प्रकार की वेलफेयर वॉक और फीडबैक सत्रों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा ताकि कर्मचारियों के कल्याण को और अधिक सशक्त और सबल बनाया जा सके.

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में मनियाडीह से आई सीमा कुमारी ने शहीद बीएसएफ जवान के आश्रितों को झारखंड सरकार के तरफ से मिलने वाले मुआवजा तथा नियोजन की मांग को लेकर उपायुक्त को आवेदन सौंपा। जे सी मल्लिक रोड हीरापुर से आए प्रेमानंद तिवारी ने सड़क किनारे रास्ते से अतिक्रमण हटाने हेतु उपायुक्त को आवेदन सौंपा। निरसा के देबियाना से आई कैंसर से जूझ रही चंपा देवी ने इलाज हेतु आर्थिक सहायता करने से संबंधित आवेदन दिया।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com